हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 21 मई 2026

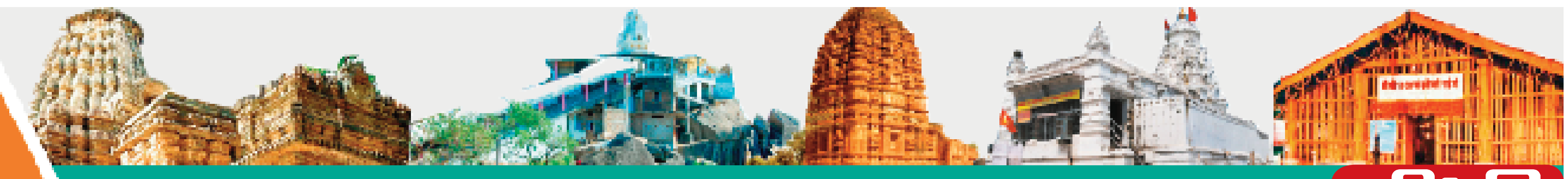

आयुष्मान में इलाज फ्री पर निजी अस्पतालों में कट रही मरीजों की जेब, बड़ा मसला आठ साल पुराना पैकेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वैसे तो आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना में बीपीएल श्रेणी के मरीजों का पांच लाख तक का इलाज निशुल्क है, बावजूद इसके निजी अस्पतालों में मरीजों की जेब एडवांस टेस्ट और कम पैकेज के नाम पर कट रही है। अस्पतालों में थमाए जाने वाले अतिरिक्त बिल की मुख्य वजह आयुष्मान योजना के आठ साल पुराने पैकेज को माना जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के पास पिछले ढाई साल में प्रदेशभर के करीब 30 से ज्यादा अस्पतालों के खिलाफ इस तरह की शिकायत मिली थी। जांच के बाद दर्जनभर अस्पतालों पर नोटिस और जुर्माना की कार्रवाई हुई और शेष को क्लीन चिट दे दिया गया। शिकायत जांच और फिर जुर्माना जैसी कार्रवाई होने के बाद भी अस्पतालों में योजना के हितग्राहियों से अतिरिक्त राशि की वसूली रुकने का नाम नहीं ले रही है। विभागीय स्तर पर बीपीएल और वय वंदना के मरीजों को पांच लाख रुपए तक निशुल्क इलाज का दावा किया जाता है, मगर जमीनी हकीकत इससे दूर है। स्थानीय निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड लेकर पहुंचने वाले गरीब मरीजों को काफी हील-हवाला के बाद इलाज तो मिल रहा है, लेकिन डिस्चार्ज के वक्त उनके हाथों में अतिरिक्त राशि का बिल थमा दिया जा रहा है। इस बिल के कारणों में एडवांस मशीनों से टेस्ट और पैकेज के तुलना में इलाज पर खर्च ज्यादा होने का तर्क होता है। सूत्रों का कहना है कि अतिरिक्त राशि की डिमांड की शिकायत इसलिए भी कम नहीं हो रही है कि अभी भी योजना में बीमारियों के इलाज के लिए तय राशि आठ साल पुरानी है। समय के साथ मेडिकल इक्यूपमेंट के सामान की कीमत काफी बढ़ चुकी है।

एडवांस टेस्ट और कम पैकेज के नाम पर मरीजों से वसूली जा रही अतिरिक्त राशि

विभाग के पास ढाई साल में 30 से ज्यादा शिकायतें, दर्जनभर से ज्यादा पर हुई कार्रवाई

मंथन का हल नहीं

आयुष्मान योजना के पैकेज का पुनर्निर्धारण करने के लिए आईएमए सहित विभिन्न चिकित्सकीय संगठनों द्वारा विभागीय स्तर पर मुलाकात की जा चुकी है। इस आधार पर निर्धारित दर में संशोधन के लिए विचार का दौर भी शुरू किया गया था मगर इस पर बात अब तक नहीं बन पाई है। कुछ चिकित्सकों का यह भी तर्क है कि समय के साथ बीमारियों की सूची में भी फेरबदल की आवश्यकता है जिस पर कोई ध्यान ही नहीं दिया गया है।

इनकार करने वाले भी कम नहीं

वैसे तो प्रदेश में तमाम सरकारी अस्पतालों के अलावा पांच सौ से ज्यादा छोटे-बड़े अस्पताल इस योजना के लिए पंजीकृत है। पिछले कुछ समय से इसके भुगतान पर होने वाली समस्या की वजह से भी हितग्राहियों के इलाज से मरीजों के पीछे हटने की शिकायत भी बड़ी संख्या में सामने आने लगी है। नियम के मुताबिक पंजीकृत अस्पताल इलाज से इंकार नहीं कर सकते मगर भुगतान में आने वाली समस्या की वजह से ज्यादातर हास्पिटल कैश सिस्टम में इलाज करने पर विश्वास करते हैं।

जरूरत वृहद स्तर पर निगरानी की

स्वास्थ्य सहायता योजना में मरीजों को निशुल्क इलाज की सुविधा दिलाने के लिए वृहद स्तर पर निगरानी की आवश्यकता है। आम तौर पर जिला स्तर पर इसके संचालन के लिए एक से दो कर्मचारियों की तैनाती होती है। राजधानी समेत ज्यादा अस्पताल वाले इलाके में निगरानी के साथ शिकायतों के निराकरण के लिए ज्यादा टीम की आवश्यकता है।

हर शिकायत पर परीक्षण

आयुष्मान से संबंधित आने वाले हर शिकायतों पर सक्षम अधिकारी और चिकित्सकीय टीम द्वारा जांच की जाती है। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई भी होती है।

- डा. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ

गलत बयानी पर शाह को जनता से माफी मांगनी चाहिए

शाह पर भड़के भूपेश-महंत, कहा- हमारे योगदान को कम करने की कोशिश न करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर तीखा पलटवार किया। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, बस्तर नक्सल मुक्त हुआ है, यह अच्छी बात है, लेकिन हमारे योगदान को कम करने की कोशिश मत कीजिए। उन्होंने शाह पर गलत बयानी का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, शाह ने जनता को बेवकूफ बनाने का प्रयास किया है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जगदलपुर में कहा था कि नक्सल उन्मूलन में पिछली कांग्रेस सरकार ने सहयोग नहीं किया। शाह के बयान के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा कर रहे थे। श्री बघेल ने अपने 5 साल के कार्यकाल में नक्सल उन्मूलन के लिए किए गए प्रयासों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, वर्ष 2018 के बाद नक्सल घटनाओं में लगातार कमी आई। पूर्व सीएम ने कहा, मध्यप्रदेश में हुई नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक में भी कहा गया था कि छत्तीसगढ़ में वामपंथ उग्रवाद में कमी आई है।

पीडीएस की व्यवस्था को किया बेहतर

पूर्व सीएम ने कहा, कांग्रेस शासन में पूरे बस्तर में 35 किलो राशन मिलता रहा है, जबकि रमन सरकार में 7 किलो प्रति व्यक्ति कर दिया गया था। सुकमा और बीजापुर में पीडीएस व्यवस्था को बेहतर किया गया और अंदरूनी क्षेत्रों में भी राशन मिलता रहा। उन्होंने कहा, रमन सरकार में राशन के वाहनों को लूटने की घटना हुई थी, लेकिन हमारे शासन काल में ऐसी कोई घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा, रमन सरकार में नक्सल प्रभावित इलाकों के 4 सौ स्कूलों को कैंप में ट्रांसफर कर दिया गया था। अभी 10 हजार स्कूलों को बंद किया गया है। इसमें से 1163 बस्तर के हैं। उन्होंने आरक्षण पर कहा, राज्य में 32 फीसदी आरक्षण पहले से ही है।

शाह के दावे झूठ का पुलिंदा

भूपेश बघेल ने कहा, कांग्रेस नक्सलवाद खत्म होने की घोषणा का स्वागत करती है, लेकिन अमित शाह ने जो दावे किए, वे सिर्फ झूठ का पुलिंदा हैं। उन्होंने कहा, 2018 से 2023 के बीच कांग्रेस सरकार ने बस्तर में सुरक्षा कैप, सड़क और आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया, जिसका फायदा वर्तमान सरकार को मिला। भूपेश ने दावा किया कि वर्ष 2022 में खुद अमित शाह ने माना था कि वामपंथी उग्रवाद छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों तक सीमित रह गया है और नक्सली घटनाओं में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा, यदि अमित शाह अपना पुराना बयान याद कर लेते, तो उन्हें वास्तविक स्थिति समझ में आ जाती।

हमारे कंधे पर खड़े होकर ऊंचे बनने का प्रयास

वनाधिकार पट्टों और आरक्षण के मुद्दे पर भी पूर्व सीएम ने भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया। बघेल ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में 4.57 लाख व्यक्तिगत और 46 हजार सामुदायिक वनाधिकार पट्टे वितरित किए थे। साथ ही आदिवासियों को पहले से 32 प्रतिशत आरक्षण मिलने की बात भी कही गई। पूर्व सीएम ने अमित शाह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, हमारे कंधे पर खड़े होकर ऊंचे बनने का प्रयास मत कीजिए। हमारे योगदान को कम करने की कोशिश न की जाए।

गाय-भैंस वितरण योजना की घोषणा पर महंत का तंज

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भी अमित शाह की वस्तर में डेयरी नेटवर्क और गाय-भैंस वितरण योजना की घोषणा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम रमन सिंह की सरकार में भी ऐसी योजना लागू की गई थी, लेकिन उसमें भारी गड़बड़ियां सामने आई थीं और बड़ी संख्या में बीमार तथा दूध न देने वाली गायों की सप्लाई हुई थी। सैकड़ों करोड़ के इस घोटाले के बाद इस योजना को ही बंद कर दिया गया था। अब अगर फिर से आदिवासी इलाकों में गाय-भैंस बांटने की योजना बन रही है, तो अमित शाह को चाहिए कि डॉ. रमन सिंह को इस योजना की सलाहकार समिति का अध्यक्ष बनाएं, ताकि उनके अपने मुख्यमंत्रित्व के कटु अनुभव का लाभ इस योजना को मिल सके।

कोल घोटाला में पांचवा पूरक चालान पेश

- एसीबी, ईओडब्लू ने नारायण साहू के खिलाफ कोर्ट में पेश किया चालान
- सूर्यकांत के कहने पर नारायण रजनीकांत के पास वसूली की रकम पहुंचाता था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोल घोटाला के आरोप में जेल में बंद सूर्यकांत तिवारी के ड्राइवर नारायण साहू के खिलाफ ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने बुधवार को कोर्ट में करीब एक हजार पन्नों का पूरक चालान पेश किया है। नारायण के खिलाफ जांच एजेंसी ने विशेष न्यायालय में चालान पेश किया है। नारायण पर आरोप है कि उसने साढ़े सात करोड़ रुपए, घोटाला से जुड़े लोगों के बीच पहुंचाने का काम किया है।

कोर्ट में पेश चालान में नारायण साहू के बारे में उल्लेख किया गया है कि वह कोल घोटाला लेवी वसूली सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य था, जो सूर्यकांत तिवारी के

निर्देश पर अवैध कोल लेवी वसूली के कार्य में कोल व्यापारियों एवं कोल परिवहनकर्ताओं से अवैध नकदी रकम एकत्रित कर उसे रजनीकांत तिवारी के पास जमा करता था। अवैध कोल लेवी वसूली की रकम में से लगभग 7.5 करोड़ रुपए की नकदी राशि सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई एवं अन्य को हस्तांतरण, परिवहन एवं व्यवस्थापन नारायण साहू द्वारा किया गया है।

12 दिन पहले हाईकोर्ट से जमानत खारिज

पौने छह सौ करोड़ रुपए के कोल घोटाला में लंबे अरसे से फरार नारायण साहू को ईओडब्लू, एसीबी ने करीब ढाई माह पूर्व गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से नारायण जेल में बंद है। रायपुर की विशेष अदालत में जमानत याचिका खारिज होने के बाद नारायण ने हाईकोर्ट में जमानत आवेदन प्रस्तुत किया था। हाईकोर्ट ने 12 दिन पूर्व नारायण साहू की जमानत याचिका खारिज कर दी। इस मामले में सभी पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने माना कि नारायण साहू सिर्फ ड्राइवर नहीं, बल्कि पूरे वसूली नेटवर्क का एक्टिव मेंबर था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए उल्लेख किया कि जांच एजेंसियों के पास नारायण साहू के खिलाफ गंभीर और ठोस सबूत हैं। कोर्ट के अनुसार, नारायण साहू सूर्यकांत तिवारी का भरोसेमंद व्यक्ति था और कथित अवैध वसूली तंत्र में अहम भूमिका निभा रहा था।

तीन शराब फैक्ट्रियों की कोर्ट कमिश्नर करेंगे जांच हाईकोर्ट ने दो अधिवक्ताओं को किया नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने पर्यावरण प्रदूषण, जल निकायों के दूषित होने और वैधानिक सुरक्षा उपायों के कमजोर प्रवर्तन से संबंधित स्वतः संज्ञान लेते हुए दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए तीन शराब बनाने वाली इकाइयों के स्वतंत्र निरीक्षण का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने अधिवक्ता वैभव शुक्ला और अपूर्वा त्रिपाठी को भाटिया वाइन मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, वेलकम डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड और छत्तीसगढ़ डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण करने के लिए न्यायालय आयुक्त नियुक्त किया है। पर्यावरण संबंधी मानदंडों

- 30 दिन के भीतर पेश करनी होगी रिपोर्ट

के अनुपालन और प्रवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए डिवीजन बेंच ने कहा है कि, वह इस मुद्दे की लगातार निगरानी कर रहा है। उसने इस महीने की शुरुआत में मीडिया में प्रकाशित उन रिपोर्टों का भी उल्लेख किया है, जिनमें आरोप लगाया गया था, अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्टों के निर्वहन से नदियां और जलीय जीवन प्रभावित हो रहे हैं।

वेलकम डिस्टिलरीज पर 55 लाख पेनाल्टी

सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड ने डिवीजन बेंच को बताया कि भाटिया वाइन मर्चेंट्स और छत्तीसगढ़ डिस्टिलरीज में किए गए निरीक्षणों में परिसर के बाहर अनुपचारित अपशिष्ट जल का कोई निर्वहन नहीं पाया गया और दावा किया, निगरानी प्रणाली मापदंड अनुमेय सीमा के भीतर है। हालांकि, बोर्ड ने वेलकम डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बार-बार किए गए उल्लंघनों की रिपोर्ट दी, जिनमें निष्क्रिय अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली, दूषित निर्वहन, क्षतिग्रस्त लैगून, अत्यधिक उत्सर्जन और ऑनलाइन निगरानी डेटा में विसंगतियां शामिल हैं। इसके साथ ही नवंबर 2025 में 54.60 लाख रुपए के पर्यावरणीय मुआवजे के साथ-साथ बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

ग्वालियर के आबकारी अधिकारी के फर्जी जाति प्रमाणपत्र की जांच के आदेश

मध्यप्रदेश के ग्वालियर के आबकारी अफसर राजेश हेनरी पर आपराधिक षड्यंत्र कर फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनवाने का मामला अब हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने बिलासपुर के जिला स्तरीय जाति छानबीन समिति को जल्द जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। आबकारी अफसर राजेश हेनरी पर आपराधिक षड्यंत्र कर फर्जी जाति प्रमाणपत्र बनवाने का आरोप है। आरोप है कि बिलासपुर में बने इस फर्जी प्रमाणपत्र के जरिए वह पिछले 35 साल से आबकारी विभाग में नौकरी कर रहे हैं। इस मामले में भोपाल निवासी प्रभात पांडे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया कि मध्यप्रदेश के अतिरिक्त आबकारी आयुक्त राजेश हेनरी ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी हासिल की है। उन्होंने इस संबंध में 22 जून 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन लंबे समय से यह मामला बिलासपुर की जिला स्तरीय जाति सत्यापन समिति के पास लंबित पड़ा है।

तहसील में प्रकरण ही दर्ज नहीं

याचिका में बताया गया कि सूचना के अधिकार के तहत ली गई जानकारी के अनुसार राजेश के प्रमाणपत्र में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर तहसील के सील और साइन मिले लेकिन, जब बिलासपुर तहसील कोर्ट के दायरा पंजी में साल 1990-91 के प्रकरण की जानकारी ली गई, तब पता चला कि तहसील कार्यालय में उनके जाति प्रमाण पत्र का प्रकरण ही दर्ज नहीं है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि, छत्तीसगढ़ की उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने उनके अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाणपत्र को जांच के लिए जिला स्तरीय समिति को भेजा था लेकिन, दो साल से अफसर जांच के बहाने मामले को दबा दिया है। इसके चलते जांच लंबित पड़ी है।

एसईसीएल के खिलाफ दायर ठेका कंपनी की याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि हर विवाद के लिए आर्बिट्रेटर की नियुक्ति नहीं की जा सकती। टैक्स का विवाद कानूनी दायरे में ही सुलझाया जाएगा। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने ठेका कंपनी की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा है कि अनुबंध में मध्यस्थता क्लॉज होने का मतलब यह नहीं है, वैधानिक टैक्स या सेस से जुड़े विवादों को भी आर्बिट्रेटर के जरिए सुलझाया जाएगा। हाईकोर्ट ने एसईसीएल के खिलाफ दायर ठेका कंपनी की याचिका को खारिज करते हुए कहा है, जब मामला किसी विशेष कानून के तहत देनदारी का हो, तो उसके लिए निर्धारित कानूनी फोरम पर ही जाना होगा। कोलकाता की एसके. सामंता एंड कंपनी को एसईसीएलने गेवरा ओसीपी में वर्कशॉप और स्टोर बनाने का ठेका दिया था। एसईसीएल ने कंपनी के भुगतान से 1 फीसदी राशि निर्माण श्रमिक कल्याण उपकर के रूप में काट लिया। एसईसीएल द्वारा की गई टैक्स कटौती को चुनौती देते हुए ठेका कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में बताया कि उनका काम खदान क्षेत्र में आता है, लिहाजा उन पर माइंस एक्ट लागू होता है। इस वजह से कंपनी पर निर्माण श्रमिक कानून प्रभावी नहीं होगा। एसईसीएल द्वारा एक फीसदी टैक्स की कटौती अवैध है। काटी गई रकम की वापस के लिए याचिकाकर्ता कंपनी ने आर्बिट्रेटर नियुक्त करने की मांग की थी। एसईसीएल की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि एसईसीएल केवल एक कलेक्टिंग एजेंट है। उसने पैसा काटकर राज्य सरकार के खजाने में जमा करा दिया है, इसलिए रिफंड की जिम्मेदारी उसकी नहीं है। सरकार की ओर से पैरवी करते हुए महाधिवक्ता कार्यालय के लॉ अफसर ने कहा कि कंपनी का काम कोयला निकालने का नहीं, बल्कि निर्माण का था, इसलिए सेस काटना पूरी तरह जायज है।

जेंडर की स्पेलिंग भी सही नहीं लिख सका रविवि, सोशल मीडिया में ट्रोल

रायपुर। शब्दों की स्पेलिंग गलत होने पर छात्रों के अंक काटने वाला पं.रविशंकर शुक्ल विवि खुद ही स्पेलिंग सही तरीके से नहीं लिख सका है। इसके बाद अब छात्र समय-सारिणी का स्क्रीनशॉट लेकर सोशल मीडिया पर रविवि को ट्रोल कर रहे हैं। मामला एमए वीमन एंड जेंडर स्टडीज का है। समय-सारिणी इंग्लिश में जारी की गई है। जेंडर में अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर जी के स्थान पर जे का इस्तेमाल किया गया है। रविवि के अनुसार, 23 जून को इसकी परीक्षा आयोजित होगी। गौरतलब है कि रविवि ने एक दिन पहले ही संशोधित समय-सारिणी जारी की है। पुराने समय-सारिणी में कई विषयों का जिक्र नहीं किया गया था। इसके अलावा जिन विषयों की परीक्षाएं सेमेस्टर आधार पर आयोजित की जानी हैं, उनका टाइम-टेबल भी वार्षिक आधार पर जारी कर दिया था। थोक में मिल रही शिकायतों के बाद रविवि ने इसमें संशोधन कर 19 मई को नई समय-सारिणी जारी की, जिसमें भाषायी त्रुटि के कारण विवि फिर से ट्रोल हो रहा है। मजेदार बात यह है कि रविवि ने एमए इन वीमन एंड जेंडर स्टडीज पाठ्यक्रम की शुरुआत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही की है। अर्थात यह इस पाठ्यक्रम का प्रथम बैच है। रविवि के महिला अध्ययन केंद्र में दो वर्षीय (चार सेमेस्टर) एमए इन वीमन एंड जेंडर स्टडीज पाठ्यक्रम जुलाई 2025 से शुरू कर किया गया था।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 21 मई 2026

जेरीकेन में किसानों नहीं मिल रहा तो ट्रैक्टर लाने की मजबूरी

औद्योगिक डीजल 45 रुपए महंगा, इसलिए जनता का ईंधन फैक्ट्रियों में फूंका जा रहा, यही संकट की बड़ी वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस समय मांग के मुकाबले 12 गुना डीजल और 15 गुना पेट्रोल उपलब्ध है, लेकिन इसके बाद भी अगर राज्य में पंपों पर आम लोगों, किसानों व परिवहन से जुड़े वाहनों को डीजल नहीं मिल रहा है, तो यह बड़े संकट की बात है। खास बात ये है कि 20 मई को राज्य स्तर पर खाद्य अधिकारियों की बैठक में यह बात सामने आई कि दरअसल डीजल की कमी इसलिए है, क्योंकि राज्यभर में औद्योगिक संस्थान अपने कोटे के बजाय जनता के कोटे का डीजल पेट्रोल पंपों से उठा रहे हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह रेट के अंतर की है। जानकारों के मुताबिक सामान्य डीजल के मुकाबले औद्योगिक डीजल के रेट में 45 से लेकर 52 रुपए प्रतिलीटर का अंतर है।

ये है मामला

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल को लेकर डर का माहौल 13 मई को बना था, इसे पैनिक कहा जाता है। इस पैनिक की वजह से लोगों को लगा कि आने वाले दिनों में या तो पेट्रोल-डीजल मिलना मुश्किल होगा या रेट बढ़ जाएगा। इसी डर से लोग पंपों पर टूट पड़े और टंकिया फुल करवा ली। हालांकि 13 के बाद ईंधन की कमी नहीं हुई, लेकिन रेट बढ़ गए। यहां तक तो ठीक था, लेकिन इसके एक हफ्ते बाद भी यानी 20 मई को भी राज्य में डीजल का संकट बना दिख रहा है। सरकार खुद इसे लेकर चिंतित है। इसी मसले को सुलझाने ▶▶| शेष पेज 6 पर

जनता का डीजल उद्योग-कारखानों में

उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो इस बैठक में यह जानकारी सामने आई की उद्योगों से संबंधित लोग औद्योगिक इस्तेमाल के लिए सामान्य पेट्रोल पंपों से आम जनता के लिए उपलब्ध डीजल उठा रहे हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह ये है कि दोनों प्रकार के डीजल के रेट में काफी अंतर है। बताया गया है कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में औद्योगिक (थोक या बल्क) डीजल का रेट लगभग 142 से रुपए 146 प्रति लीटर के बीच है। इस हिसाब से रेट में करीब 45 से 52 ▶▶| शेष पेज 6 पर

200 किलोलीटर की खरीदी एक बार में

बताया गया है कि आम जनता के कोटे का सस्ता डीजल उठाने वाले औद्योगिक खरीदार एक बार में 200 किलोलीटर तक डीजल उठा रहे हैं। इसकी वजह से पेट्रोल पंपों में डीजल की कमी हो रही है। इस मसले से जुड़ी एक और दिलचस्प बात ये है कि राज्य सरकार औद्योगिक क्षेत्र के लोगों को सामान्य पंपो से डीजल लेने से रोक नहीं सकती है। लिहाजा अधिकारियों से कहा गया है कि वे आपसी तालमेल से स्थिति पर नियंत्रण बनाएं। अधिकारियों से कहा गया है कि वे उद्योग वालों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे अपने अपने कोटे का औद्योगिक डीजल ही खरीदें।

किसानों को जेरीकेन में डीजल नहीं

राज्य में खरीफ सीजन की बुवाई की तैयारी की जा रही है। किसानों को खेतों की जुताई के लिए ट्रैक्टर के लिए डीजल चाहिए। अब से पहले किसान पंपों से जेरीकेन में डीजल ले जाया करते थे। अब जेरीकेन में डीजल नहीं दिया जाता, तो वे ट्रैक्टर लेकर पंपों में आ रहे हैं। इससे अलग हालत परिवहन कारोबारियों की है। बस व अन्य गाड़ी चलाने वालों को डीजल आसानी से नहीं मिल पा रहा है। उनके हिस्से का डीजल भी उद्योग-कारखाने वाले खरीदकर ले जा रहे हैं। इसका भार सामान्य ग्राहकों के सिर आ गया है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	= ₹118715/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	= ₹144990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	= ₹158270/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels, Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

कुलकर्णी संसदीय समिति की अध्यक्ष मनोनीत

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने भाजपा की सदस्य मेधा विश्राम कुलकर्णी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन पर विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्ष मनोनीत किया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कॉर्पोरेट विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 पर विचार के लिए मंगलवार को संयुक्त समिति का गठन किया।

ई-फार्मेसी का विरोध, राजधानी के थोक दवा बाजार में रहा सन्नाटा

छग की 18 हजार दवा दुकानों का शटर डाउन, 100 करोड़ का कारोबार ठप रहा

ई-फार्मेसी के विरोध में बुधवार को राज्य की करीब 18 हजार थोक और रिटेल की दवा दुकानें बंद रही। संगठित तरीके से हुए इस बंद से एक दिन में करीब सौ करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ। राजधानी के थोक दवा बाजार एवं मेडिकल कांपलेक्स में सन्नाटा रहा। आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए वहां लगाए गए हेल्प डेस्क से कुछ लोगों को इमरजेंसी की दवा उपलब्ध कराई गई। वहीं अस्पतालों के अलावा धनवंतरी और जन औषधि केंद्रों में आवश्यक दवाएं मिलती रही।

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर बुधवार को देशभर के केमिस्टों ने अपना व्यापार बंदकर ई-फार्मेसी का विरोध जताया था। राजधानी समेत समूचे छत्तीसगढ़ में दवा व्यापारियों के संगठन ने इसका समर्थन किया था। दवा कारोबारियों ने बुधवार को अपने कर्मचारियों को छुट्टी दे दी थी जिसके वजह से उनके संस्थानों का ताला नहीं खुला। दवा कारोबारी मेडिकल कांप्लेक्स में एकजुट होकर धरने पर बैठे रहे और आपात स्थिति में दवा के भटकते हुए वहां आने वालों को दवा का वितरण भी करते रहे। इनके द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम कलेक्टर एवं ड्रग कंट्रोलर को ज्ञापन प्रस्तुत ▶▶| शेष पेज 6 पर

मेडिकल कांपलेक्स हेल्प डेस्क से उपलब्ध कराई गई इमरजेंसी दवाएं

फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन का दौर

दवा व्यापारियों ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन दवा कारोबार से फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन की समस्या सामने आ रही है। साथ ही प्रतिबंधित दवाओं की बिना किसी रोकटोक की बिक्री बढ़ हुई है। रायपुर जिले के दवा व्यापारियों ने कहा कि गंभीर विषयों पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई तो व्यापक आंदोलन का निर्णय भी लिया जा सकता है।

सरगुजा में बाइक रैली रायगढ़ में प्रदर्शन

बंद को प्रदेशस्तर पर दवा कारोबारियों ने समर्थन दिया था। राजधानी में मेडिकल परिस में एक दिवसीय धरना स्थल बनाया गया। सरगुजा में दुकानें बंद कर दवा कारोबारियों ने बाइक रैली निकाली। रायगढ़ में दवा विक्रेताओं ने प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की। इसके अलावा अन्य जिलों और ग्रामीण इलाकों में भी दवा दुकानें बंद रही और लोगों को आवश्यकता होने पर धनवंतरी और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों में जाकर दवा खरीदनी पड़ी।

ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी द्वारा भारी छूट से आक्रोश

देशभर में 13 लाख से अधिक दवा दुकानें बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में बुधवार को मेडिकल स्टोर्स की हड़ताल रही। फार्मासिस्ट, केमिस्ट और दवाइयों के डिस्ट्रीब्यूटर्स के संगठन ने मिलकर ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट (एआईओसीडी) के साथ हड़ताल की। देशभर के करीब 13 लाख से ज्यादा दवा डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अपनी मेडिकल स्टोर्स बंद रखा। हड़ताल का सबसे ▶▶| शेष पेज 6 पर

बंगाल में खुली रहीं दवा दुकानें

देशव्यापी बंद के आह्वान के बावजूद पश्चिम बंगाल में बुधवार को प्रमुख कॉर्पोरेट दवा दुकानें, सरकार द्वारा संचालित सस्ती दवा दुकान और कई स्थानीय दवा दुकानें खुली रहीं। 'मेडप्लस', ▶▶| शेष पेज 6 पर

नई व्यवस्था जल्द

रायपुर के बाद अब दुर्ग-बिलासपुर में भी पुलिस कमिश्नरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर के बाद अब दुर्ग और बिलासपुर जिले में भी पुलिस कमिश्नरी सिस्टम जल्द लागू होगा।

गृहमंत्री शर्मा ने कहा सीएम से करेंगे आग्रह

रायपुर में डायल 112 के शुभारंभ कार्यक्रम में गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर प्रणाली की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। छोटे-छोटे विषय विभिन्न विभागों के ▶▶| शेष पेज 6 पर

54 नई डायल 112 गाड़ियों की सौगात

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने रायपुर को 54 नई डायल 112 गाड़ियों की सौगात दी है। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर सभी गाड़ियों को रवाना किया। उन्होंने कहा, डायल 112 करने पर ▶▶| शेष पेज 6 पर

चिंतन

राजनीति में एक-दूसरे का सम्मान जरूरी

राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं, आरोप-प्रत्यारोप भी लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन भाषा की मर्यादा टूटने लगे तो राजनीति का स्तर गिरता है और संवाद कमजोर पड़ने लगता है। हाल ही में कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करने के क्रम में एक बार फिर संयम खो बैठे और सारी मर्यादा भूल गए। उन्होंने पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को "गद्दार" तक कह दिया। राहुल जिस तरह से तू-तड़ाक की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, वह किसी भी प्रकार से नेता विपक्ष की गरिमा के खिलाफ है। यह लोकतंत्र में संबोधन का सभ्य तरीका नहीं हो सकता। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब राहुल ने असभ्य भाषा का प्रयोग किया हो। वे पहले भी ऐसा कर चुके हैं। उन्हें कई बार तो पीएम पर टिप्पणी के लिए कोर्ट तक में माफी मांगनी पड़ी थी। इसके बावजूद उनकी बयानबाजी में संयम का अभाव लगातार दिखाई देता है। संभव है कि उन्हें लगता हो कि तीखे हमले और आक्रामक भाषा से सरकार विरोधी वर्ग उनके करीब आएगा, लेकिन 10-12 साल के राजनीतिक अनुभव बताते हैं कि जनता केवल आक्रोश नहीं, बल्कि गंभीरता और विश्वसनीयता भी देखती है। लोग अब केवल नारेबाजी से प्रभावित नहीं होते, बल्कि वह नेतृत्व की परिपक्वता और व्यवहार को भी महत्व देते हैं। राहुल गांधी ने आर्थिक संकट, बेरोजगारी और व्यापारिक चुनौतियों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। यह उनका लोकतांत्रिक अधिकार है और विपक्ष को सरकार की नीतियों पर सवाल पूछने चाहिए। जब आलोचना के बीच व्यक्तिगत उपहास और अपमानजनक शब्द शामिल हो जाते हैं, तब मूल मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। यही कारण है कि उनके बयान के बाद चर्चा आर्थिक चुनौतियों पर नहीं, बल्कि उनकी भाषा पर केंद्रित हो गई। दूसरी ओर, भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी कम तीखी नहीं रहीं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी को "भारतीय राजनीति का राहु" कहा, जबकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने उन्हें "रिजेक्टेड माल" तक कह दिया। यह स्थिति बताती है कि भारतीय राजनीति में संवाद की जगह कटाक्ष और तंज ने ले ली है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है कि क्या यही राजनीतिक संस्कृति आने वाली पीढ़ियों को दी जानी चाहिए। ऐसे समय में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार का बयान एक सकारात्मक संदेश देता है। शरद पवार ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने की भूमिका की सराहना की। यह परिपक्व राजनीति का उदाहरण है। पवार ने दशकों से विभिन्न विचारधाराओं के नेताओं पंडित जवाहर लाल नेहरू, अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के साथ काम किया है। उनके बीच तीखे वैचारिक मतभेद होते थे, फिर भी व्यक्तिगत सम्मान बना रहता था। संसद में बहसें होती थीं, लेकिन भाषा की मर्यादा नहीं टूटती थी। आज सोशल मीडिया और तात्कालिक राजनीति के दौर में बयानबाजी अधिक उत्तेजक हो गई है। नेताओं को यह समझना होगा कि उनके शब्द केवल राजनीतिक कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज के व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। राजनीति में एक-दूसरे का आदर खुद का सम्मान बढ़ाने वाली बात होती है। लोग भी नेताओं से अच्छे व्यवहार की आस रखते हैं। उम्मीद है कि राहुल गांधी भी अपना लहजा बेहतर करेंगे और राजनीति में एक-दूसरे का सम्मान करने की परंपरा को बनाए रखेंगे।

कूटनीति
अखिलेश आर्येन्दु

> ऊर्जा संकट, व्यापारिक चेन में अस्थिरता और वैश्विक ध्रुवीकरण का नया दौर शुरू हो गया है। विपक्ष मोदी की विदेश यात्रा पर जो सवाल उठा रहा था, उन सवालों का जवाब उनकी सफल यात्रा ने दे दिया है। जाहिर तौर पर उनकी यात्रा के बरक्स में देखें तो इस यात्रा से खाड़ी और यूरोपीय देशों से भारत के रिश्ते ही मजबूत नहीं हुए, बल्कि कई ऐसे समझौते भी हुए हैं जो आने वाले वक्त में देश की प्रगति और विकास के लिए मील के पत्थर साबित होंगे। यात्रा की सफलता का मानक यह है कि वैश्विक ऊर्जा संकट से पार पाने में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है, वह यूएई से ऊर्जा सुरक्षा को लेकर हुआ समझौता, जिसमें पेट्रोलियम और एलपीजी गैस भंडारण, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा निवेश शामिल है।

विदेश यात्रा : एक तीर से कई लक्ष्य साधे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की विदेश यात्रा पर जाने को लेकर विपक्ष कई दिनों से हंगामा कर रहा था। वह सवाल उठा रहा था कि ऐसे वक्त में जब देश में तेल, गैस, रसायनिक खाद की किल्लत और महंगाई से आम आदमी परेशान हो रहा है, प्रधानमंत्री मोदी को पांच देशों के दौरे पर जाना जनहित को नजरअंदाज करने जैसा है, और इसे औचित्यपूर्ण नहीं माना जा सकता है? विपक्ष यह भूल गया कि जिस मकसद को लेकर प्रधानमंत्री ने खाड़ी और यूरोपीय देशों की यात्रा की, वह देश और समाजहित में थी। उसके सकारात्मक परिणाम यात्रा के बाद साफ-साफ दिखाई देने लगे हैं। जाहिर तौर पर, पांच देशों की यह यात्रा आर्थिक, सामरिक, कूटनीतिक और विश्व कूटनीति-राजनीति के लिए ही खास मायने नहीं रखती, बल्कि दुनिया की उभरती महाशक्ति के रूप में जो प्रतिष्ठा मिली है, वह इस यात्रा की अपार सफलता को दर्शाती है। उनकी यह यात्रा ऐसे दौर में हुई है, जब दुनिया में ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध के असर साफ-साफ दिखाई दे रहा है। भारत में तेल, गैस, रसायनिक खाद और रोजमर्रा की वस्तुओं की महंगाई बढ़ रही है।

ऊर्जा संकट, व्यापारिक चेन में अस्थिरता और वैश्विक ध्रुवीकरण का नया दौर शुरू हो गया है। विपक्ष मोदी की विदेश यात्रा पर जो सवाल उठा रहा था, उन सवालों का जवाब उनकी सफल यात्रा ने दे दिया है। जाहिर तौर पर उनकी यात्रा के बरक्स में देखें तो इस यात्रा से खाड़ी और यूरोपीय देशों से भारत के रिश्ते ही मजबूत नहीं हुए, बल्कि कई ऐसे समझौते भी हुए हैं जो आने वाले वक्त में देश की प्रगति और विकास के लिए मील के पत्थर साबित होंगे। यात्रा की सफलता का मानक यह है कि वैश्विक ऊर्जा संकट से पार पाने में एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है, वह यूएई से ऊर्जा सुरक्षा को लेकर हुआ समझौता, जिसमें पेट्रोलियम और एलपीजी गैस भंडारण, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा निवेश शामिल है। इससे भारत भविष्य में ऊर्जा संकट से निपटने में सक्षम हो सकेगा। गौरतलब है पेट्रोलियम और गैस की बढ़ती कीमतों से महंगाई पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है कि तेल, गैस और रसायनिक खादों की किल्लत पर काबू पाया जाए। यूरोपीय देशों की यात्रा के दौरान वहां बसे भारतवंशियों ने ही मोदी का भारतीय परंपराओं से स्वागत नहीं किया बल्कि पांचों देशों में वहां की सरकारों ने पलक-पांवड़े बिछाकर स्वागत किया। यह समझा जा सकता है कि मोदी की यात्रा ने यूएई को भारत से और अधिक समीपता और विश्वासनीयता बढ़ाने का कार्य किया। यूरोपीय देशों में मोदी का भव्य स्वागत ही नहीं हुआ बल्कि स्वीडन ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी उनको सम्मानित किया। जाहिर तौर पर स्वीडन सहित यूरोपीय देशों ने यात्रा के दौरान ऐसे अनेक समझौते किए, जो भारत के लिए सामरिक, आर्थिक और तकनीक को आदान-प्रदान करने में मददगार साबित होंगे। नार्वे, स्वीडन और नीदरलैंड की यात्रा इसलिए भी जरूरी मानी जा रही है कि इससे यूरोपीय देशों के साथ हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई, समुद्री सहयोग और रक्षा तकनीक में सहयोग के नए द्वार खुलें हैं। इनमें उन देशों की कंपनियों द्वारा भारत में विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश बहुत बड़े पैमाने पर होने के समझौते किए गए। इससे यूरोपीय देशों के साथ तकनीक साझेदारी विकसित

होगी, जिससे इन क्षेत्रों में अधिक पूंजी निवेश होने से विकास की नई संभावनाएं विकसित होंगी। नार्वे में मोदी ने ओस्लो में आयोजित तीसरे भारत-नार्डिक शिखर सम्मेलन और इंडिया-नार्वे बिजनेस एंड रिसर्च समिट' में भाग लिया। इसके साथ ही उन्होंने नार्वे, फिनलैंड, आइसलैंड, डेनमार्क और स्वीडन के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। इस बैठक में व्यापार, नवीकरणीय ऊर्जा, नवाचार को बढ़ावा, स्वच्छ और हरित प्रोद्यौगिकी के अलावा यूरोपीय देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर गहन चर्चा हुई। नार्वे समिट में प्रधानमंत्री ने कहा,- भारत-ईएफटीए समझौते से 100 बिलियन डालर के निवेश और 10 लाख रोजगार सृजित करने पर सहमति हुई। फिनलैंड के प्रधानमंत्री के साथ उनकी बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें डिजिटलीकरण (आई 5जी/6 जी) क्वांटम तकनीक और स्थिरता के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर जोर दिया गया। इससे इन दोनों देशों में रिश्तों में ही गर्माहट नहीं आई बल्कि तकनीक के क्षेत्र में स्थिरता के एक नए युग का सूत्रपात हुआ। भारत और चीन के रिश्ते जगजाहिर हैं। कई वस्तुओं का आयात मजबूरी में भारत को चीन से करना पड़ता है, खासकर सेमीकंडक्टर -क्षेत्र में। यूरोपीय देशों से जो समझौते हुए हैं, उनमें सेमीकंडक्टर का समझौता भी एक है जो भारत के लिए चीन पर इसकी निर्भरता को कम करने में मददगार साबित होगा। इस नजरिए से यूरोपीय देशों के साथ एआई, सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक विकास की नए मॉडल की तकनीक पर निवेश का समझौता बेहद अहम है। मोदी का यह दौरा बहु गठबंधन (मल्टी अलाइमेंट) नीति का हिस्सा है। इस गठबंधन में यूरोप देशों के साथ तकनीक सहयोग, चीन के साथ प्रभाव का संतुलन, अमेरिका के साथ साझेदारी, रूस से दोस्ती के गहन रिश्ते, अरब देशों के साथ सामरिक निकटता की नीति बनाए रखना है। यानी दुनिया के उन सभी देशों के साथ मैत्री रखना, जो भारत के साथ मित्रवत बर्ताव रखना अपनी नीति का हिस्सा समझते हैं। यानी किसी गुट का हिस्सा न होकर दुनिया के हर गुट के साथ दोस्ती बनाए रखने की नीति पर चलना।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा ने भारत की आर्थिक समृद्धि, रोजगार सृजित करने के मद्देनजर तकनीक के आयात और रणनीतिक साख को बढ़ाने का काम किया। यूएई द्वारा भारत में 5 अरब डालर निवेश की घोषणा, उनकी यात्रा की सफलता की नई इबारत लिखने में सफल हुई है। इसमें बुनियादी ढांचा, सामान्य प्रबंधन या परिवहन व्यवस्था, बैंकिंग, बंदरगाह, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश शामिल है। इससे भारत में हर क्षेत्र में नवनिर्माण की विशाल प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। इटली की यात्रा उनके खास मकसद के तहत सम्पन्न हुई। भारत-इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना और व्यापार को बढ़ावा देना था।

उन्होंने वहां अपने समकक्ष जार्जिया मेलोनी के साथ विस्तार से उन सभी मृद्दों पर चर्चा की जो इटली और भारत के लिए लाभकारी हो सकते हैं। इसी तरह घरेलू राजनीति में धुंरधर खिलाड़ी माने जाने वाले मोदी इस यात्रा से जनता को यह यकीन दिलाने में सफल हुए हैं कि उनकी यात्रा तेल, गैस, खाद, तकनीक आयात, मूलभूत निर्माण को आगे बढ़ाने के साथ भारत की छवि दुनिया में खासकर खाड़ी देशों में भारत की सक्रियता रणनीतिक दबाव बनाने में सफल रही है। जाहिर तौर पर आज भारत एक जिम्मेदार और सशक्त देश के रूप में स्थापित हो चुका है। इसका श्रेय मोदी और उनकी सरकार के जनहितकारी और विश्वहितकारी कार्यों और नीतियों को दिया जाना चाहिए। यह मोदी सरकार की परिपक्व विदेश नीति को भी दर्शाता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आतंकवाद विरोधी दिवस
योगेश कुमार गोयल

घाटी में खिल रही उम्मीदें हार रहा आतंक का अंधकार

भारत सदियों से शांति, सहअस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहां विविधताओं में एकता केवल संविधान की अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन पद्धति रही है। इसी भारत को लंबे समय से आतंकवाद जैसी भयावह चुनौती का सामना भी करना पड़ रहा है। आतंकवाद ने केवल देश की सीमाओं को नहीं ललकारा, बल्कि समाज की आत्मा, राष्ट्रीय एकता और मानवीय मूल्यों पर भी प्रहार किया है। यह ऐसा अभिशाप है, जिसने हजारों निर्दोष नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और युवाओं की जिंदगी छीन ली। भारत ने इस चुनौती का मुकाबला केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि लोकतांत्रिक धैर्य, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय संकल्प के साथ किया है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाकर देश आतंकवाद के विरुद्ध अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराता है।

यह दिवस हमें याद दिलाता है कि आतंकवाद केवल गोलियों और विस्फोटों का नाम नहीं बल्कि वह मानसिकता है, जो समाज में भय, विभाजन और अस्थिरता पैदा करती है। यह दिवस उन हजारों शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का भी अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। यह दिन नागरिकों, विशेषकर युवाओं को संदेश देता है कि हिंसा और कट्टरता का रास्ता केवल विनाश की ओर ले जाता है जबकि शिक्षा, संवाद, लोकतंत्र और विकास ही स्थायी शांति के मार्ग हैं। यदि भारत में आतंकवाद की सबसे बड़ी त्रासदी का कोई प्रतीक क्षेत्र रहा है तो वह जम्मू-कश्मीर है। कभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सूफी परंपराओं और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए विख्यात कश्मीर घाटी तीन दशकों से आतंक और अस्थिरता की विभीषिका झेलती रही है। 1990 के दशक में शुरू हुआ आतंकवाद केवल स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सीमा पार से प्रायोजित सुनियोजित षड्यंत्र था, जिसका उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता को कमजोर करना था। दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 से 2024 के बीच जम्मू-कश्मीर में 22 हजार से अधिक आतंकी घटनाएं दर्ज की गई। इन घटनाओं में लगभग पांच हजार नागरिकों की मौत हुई जबकि तीन हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। इसी अवधि में भारतीय सेना और सुरक्षा बलों ने 24 हजार से अधिक आतंकियों को मार गिराया। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच देशभर में 7217 आतंकी घटनाएं हुई थी, जबकि 2014 से 2024 के बीच यह संख्या घटकर लगभग 2242 रह गई। आतंकी घटनाओं में जनहानि में लगभग 70 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। नागरिकों की मौतों में 81 प्रतिशत और सुरक्षाबलों की शहादतों में लगभग 50 प्रतिशत की कमी आई है।

ये आंकड़े केवल सांख्यिकीय उपलब्धियां नहीं, बल्कि भारत की बहुआयामी आतंकवाद विरोधी नीति की सफलता का प्रमाण हैं। यह भी सच है कि खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। वर्ष 2025 में पहलगाम के बैसरन क्षेत्र में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला इस बात का संकेत था कि आतंकवाद की जड़ें अब भी पूरी तरह उखड़ी नहीं हैं। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। यह हमला 2008 के मुंबई हमलों के बाद सबसे घातक नागरिक हमलों में माना गया। इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद आज भी भारत की शांति और स्थिरता को बाधित करने का प्रयास कर रहा है। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और अल-बद्र जैसे संगठनों को अब भी वहां से आर्थिक, सामरिक और वैचारिक समर्थन प्राप्त होने के आरोप लगते रहे हैं। भारत की आतंकवाद विरोधी नीति (आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता) अब पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट और कठोर दिखाई देती है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सेना या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज भारत जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहां यह विश्वास मजबूत होता दिखाई देता है कि आने वाले वर्षों में कश्मीर घाटी फिर से अमन, मोहब्बत और इंसानियत की पहचान बनेगी। वह दिन दूर नहीं, जब घाटी केवल चिनार की छांव, डल झील की शांति, बर्फ से ढके पहाड़ों और सूफी संगीत की मिठास के लिए जानी जाएगी। यह तभी संभव होगा, जब आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्रीय एकता, सतर्कता और विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे। भारत का यह संघर्ष केवल सुरक्षा की लड़ाई नहीं बल्कि सभ्यता, मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संघर्ष है और इस संघर्ष में भारत का संकल्प पहले से कहीं अधिक मजबूत दिखाई देता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भगवान के चरणों में अर्पित करना ही ज्ञान है

संकलित
दर्शन

सर्व सामर्थ्य होते हुए भी अहंशून्य होकर स्वयं को भगवान के चरणों अर्पित कर देना ही ज्ञान, भक्ति और कर्म की परिपूर्णता है। भगवान के परम भक्त बालिपुत्र अंगद ने रावण की सभा में अपना एक पैर रोपकर अपने मुष्टिप्रहार से रावण के दसों मुकुटों को सिर से गिरा दिया था, वहीं चार मुकुटों को बीच में उछालकर भगवान के पास भेज दिया था। लंका से लौटकर आए अंगद से जब भगवान श्रीराम ने पूछा कि तुमने ये मुकुट कहां और कैसे प्राप्त किए, तब अंगद ने धर्म और ईश्वर से विमुख व्यक्ति की तात्विक व्याख्या की है। अंगद विनम्र भाव से कहते हैं, प्रभु! ये चार मुकुट नहीं, राजनीति के चार पद हैं, जिन पर चलकर व्यक्ति व्यवहार करते हुए भी परमार्थ को प्राप्त कर लेता है। रावण आपसे और धर्म से विमुख हो चुका है, इसलिए राजनीति के चारों चरणों (साम, दाम, दंड और भेद) का दुरुपयोग कर रहा था, इस कारण मुकुट के रूप में ये चारों उसको छोड़कर आपकी शरण में आ गए हैं। रावण ने शेष छह मुकुट जो सिर पर धारण कर रखे हैं, वे साधक के जीवन में रहने वाली षड्संपत्ति (शम, दम, उपरति, तितीक्षा, श्रद्धा और समाधान) हैं। चूंकि रावण उनका भी दुरुपयोग कर रहा था, इसलिए ये षड्संपत्ति न रहकर विकार बनकर रावण के सिर पर शासन कर रहे हैं, जो उसके विनाश के कारण बनेंगे। मेरे प्रभु! गुण तो केवल वे ही हैं, जिन्हें आपने स्वीकारा है। शेष सब अवगुण ही हैं। गुणों का योग जब तक भगवान से नहीं होगा, तब तक व्यक्ति उसका उपयोग और कहां करेगा?

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भ्रम से बचने की सलाह दी

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। कुरुक्षेत्र में कौरव और पांडव पक्ष की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। संख्या और शक्ति के हिसाब से कौरवों की सेना ज्यादा अच्छी दिख रही थी। जब अर्जुन ने कौरव पक्ष में अपने परिवार, कुटुंब के लोगों को देखा तो वे भ्रमित हो गए। अर्जुन ने अपने सारथी यानी श्रीकृष्ण से रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण रथ लोग युद्ध मैदान के बीच में ले गए। वहां पहुंचकर अर्जुन ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे यौद्धाओं को देखा। इन सभी को देखकर अर्जुन ने युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया और अपने धनुष-बाण नीचे रख दिए। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मेरे कुटुंब के सभी लोग मेरे सामने खड़े हैं, मैं उनसे युद्ध नहीं कर सकता।श्रीकृष्ण समझ गए कि अर्जुन भ्रम में फंस गए हैं। उस समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। भगवान ने समझाया कि जब लक्ष्य बड़ा हो तो सभी बातें चल सकती हैं, लेकिन भ्रम नहीं चल सकता है। तुम्हें अपने सारे भ्रम छोड़कर सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। जब हम अपने काम अधूरे मन और भ्रम के साथ करते हैं तो सफलता नहीं मिलती है। सफलता चाहते हैं तो सभी भ्रम दूर करते हुए, अपने काम पूरे मन से और एकाग्रता के साथ करना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

बहुत जरूरी है वन संपदा को आग से बचाना

हर वर्ष गर्मियों में देश के कुछ वन संपदा के धनी राज्यों में वनों में भयंकर आग लगने की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को मिलती हैं। आग किसी भी कारण से वनों में लगती है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ लोग गर्मियों के दिनों में बेकार की घास-फूस को जलाने के लिए वनों या खेतों में आग लगा देते हैं, जिससे घास-फूस के साथ ही सैकड़ों वृक्ष भी आग की बलि चढ़ जाते हैं जो कि प्रकृति से खिलवाड़ है और हरी-भरी वादियों के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। लोगों को चाहिए कि अगर वो खेतों से फालतू की घास-फूस को जलाना चाहते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह आग खेतों के साथ लगते वनों में न फैले। इससे एक तो वन संपदा नष्ट होती है, दूसरे कई जंगली जीव-जंतु-पक्षी जल कर नष्ट हो जाते हैं। *- संकेत अग्रवाल, सरायपाली*

करंट अफेयर

ईरान परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर सकता है: वेंस

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से विश्व स्तर पर ' 'परमाणु हथियारों की होड़' ' शुरू हो जाएगी। वेंस ने साथ ही कहा कि अगर तेहरान शांति समझौते पर पहुंचने में विफल रहता है तो अमेरिका सैन्य अभियान फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में वेंस ने यह टिप्पणी तब की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले फिर से शुरू करने के फैसले को एक दिन पहले टाल दिया था। यह फैसला कतर और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य अरब देशों के अनुरोध पर लिया गया। उन देशों ने कहा था कि शांति वार्ता में तेहरान 'उचित रवैया' अपना रहा है।

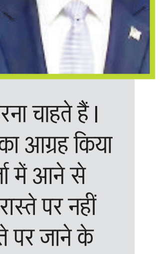

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हमारा मानना है कि ईरानी समझौता करना चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने हमसे सद्भावनापूर्वक बातचीत करने का आग्रह किया और हमने ठीक वैसा ही किया है।' वेंस ने बताया कि प्रेस वार्ता में आने से पहले उनकी ट्रंप से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा, हम उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति उस रास्ते पर जाने के लिए तैयार हैं और इसमें सक्षम हैं। वेंस ने कहा कि अमेरिका के पास एक सरल प्रस्ताव है और आगे बढ़ने के दो रास्ते हैं।

ऑफ बीट

ब्रह्माण्ड स्वयं को क्यों खंडित कर रहा है?

ब्रह्मांड किससे बना है? यह प्रश्न सैकड़ों वर्षों से खगोलविदों को उद्वेलित करता रहा है। पिछली एक चौथाई सदी से, वैज्ञानिकों का मानना है कि

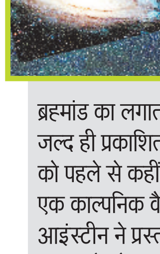

परमाणु और अणु जैसी 'सामान्य' चीजें जो आपको, मुझे, पृथ्वी और लगभग हर चीज को बनाती हैं जिसे हम देख सकते हैं, ब्रह्मांड का केवल 5 प्रतिशत हिस्सा है। अन्य 25 प्रतिशत 'डार्क मैटर' है, एक अज्ञात पदार्थ जिसे हम देख नहीं सकते हैं लेकिन हम यह पता लगा सकते हैं कि यह गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सामान्य पदार्थ को कैसे प्रभावित करता है। ब्रह्मांड का शेष 70 प्रतिशत भाग 'डार्क एनर्जी' से बना है। 1998 में खोजा गया, यह ऊर्जा का एक अज्ञात रूप है जिसके बारे में माना जाता है कि यह ब्रह्मांड का लगातार बढ़ती दर से विस्तार कर रहा है। एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल में जल्द ही प्रकाशित होने वाले एक नए अध्ययन में, हमने डार्क एनर्जी के गुणों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से मापा है। हमारे नतीजे दिखाते हैं कि यह एक काल्पनिक वैक्यूम ऊर्जा हो सकती है जिसके बारे में सबसे पहले आइंस्टीन ने प्रस्तावित किया था - या यह कुछ अजीब और अधिक जटिल हो सकता है जो समय के साथ बदलता रहता है। एक सदी पहले जब आइंस्टीन ने सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विकसित किया।

X ट्रेंड

प्रेरणादायक पहल

विद्यार्थियों द्वारा योगासन से दिन की शुरुआत करना एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल है। यदि बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन जाए, तो इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे जीवन पर पड़ता है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

राहुल गांधी की हताशा

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग राहुल गांधी की अत्यधिक हताशा का स्पष्ट संकेत है। घृणा फैलाना कांग्रेस की सच्ची राजनीति रही है। वे नेता और पार्टियां जो स्वयं आपातकाल के दाग और भ्रष्टाचार के इतिहास से घिरी हुई हैं, आज देशभक्ति का उपदेश दे रही हैं।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

उर्वरकों की कमी

आने वाले समय में सबसे बड़ा संकट यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की संभावित कमी है। भारत अपने अधिकांश उर्वरकों का आयात करता है, जो वर्तमान में बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।
- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

पार्टी का शानदार प्रदर्शन

पंजाब के हर कोने में हमारी सरकार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा हो रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहेगा।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 21 मई 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पंचमी । वर्ष : 26, अंक : 60 । पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

न फंड, न काम, अंतागढ़ के 27 सरपंचों का सामूहिक इस्तीफा, कलेक्टर बोले-मान्यता नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अलग खबर

अपने क्षेत्र में विकास कार्य कराने की मांग को लेकर तीन दिनों से हड़ताल कर रहे अंतागढ़ विकासखंड के 27 सरपंचों ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि 50 से ज्यादा सरपंचों के इस्तीफे की बात कही जा रही है, लेकिन प्रशासन ने 27 सरपंचों के इस्तीफे की पुष्टि की है। सरपंचों ने 20 मई को अपर कलेक्टर अंजोर सिंह पैकरा को सामूहिक इस्तीफा सौंपा है। उन्होंने बताया कि 27 सरपंचों का सामूहिक इस्तीफा मिला है। इस्तीफा देने वाले सरपंचों का आरोप है कि पिछले एक साल से उनके ग्राम पंचायतों में प्रशासन द्वारा एक भी विकास कार्य स्वीकृत नहीं किया गया है। सरपंचों का कहना है कि ग्रामीण पूछते हैं कि अपने कार्यकाल में क्या-क्या ▶▶|शेष पेज 6 पर

काम कराए जा रहे

इधर जिला पंचायत सीईओ का कहना है कि सभी ग्राम पंचायतों में कार्य कराए जा रहे हैं और जिस भी सरपंच के क्षेत्र में कार्य की जरूरत है, वे सीधे संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन का कहना है कि सरपंच संघ के बैनर तले की जा रही मांगें स्पष्ट नहीं हैं।

मांगों पर चल रहा विचारः कलेक्टर

बहरहाल सरपंचों ने इस्तीफा सीधे अपर कलेक्टर को दिया है। इस संबंध में कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा कि सामूहिक इस्तीफा की कोई मान्यता नहीं है। उनकी जो माँग है, उस पर भी विचार चल रहा है। पंचायत क्षेत्र में विभिन्न विभाग के द्वारा संचालित कार्यों की सूची भी तैयार करवाई जा रही है, जिससे सही स्थिति पता चल सके।

पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के लिए दिया 'थ्री डी' का नया मंत्र

भारत-इटली के बीच व्यापार और तकनीक पर डील 2029 तक 2000 अरब रुपए से अधिक का लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के आखिरी चरण में इटली पहुंचे। रोम पहुंचने के बाद उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। भारत और इटली ने बुधवार को अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमति जताई, रक्षा औद्योगिक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया और 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक बढ़ाने के साझा लक्ष्य की पुष्टि की। इस दौरान पीएम मोदी ने 'थ्री डी' का नया मंत्र दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी ने बढ़ती भू-राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के लिए व्यापक वार्ता की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न स्थिति और क्षेत्र के साथ-साथ दुनिया के बाकी हिस्सों पर पड़ने वाले इसके प्रभावों पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए संवाद और कूटनीति के जरिये संघर्ष का समाधान निकालने पर जोर दिया। मोदी और मेलोनी ने नौवहन की स्वतंत्रता और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन को पुनः शुरू करने का भी आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश 'डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया' एंड 'इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड' (डीडीडी) सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे।

मोदी-मेलोनी वार्ता के बाद भारत और इटली ने एक रक्षा औद्योगिक रूपरेखा ▶▶|शेष पेज 6 पर

- भारत - इटली संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना 2025-2029 तैयार की गई
- अगले वर्ष दोनों देशों के रिश्तों की 80वीं वर्षगांठ को 'ईयर ऑफ कल्चर' के रूप में मनाया जाएगा

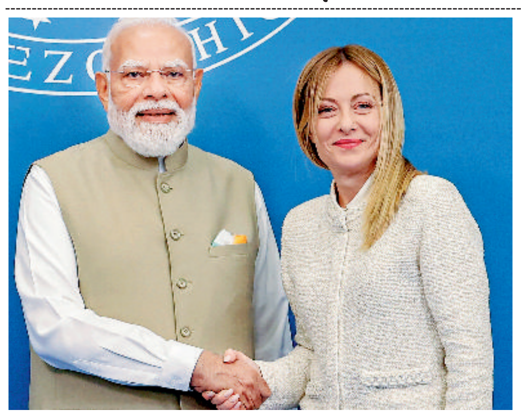

रक्षा सहयोग बढ़ाएंगे, आतंकवाद पर कड़ा प्रहार

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मोदी और मेलोनी व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं नवाचार, अंतरिक्ष, ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, शिक्षा और सांस्कृतिक जुड़ाव में सहयोग और बढ़ाने पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

रोम में मोदी और मेलोनी की खास मुलाकात

रोम पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने साथ में डिनर किया और कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने ऐतिहासिक कोलेसियम का भी दौरा किया। दोनों नेताओं की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में हैं।

मेलोनी को टॉफी गिफ्ट कर छा गए पीएम मोदी

इटली दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में पीएम मोदी ने मेलोनी को "मेलोडी" टॉफी गिफ्ट की। वीडियो खुद जॉर्जिया मेलोनी ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में मेलोनी कहती हैं कि पीएम मोदी ने उन्हें बहुत अच्छी टॉफी दी है। तभी पीएम मोदी मुस्कुराते हुए कहते हैं, "मेलोडी"। इसके बाद दोनों नेता हंसने लगते हैं। लोगों को दोनों नेताओं का यह हल्का-फुल्का अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

सबसे अधिक तापमान बांदा में दर्ज

भीषण गर्मी की चपेट में उत्तर भारत, छग में भी हीटवेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर भारत बुधवार को भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहा। देश में सबसे अधिक तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तापमान उत्तर प्रदेश के बांदा में दर्ज किया गया जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक है। इधर, मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में हीटवेव जैसी स्थिति बनने की आशंका है। ऐसे में लोगों को तेज धूप और लू से बचने की सलाह दी गई है।

दिल्ली में रिज बेस स्टेशन सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सफदरजंग मौसम केंद्र में 44.5 डिग्री, आयानगर में 45 डिग्री, पालम में 44.9 डिग्री और लोधी रोड में 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में भीषण लू और रात से समय गर्मी की स्थिति को देखते हुए अगले तीन दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

शिमला का ऐसा हाल

शिमला में दिन का तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शिमला और सोलन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 21 से 23 मई के बीच बिजली चमकने का अनुमान है। उत्तराखंड में अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री सेल्सियस रहा। देहरादून में सबसे अधिक 40.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि नई टिहरी में 29.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि वर्तमान में कई मौसमी प्रणालियां सक्रिय हैं, जिनके कारण छत्तीसगढ़ के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके साथ ही एक द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से मणिपुर तक तथा दूसरी द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से लक्षद्वीप तक फैली हुई है। इन मौसमी सिस्टमों के प्रभाव से फिलहाल प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है, लेकिन वातावरण में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण उमस और गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है।

मवेशी से टकराकर गिरे बाइक सवारों को हाइवा ने रौंदा, तीन युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

अभनपुर मार्ग पर रेत से भरे तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। छोटे उरला निवासी डोमन टंडन रायपुर से काम कर मंगलवार रात घर लौटा था। कुछ देर बाद उसने परिवार वालों से दोस्तों और धुमाल पार्टी वालों से मिलने जाने की बात कही ▶▶|शेष पेज 6 पर

बाइक के उड़े परखच्चे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सड़क पर खून बिखर गया और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। रात में हादसे की सूचना मिलते ही परिवार के लोग घटनास्थल पहुंचे तो तीनों युवक सड़क पर खून से लथपथ पड़े थे।

पहले वर्क फ्राम होम फिर छुट्टी

मेटा ने 8000 कर्मियों को नौकरी से निकाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मेटा ने बड़े स्तर पर छंटनी की शुरुआत कर दी है, जिसके लिए कंपनी ने 20 मई की सुबह 4 बजे कई लोगों को ईमेल नौकरी से निकालने का ईमेल किया। पुरानी रिपोर्ट्स में भी दावा किया जा चुका था कि 20 मई को कंपनी बड़े स्तर पर छंटनी करेगी। मेटा अपनी ग्लोबल वर्कफोर्स में से 10 परसेंट यानी करीब 8 हजार कर्मचारियों को बाहर का रास्ते दिखाएगी।

7 हजार कर्मचारी न्यू एआई टीम में

मेटा के चीफ पीपुल ऑफिसर जेनेला गाले ने एक इनहाउस मेमो में कहा है कि 8 हजार नौकरी खत्म करने के अलावा कंपनी करीब 7 हजार कर्मचारियों को न्यू एआई टीम में डालने जा रही है। कंपनी का फोकस अब छोटी टीम्स तैयार करना है। मेटा सीईओ मार्क जकरबर्ग ने एआई को कंपनी की सबसे बड़ी प्राथमिकता पर ला दिया है।

कॉन्स्टेबल प्रमोशन के अंतिम आदेश पर रोक, जारी रह सकती है प्रक्रिया

हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक आदेश जारी नहीं करने कहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने प्रदेश में चल रही पुलिस कॉन्स्टेबल प्रमोशन को लेकर अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस पीपी साहू ने प्रमोशन प्रक्रिया में अंतिम आदेश जारी करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि प्रमोशन प्रक्रिया जारी रह सकती है, लेकिन याचिका की अगली सुनवाई तक पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए जाएंगे। यह अंतरिम आदेश 72 आरक्षकों की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद दिया गया। मामले की अगली सुनवाई अब 15 जून को होगी। दरअसल, प्रदेश के अलग-अलग जिलों में आरक्षकों की प्रमोशन ▶▶|शेष पेज 6 पर

काम कर रहे आरक्षकों का हक मारा जाएगा

याचिका में यह भी कहा गया कि यदि इस समय हाईकोर्ट से अंतरिम राहत नहीं मिलती, तो नियमों के विपरीत 1 जून 2026 को फाइनल फिट लिस्ट जारी हो जाएगी। इससे ▶▶|शेष पेज 6 पर

अस्थायी व्यवस्था करना शासन का अधिकार, हस्तक्षेप उचित नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार पद को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सिंगल बेंच के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे अधिकारी को पद से हटाने का निर्देश दिया गया था। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि नियमित नियुक्ति होने तक किसी अधिकारी को रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार सौंपना मात्र एक अस्थायी प्रशासनिक व्यवस्था है, इसे वैधानिक पद पर नियमित नियुक्ति नहीं माना जा सकता। दरअसल मामला अश्वनी गुरडेकर से जुड़ा है, जो मूल रूप से डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल रायपुर में फार्मासिस्ट पद पर कार्यरत हैं। राज्य सरकार ▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रशासनिक रिक्तता को भरा जाना जरूरी

अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक रिक्तता से बचने के लिए अस्थायी व्यवस्था करना शासन का अधिकार है और जब तक उसमें मनमानी, दुर्भावना या किसी कानून का स्पष्ट उल्लंघन साबित न हो, तब तक न्यायालय को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

बढ़ते तापमान की वजह से कई ऐसे बैक्टीरिया, फंगस एक्टिव हो जाते हैं, जो फूड प्वॉइजनिंग की वजह बनते हैं। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इसके होने के क्या कारण हैं, इसके प्रमुख लक्षण क्या हैं और इससे बचने के क्या उपाय हो सकते हैं।

इस सीजन में बढ़ता है फूड प्वॉइजनिंग का रिस्क

प्रिकॉशन

डॉ. माजिद अलीम

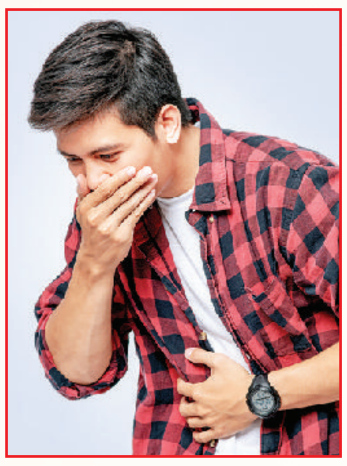

इन दिनों प्रचंड गर्मी पड़ रही है। मौसम के बदलते मिजाज ने अचानक फूड प्वॉइजनिंग की समस्या पिछले सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इसका कारण यह है कि सुबह तेज धूप होती है, दोपहर में जबर्दस्त उमस और बीच-बीच में अचानक बारिश हो जाती है। जिस कारण खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब हो रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यह मौसम बैक्टीरिया और वायरस के पनपने का बेहद अनुकूल मौसम है। इसलिए इन गर्मियों में पिछले सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा सावधानी से रहने की जरूरत है।

रोग के कारण: लोग अकसर सोचते हैं कि फूड प्वॉइजनिंग बाहर के खाने से होती है। सच यह है कि गर्मियों में घर का खाना भी जरा सी लापरवाही से संक्रमित हो जाता है। खासकर दूध, दही, कटे फल, चावल, मांसाहारी भोजन आदि। सड़क किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थ भी इस मौसम में बहुत जल्दी खराब होते हैं। वास्तव में गर्मी और नमी का मेल बैक्टीरिया के लिए आदर्श वातावरण तैयार करता है। ऐसे में यदि भोजन लंबे समय तक खुले में रखा रहा, तो उसमें संक्रमण होने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। इस मौसम में सबसे ज्यादा खतरा उन खाद्य पदार्थों को लेकर होता है, जो लंबे समय तक बाहर रखे रहते हैं, बार-बार गर्म किए जाते हैं, बाहर खुले में बिक रहे होते हैं और गंदे पानी से बनाए गए होते हैं। इन दिनों सड़क किनारे मिलने वाले चाट, कटे फल, ठंडे पेय में इस्तेमाल पानी आमतौर पर सही नहीं होता। इस कारण ये संक्रमण का स्रोत बन जाते हैं।

फूड प्वॉइजनिंग के लक्षण: जब भोजन या पानी में वायरस, फंगस या जहरीले पदार्थों से संक्रमित हो जाता है, तो उसके खाने के बाद कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाता है, इसे फूड प्वॉइजनिंग कहते हैं। इसके सामान्य लक्षण हैं- उल्टी और मितली, दस्त, पेट दर्द और ऐंठन, बुखार, कमजोरी और चक्कर। कुछ मामलों में स्थिति इतनी बिगड़ जाती है कि मरीज को अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है। फूड प्वॉइजनिंग यूं तो हर उम्र के लोगों को हो सकती है, लेकिन बच्चों और बुजुर्गों के लिए ये बहुत खतरनाक होती है।

सावधानी है जरूरी: फूड प्वॉइजनिंग केवल पेट खराब तक सीमित नहीं रहता बल्कि डिहाइड्रेशन, कमजोरी, ब्लड प्रेशर लो, किडनी पर असर, जैसी स्थितियां भी पैदा करता है। फूड प्वॉइजनिंग के चलते अगर मरीज को बार-बार उल्टी, दस्त हो रहे हों, मुंह सूख रहा हो या पेशाब कम आ रही हो, तो साफ संकेत है कि शरीर में पानी की खतरनाक कमी हो गई है। ऐसे में तुरंत ओआरएस, नीबू पानी, नारियल पानी और हल्का तरल भोजन दिया जाना चाहिए। लेकिन डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक लेना खतरनाक हो सकता है। क्योंकि कई बार गलत दवा संक्रमण को और ज्यादा बढ़ा देती है। फूड प्वॉइजनिंग होने पर दही-चावल, खिचड़ी और केला जैसे भोजन सुरक्षित रहते हैं। इस दौरान मसालेदार, बाजारू और तले-भुने खाने से पूरी तरह से बचना चाहिए।

बचाव के उपाय: फूड प्वॉइजनिंग से बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

- खाना हमेशा ढंककर रखें।
- बाजार से खरीदकर लाई गई सब्जियां और फल पहले अच्छी तरह धोएं, पोछें तब फ्रिज में रखें।
- बासी भोजन बार-बार गर्म कर न खाएं।
- कटे फल देर तक खुले में न रखें।
- खाने से पहले हाथ अच्छी तरह धो लें।
- पीने के लिए साफ, उबला या फिल्टर पानी इस्तेमाल करें।
- उल्टी, दस्त शुरू होते ही शरीर में पानी की कमी न होने दें। *

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. आकाश शाह
यूरो ऑन्कोलॉजिस्ट-रोबोटिक सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

स्पेशल: वर्ल्ड ब्लैडर कैंसर अवेयरनेस मंथ (मई)

मुख्य रूप से स्मोकिंग करने और कई अन्य वजहों से ओल्ड एज में यूरिनरी ब्लैडर कैंसर होने का रिस्क बढ़ जाता है। हर साल लाखों लोग इसकी चपेट में आते हैं। इससे बचने के लिए जरूरी है कि हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के साथ इसके रिस्क फैक्टर्स से खुद को बचाया जाए। साथ ही ब्लैडर कैंसर के शुरुआती लक्षणों को भी इग्नोर न किया जाए। इस बारे में और भी डिटेल में जानिए।

ब्लैडर कैंसर न करें लक्षणों को इग्नोर

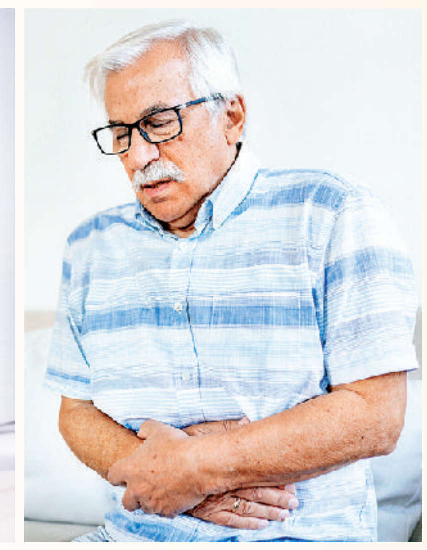

हाल के वर्षों में मूत्राशय कैंसर (ब्लैडर कैंसर या यूरिनरी ब्लैडर कैंसर) के मामले दुनिया भर में बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यूरिनरी ब्लैडर कैंसर, दुनिया भर में नौवां सबसे आम कैंसर है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2022 में दुनिया भर में ब्लैडर कैंसर के 6 लाख से अधिक नए मामले सामने आए थे और इनमें से 2 लाख से अधिक मौतें हुईं थीं।

क्या है यह कैंसर

जब मूत्राशय (पेशाब की थैली) की कोशिकाओं के डीएनए में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) होता है, तब वे अनियंत्रित होकर बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर बनाती हैं। इस स्थिति को यूरिनरी ब्लैडर का कैंसर कहा जाता है। यूरिनरी ब्लैडर (मूत्राशय या पेशाब की थैली) पेट के निचले हिस्से में स्थित एक लचीला और गुब्बारे के आकार जैसा अंग है। इसका मुख्य कार्य किडनी से आए मूत्र को शरीर से बाहर निकलने से पहले अस्थाई रूप से जमा (स्टोर) करना है। कैंसर आमतौर पर यूरिनरी ब्लैडर की अंदरूनी परत में शुरू होता है। हालांकि कैंसर शब्द डरावना है, लेकिन सच यह है कि अगर जल्दी पता चल जाए, तो ब्लैडर कैंसर का सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है।

धूम्रपान एक प्रमुख कारण

यूरिनरी ब्लैडर (मूत्राशय या पेशाब की थैली) कैंसर का मुख्य कारण धूम्रपान है, जिसके कारण लगभग 50 प्रतिशत मामले सामने आते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तंबाकू के हानिकारक रसायन (जिन्हें कार्सिनोजेन कहा जाता है) खून में मिलकर और फिर किडनी द्वारा फिल्टर होकर यूरिन के रास्ते ब्लैडर में जमा हो जाते हैं। यह स्थिति ब्लैडर की परत को नुकसान पहुंचाती है।

अधिकांश लोगों की यह धारणा है, तंबाकू युक्त धूम्रपान से उत्सर्जित होने वाले रसायनों से केवल मुंह या फेफड़े के ही कैंसर होने का जोखिम होता है, जो सही भी है। इस धारणा का दूसरा पहलू भी है। वह यह कि जब हम धूम्रपान करते हैं, तब तंबाकू में मौजूद कैंसर पैदा करने वाले रसायन (कार्सिनोजेन) रक्त में घुल जाते हैं और फिर पेशाब के माध्यम से मूत्राशय में एकत्र हो जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप मूत्राशय की परत में जलन और सूजन होती है, जिससे मूत्राशय का कैंसर विकसित होने का जोखिम बढ़ जाता है।

ये भी हो सकते हैं कारण

स्मोकिंग करने के अलावा ब्लैडर कैंसर होने के कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं।

- 55-60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में ब्लैडर कैंसर के मामले कहीं ज्यादा सामने आते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इस कैंसर का खतरा बढ़ता है। पुरुषों में महिलाओं की तुलना में ब्लैडर कैंसर होने की संभावना अधिक होती है।
- पेशाब की थैली यूरिनरी ब्लैडर में बार-बार संक्रमण होना भी कैंसर की वजह बन सकता है, जिसे मेडिकल भाषा में यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन कहते हैं।
- औद्योगिक रसायनों का एक्सपोजर यानी केमिकल एक्सपोजर भी कुछ मामलों में ब्लैडर कैंसर का कारण बन सकता है। उदाहरण के तौर पर रबर, चमड़ा, डाई, कपड़ा और पेंट उद्योगों में काम करने वाले लोग ऐसे माहौल में काम करते हैं, जहां नुकसानदेह रसायन मौजूद होते हैं। ऐसे रसायनों के संपर्क में आने से इस कैंसर के होने का खतरा अधिक बढ़ जाता है।
- ब्लैडर में पथरी या संक्रमण भी कैंसर होने का रिस्क बढ़ा सकते हैं।

इन लक्षणों को न करें इग्नोर

ब्लैडर कैंसर बीमारी के ज्यादा फैलने से पहले इसके लक्षणों को पहचानना जरूरी है।

यूरिन म खून आना: यूरिन गुलाबी, लाल या गहरे रंग का दिख सकता है। बहुत से लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर अगर दर्द न हो, तो यह मानकर कि यह समस्या किसी मामूली इंफेक्शन से संबंधित है। हालांकि यूरिन में खून का एक बार भी आना कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसकी डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

बार-बार पेशाब आना: सामान्य से ज्यादा जल्दी-जल्दी वाशरूम जाने की जरूरत पड़ना, जिसे अकसर सिर्फ बहुत ज्यादा पानी पीने के नाम पर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अचानक पेशाब आने की इच्छा: अचानक से बहुत ज्यादा पेशाब करने की जरूरत, जिसे अकसर ओवर एक्टिव ब्लैडर समझ लिया जाता है।

यूरिन में जलन: पेशाब करते समय दर्द, जिसे अकसर एक आम यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) समझ लिया जाता है।

हालांकि उपरोक्त लक्षण यूरिन से जुड़ी समस्या का संकेत देते हैं और कई मरीजों में आम हैं, ये अपने आप में कैंसर के पक्के संकेत नहीं हैं। इनके लिए मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

डायग्नोसिस के तरीके

अगर किसी व्यक्ति को ये लक्षण महसूस होते हैं, तो घबराएं नहीं। इसके लिए यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट शायद एक रुटीन यूरिन टेस्ट (यूरिन साइटोलॉजी), यूरिन कल्चर, अल्ट्रासाउंड और अगर जरूरत हो तो सीटी स्कैन टेस्ट करवा सकते हैं। अगर जरूरी हुआ तो विशेषज्ञ डॉक्टर एक सिस्टोस्कोपी करवा सकते हैं, जो एक ऐसा प्रोसीजर है, जिसमें एक सूक्ष्म कैमरा ब्लैडर में डाला जाता है- जिससे क्लीयर डायग्नोसिस हो जाता है।

ब्लैडर कैंसर का इलाज

ब्लैडर कैंसर के उपचार की प्रक्रिया डायग्नोसिस के बाद उसके स्टेज पर निर्भर करती है। शुरुआती स्टेज के कैंसर का इलाज अकसर एंडोस्कोपिक सर्जरी से किया जा सकता है। एडवांस्ड स्टेज के लिए इलाज में कीमोथेरेपी के साथ-साथ यूरिनरी ब्लैडर के ट्यूमर की सर्जरी भी शामिल हो सकती है।

सर्जरी से पहले ट्यूमर को छोटा करने या बाद में बचे हुए कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए कीमोथेरेपी की जाती है।

यदि सर्जरी संभव नहीं है या कैंसर फैल चुका है, तो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए रेडिएशन थेरेपी का सहारा लिया जा सकता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

बचाव के उपाय

यूरिनरी ब्लैडर कैंसर से बचाव का सबसे जरूरी कदम है अतिशीघ्र धूम्रपान से छुटकारा पाना। शरीर से नुकसानदेह विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए लगातार हाइड्रेट रहें। अगर आप इंडस्ट्रियल केमिकल्स का इस्तेमाल करते हैं तो वर्कप्लेस प्रोटेक्शन का ध्यान रखें। रेग्युलर हेल्थ चेक-अप बहुत जरूरी हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनमें रिस्क फैक्टर हैं। लक्षणों के सामने आने पर डॉक्टर के पास जाने में देरी न करें।

याद रखें यूरिन में एक बार भी खून आना एक मेडिकल इमरजेंसी है। इसके दोबारा होने का इंतजार न करें। तुरंत किसी यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट से मिलें। किसी भी कैंसर का सफल इलाज करने का तरीका है कि उसका जल्दी पता चल जाए और ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाए।

अवेयरनेस

डॉ. मोहसिन वली
सीनियर फिजिशियन
सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण की महामारी के लगभग पांच साल बाद हंता वायरस संक्रमण से जुड़ी एक खबर ने दुनिया को चिंतित कर दिया है। ऐसे में घबराने के बजाय इस वायरस से संबंधित पूरी जानकारी लेना और सावधानी बरतना जरूरी है। इस बारे में डिटेल में जानिए।

बहुत संक्रामक है हंता वायरस

हाल ही में एमवी हॉन्डियस क्रूजशिप पर हंता वायरस के मल्टीकाउंटर आउटब्रेक की खबर सुर्खियों में है, जिसमें कई लोग संक्रमित हुए और कुछ मौतें भी हुईं। इसने पूरी दुनिया की स्वास्थ्य एजेंसियों को अलर्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों को शक है कि इसमें हंता वायरस का नया एंडीज स्ट्रेन शामिल हो सकता है, क्योंकि कुछ मामलों में मानव-से-मानव ट्रांसमिशन की संभावना है। डब्ल्यूएचओ, सीडीसी और कई देशों की स्वास्थ्य एजेंसियां इसकी निगरानी कर रही हैं। कई देशों में यात्रियों की ट्रेसिंग और आइसोलेशन प्रक्रिया जारी है।

कैसा है वायरस: हंता वायरस आर्बो वायरस फैमिली की कैटेगरी में आने वाला जूनोटिक वायरस है, जो मूलतः चूहों और रोडेंट्स से इंसानों में फैलता है। लेकिन हंता वायरस का एक वैरिएंट है, एंडीज स्ट्रेन जो ज्यादा खतरनाक है। इसमें संक्रमण चूहों से नहीं, बल्कि चूहों के मल, मूत्र या स्लाइवा से संक्रमित हुए व्यक्ति के करीबी संपर्क में आने पर दूसरे व्यक्ति को भी हो सकता है। इसकी मृत्यु दर लगभग 40 प्रतिशत है। मेडिकल साइंस की मानें तो हंता वायरस खास किस्म के चूहे, डीआर रैट्स में होते है। यानी ये संक्रमित चूहे हंता वायरस कैरियर होते हैं और वायरस उनके शरीर में मल्टीप्लाई होता रहता है। संक्रमित चूहे अपने मल, मूत्र और स्लाइवा के जरिए हंता वायरस को लगातार अपने शरीर से बाहर निकालते रहते हैं। यह मल, मूत्र जमीन या वस्तुओं की सतह पर सूख जाता है। जब कोई व्यक्ति उस जगह की साफ-सफाई करता है। झाड़ू लगाता है, वैक्यूम करता है या झाड़-पोंछ करता है। तो सतह पर सूखे हंता वायरस के छोटे-छोटे कण धूल के साथ हवा में घुल-मिल जाते हैं। उस हवा में सांस लेने पर हंता वायरस के कण अनजाने में उस व्यक्ति के शरीर में पहुंच जाते हैं और कुछ समय बाद व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। इस प्रक्रिया को एरोसोलाइजेशन कहते हैं।

कैसे फैलता है संक्रमण: एरोसोलाइजेशन प्रक्रिया से। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में रहने पर। खांसने-छींकने के साथ बाहर निकले ड्रॉपलेट के संपर्क में आने पर। खाने-पीने की संक्रमित चीजों के सेवन से। संक्रमित वस्तुओं या सतह के संपर्क में आने और बिना हाथ धोए, गलती से आंख, नाक या मुंह छूने पर। चूहे के मरने के बाद बाहर निकले वायरस के संपर्क में आने पर।

संक्रमण के लक्षण: हंता वायरस का इंक्यूबेशन पीरियड काफी लंबा है। यानी व्यक्ति के शरीर में वायरस पहुंचने के 3-4 सप्ताह बाद संक्रमण के लक्षण दिखाई देते हैं। शुरुआती लक्षण सामान्य फ्लू जैसे होते हैं। बुखार, मांसपेशियों में दर्द, सिर दर्द, थकान, मितली और ठंड लगना। लेकिन समुचित उपचार न मिलने पर मरीज की हालत गंभीर हो जाती है। हंता वायरस फेफड़ों और किडनी पर अटैक करता है। हंता वायरस पल्मोनरी सिंड्रोम (एचपीएस) में वायरस रेस्पेरेटरी ट्रेक से होता हुआ फेफड़ों की ब्लड वैसल्स पर अटैक करता है। फेफड़ों में पानी भरने लगता है, जिससे सांस लेना बेहद मुश्किल हो जाता है। वेंटिलेटर सपोर्ट न मिलने पर व्यक्ति की मौत हो सकती है। हंता वायरस रीनल सिंड्रोम (एचएफआरएस) में किडनी संक्रमित हो जाती है। मरीज को हेमरेजिक बुखार आता है, किडनी में अचानक ब्लीडिंग होने लगती है, पेशाब में खून आने लगता है। कई बार किडनी फेलियर होने की स्थिति में रोगी की मौत भी हो जाती है।

रहें सतर्क: तेज बुखार, अत्यधिक थकान, घबराहट, सांस लेने में तकलीफ, छाती में भारीपन या चेस्ट कंजंक्शन, सांस लेने में दिक्कत महसूस हो रही हो तो डॉक्टर को जरूर कंसल्ट करें।

कैसे होता है इलाज: फिलहाल इसका कोई विशेष उपचार नहीं है लेकिन समय पर अस्पताल में भर्ती होने से जीवित बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इलाज मुख्य रूप से सपोर्टिव केयर पर आधारित है जैसे- ऑक्सीजन सपोर्ट, आईसीयू केयर, हाइड्रेशन, ब्रीदिंग सपोर्ट। मरीज के ब्लड में प्लेटलेट्स कम हो जाते हैं। ऑक्सीजन दिया जाता है, वेंटिलेटर पर रखा जाता है। प्लेटलेट्स ट्रांसफ्यूज किया जाता है।

बचाव है जरूरी: हंता वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, चूहों से दूरी रखना। चूहों की एंट्री घर में न होने पाए। खाने-पीने का सामान खुला न छोड़ें। एयर-टाइट डिब्बों में पैक करें। फल-सब्जियां पानी में अच्छी तरह धोकर इस्तेमाल करें। कोल्ड ड्रिंक कैन लें। उनके ऊपरी हिस्से को अच्छी तरह धो लें। संभव हो तो गिलास में पिएं। रात के वक्त किचन में बचा हुआ खाना या फिर पालतू जानवरों का खाना बिल्कुल खुला न छोड़ें। कूड़ेदान का ढक्कन कसकर बंद रखें ताकि चूहों के आने की आशंका न हो।

ज्यादा गंदगी या चूहों के मल-मूत्र की संदिग्ध जगह की सफाई के लिए झाड़ू या वैक्यूम क्लीनर के बजाय डिसइंफेक्टेंटयुक्त गीला पोंछा लगाएं। जहां तक हो सके, सफाई के दौरान सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें जैसे- रबर के दस्ताने, अच्छी क्वालिटी का मास्क पहनें। साफ-सफाई के बाद, खाना बनाने या खाने से पहले, भीड़ भरी जगह से आने के बाद साबुन से हाथ अच्छी तरह धोएं। घर के आस-पास की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए रोजाना घर का बना ताजा, पोषक आहार का सेवन करें, हाइड्रेशन का ध्यान रखें, भरपूर नींद (6-7 घंटे) और रेग्युलर एक्सरसाइज (कम से कम 30 मिनट) करें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

डायग्नोसिस के तरीके

हंता वायरस से संक्रमण होने की आशंका होने पर मरीज का डायग्नोसिस जल्द से जल्द किया जाना जरूरी है। इसके लिए पीसीआर टेस्ट से संक्रमण की पुष्टि की जा सकती है। इसमें रोगी के ब्लड और यूरिन का टेस्ट किया जाता है।

विकसित भारत का कृषि मॉडल : गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और स्वस्थ जीवन

सेहत और खुशहाली के साथ किसानों के मुनाफे का बेहतर मॉडल बना मप्र

कृषि को स्वास्थ्य, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के व्यापक संदर्भ में देखा जाए

गोबर और गोमूत्र से भूमि का होता है बेहतर पोषण

मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन सरकार को पता है कि सेहतमंद कृषि उपज का जरिया एक मात्र प्राकृतिक खेती ही है। इससे न केवल कृषि की उत्पादन लागत कम होती है बल्कि किसान की आमदनी भी बढ़ती है। ये सब तभी संभव है जब गौ आधारित खेती होगी। यही वजह है कि राज्य की प्रगति के लिए मध्य प्रदेश में विकसित भारत का कृषि मॉडल तैयार किया गया है जो गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और स्वस्थ जीवन के सपने को साकार करने वाला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विकास के उस मार्ग पर अग्रसर है, जहाँ आर्थिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सांस्कृतिक मूल्यों को समान महत्व दिया जा रहा है। इसी समग्र दृष्टि के अंतर्गत भारतीय कृषि को भी एक नए युग की ओर ले जाया जा रहा है। कृषि सदियों से हमारी सभ्यता की रीढ़ रही है। आधुनिक युग में रासायनिक उर्वरकों और सिंथेटिक कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता ने खेती की लागत बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता, उसकी जलधारण क्षमता और दीर्घकालिक स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, हमारे भोजन की गुणवत्ता और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत की समस्याओं का समाधान हमारी अपनी परंपराओं और ज्ञान प्रणाली में निहित है। इसी विचार से प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिल रहा है, जो भारतीय कृषि की मूल आत्मा से जुड़ी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि कृषि को केवल उत्पादन के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के व्यापक संदर्भ में देखा जाए। भारत की पारंपरिक कृषि व्यवस्था सह-अस्तित्व और संतुलन पर आधारित रही है, जिसमें गौमाता की भूमिका केंद्रीय रही है। गौ केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादकता और पोषण सुरक्षा का आधार रही हैं। हमारे पूर्वज जानते थे कि गौवंश का संरक्षण सीधे मिट्टी के स्वास्थ्य से जुड़ा है। गोबर और गोमूत्र से भूमि को पोषण मिलता है, सूक्ष्म जीव सक्रिय होते हैं और मिट्टी पुनः जीवंत होती है। स्वस्थ मिट्टी से प्राप्त अन्न अधिक पौष्टिक, सुरक्षित और मानव शरीर के अनुकूल होता है।

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती केवल कृषि सुधार की पहल नहीं, बल्कि भारतीय जीवनदृष्टि का पुनर्जागरण है। गौमाता और मिट्टी की रक्षा के अपने सांस्कृतिक दायित्व को निभाते हुए, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भोजन, संतुलित जीवनशैली और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित, आत्मनिर्भर और स्वस्थ भारत के स्वप्न को साकार करने का सशक्त मार्ग है।

प्राकृतिक खेती कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति

प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि में प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की भारतीय पद्धति है। वे इसे किसानों की लागत घटाने, आय बढ़ाने और उन्हें बाहरी निर्भरता से मुक्त करने का सशक्त माध्यम मानते हैं। साथ ही, यह देशवासियों को रसायन-मुक्त, विषरहित भोजन उपलब्ध कराने का मार्ग है। यही कारण है कि प्राकृतिक खेती को आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती की कार्यप्रणाली सरल, स्वदेशी और प्रभावशाली है। इसमें गौशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि कृषि आदानों के उत्पादन के आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। गोबर और गोमूत्र से तैयार जीवामृत, बीजामृत और पंचगव्य जैसे प्राकृतिक इनपुट मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को सक्रिय करते हैं और भूमि की उर्वरता को दीर्घकालिक रूप से बढ़ाते हैं। पलवार (मल्चिंग) जैसी तकनीकें मिट्टी की नमी बनाए रखती हैं, जल संरक्षण में सहायक होती हैं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से फसलों की रक्षा करती हैं। इन उपायों से खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, जिससे शून्य बजट प्राकृतिक खेती का लक्ष्य व्यवहारिक रूप से संभव होता है।

किसानों को विकास प्रक्रिया में भागीदार बना रही है मध्यप्रदेश सरकार

कृषि भूमि के अर्जन पर बाजार दर से चार गुना ज्यादा मुआवजा देगी मोहन सरकार

मध्य प्रदेश एक मात्र राज्य है जहां के किसानों को ढेरों सुविधाएं और हर कदम पर सरकार का सहयोग लगातार प्राप्त हो रहा है। खाद, बीज और उपज विक्रय में अच्छा लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों को विकास प्रक्रिया में भागीदार बना रही है। मंत्रि-परिषद की बैठक में कृषि भूमि के अर्जन पर बाजार दर से 4 गुना मुआवजा देने का निर्णय ऐतिहासिक है। इससे जहां किसानों को नई जमीन खरीदने में आसानी होगी, वहीं भू-अर्जन कार्यों के निराकरण को गति मिलेगी। सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को इसका लाभ होगा। यह किसानों की समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ये मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने साफ कहना है कि प्रदेश के किसानों को हर हाल में उनका हक मिलना ही चाहिए। इसके लिए सरकार को जो भी कदम उठाना पड़े तो उठाएंगे। ये उन्होंने करके भी दिया और कैबिनेट में मध्यप्रदेश भू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2015 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मल्टीप्लीकेशन फैक्टर 1.0 से बढ़ाकर 2.0 कर दिया है। इससे किसानों को बाजार मूल्य का अधिकतम 4 गुना मुआवजा मिल सकेगा।

ये होगा फायदा

इस निर्णय से सिंचाई परियोजनाओं, सड़क, पुल, रेलवे और बांध निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाने वाली कृषि भूमि पर किसानों को अधिक राशि मिल सकेगी। इससे न केवल विकास कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि भूमि देने वाले किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा। शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में विकास कार्यों को गति मिलेगी। मध्यप्रदेश में मेट्रोपोलिटन सिटी की ओर भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में भू-अर्जन की आवश्यकता पड़ेगी। गत तीन वर्ष में 55 हजार से अधिक किसानों को विभिन्न परियोजना के माध्यम से 16 हजार करोड़ मुआवजा वितरित किया गया है। सालाना आधार पर यदि देखें तो जो मुआवजा करीब 5000 करोड़ रूपए था, अब वो 4 गुना बढ़ा दिया गया है। अब हर साल करीब 20 हजार करोड़ रूपए मुआवजा किसानों को मिलेगा।

मध्यप्रदेश में गेहूं उपार्जन

कृषक कल्याण वर्ष-2026 में किसानों के हित में निरंतर कार्य होगा। वैश्विक परिदृश्य में गेहूं का निर्यात न के बराबर है। इन परिस्थितियों में भी सरकार किसानों के साथ खड़ी है। पहले छोटे और मझौले किसान और फिर बड़े किसानों से गेहूं खरीदा जा रहा है। किसानों को बोनस भी दिया जा रहा है। पिछले साल का गेहूं भी वेयरहाउस में स्टॉक है। इस वर्ष गेहूं उत्पादन बढ़ा है। अन्नदाताओं के हित में राज्य सरकार गेहूं खरीदी का कार्य पूर्ण करेगी। भारत सरकार से 78 लाख मीट्रिक टन खरीदी के अनुमान है।

सिंचाई परियोजना

मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन जिले की इन्दौख-रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की लागत राशि 157 करोड़ 14 लाख रूपये, सैंच्य क्षेत्र 10,800 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति हुआ है। परियोजना से झारड़ा तहसील के 35 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिला है। छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रूपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रूपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के समकक्ष प्रदान किया जाना है। छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के अंतर्गत छिन्दवाड़ा जिले में संगम 1 बाँध, संगम 2 बाँध, रामघाट बांध एवं पांढुर्णा जिले में बेलेंसिग रिजर्वायर (पांढुर्णा) कुल 4 बांध है।

किसान कल्याण वर्ष-2026

किसानों की आय बढ़ाना ही मोहन सरकार का मूल ध्येय

किसानों की आय में हर तरीके से वृद्धि करना ही हमारा मूल लक्ष्य है और यह उनकी फसल का उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने से ही संभव है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के एक करोड़ से अधिक किसानों के हित में समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के समावेशी मॉडल/थीम पर हम वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष (कृषि वर्ष) के रूप में मना रहे हैं। इस दौरान कृषि उत्पादों का मजबूत विपणन तंत्र स्थापित किया जाएगा, साथ ही खाद्य प्रसंस्करण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उच्च उत्पादकता वाली फसल किस्मों/बीजों का वितरण, डिजिटलीकृत एवं नवीन कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहन, कृषि स्टार्टअप एवं एफपीओ जैसी कृषि आधारित रोजगार श्रृंखला को बढ़ावा, कृषि से संबद्ध सभी क्षेत्रों को एकीकृत करते हुए जिला-आधारित क्लस्टर्स का विकास तथा खेती-किसानी में फसल चक्र में बदलाव (विविधीकरण) को प्रोत्साहन देना कृषि वर्ष के प्रमुख लक्ष्यों को पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि खेती-किसानी से पर्यावरण में भी व्यापक सुधार आता है। उन्होंने कहा कि निमाड़ क्षेत्र में खेती-किसानी से बढ़ते लाभ और दिनों-दिन सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से दूसरे किसान भी खेती की तरफ बढ़े हैं। इससे निमाड़ अंचल में चारों तरफ हरियाली ही हरियाली है और इस हरियाली का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ है कि पूरे निमाड़ अंचल का तापमान पहले से चार डिग्री कम हो गया है। यह उपलब्धि हमें किसानों की बेहतरी के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करती है। कृषि वर्ष के दौरान सरकार का एक लक्ष्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि कर इसे वर्तमान से दुगना करना भी है। इसके लिए प्रदेश के पशुपालकों को उन्नत पशुपालन की नई-नई तकनीकें सीखने के लिए ब्राजील भेजा जाएगा। राज्य के पशुपालक उन्नत तकनीक से पशुपालन करेंगे तथा नई विधियों और पद्धतियों से उन्नत नस्लों के पशुओं से दुग्ध उत्पादन के लिए तैयार करेंगे।

बालाघाट में होगा सिंघाड़ा एवं मखाना महोत्सव

किसान कल्याण वर्ष में सितम्बर के संभवतः पहले सप्ताह में बालाघाट जिले में 'सिंघाड़ा एवं मखाना महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में सिंघाड़ा उत्पादकों, व्यापारियों, निर्यातकों एवं फसल विशेषज्ञों द्वारा सहभागिता की जाएगी। सिंघाड़ा और मखाना कैश क्राप की तरह हैं। इनका सेवन स्वाथ्यवर्धक होता है। यह महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। क्षेत्रीय किसानों को सिंघाड़े और मखाने की खेती से जोड़ने के लिए महोत्सव में किसानों के बीच इनकी खेती से मिलने वाले लाभों से जुड़ी जानकारियों का वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। महोत्सव में इन दोनों फसलों की खेती से संबंधित नई तकनीकों के बारे में किसानों को बताया जाएगा। साथ ही सिंघाड़े और मखाने की सभी प्रकार की किस्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

नवम्बर में नरसिंहपुर में होगा गन्ना महोत्सव

कृषि वर्ष में नवम्बर के संभवतः पहले सप्ताह में ही नरसिंहपुर जिले में राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन सह गन्ना महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में शक्कर कारखाना मालिक, गन्ना उत्पादक किसान सहित निर्यातक एवं विशेषज्ञ भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इससे गन्ने की आधुनिक तरीके से खेती के बारे में बताया जाएगा। साथ ही गन्ने की फसल के लिए ड्रिप सिंचाई की सुविधा मांगकर्ता किसानों को यह सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पैक्स समितियों के जरिए किसानों को दिलाए गए अधिकतम लाभ

कृषि वर्ष के दौरान किसानों को अधिकतम सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्ष के दौरान राजस्व विभाग द्वारा ऐसे किसान, जो किसी वजह से अबतक केसीसी धारक नहीं हैं, उनकी सूची निकटतम प्राथमिक सहकारी साख समितियों (पैक्स) को उपलब्ध कराई जाएगी। पैक्स समितियां किसानों से सम्पर्क कर पात्र किसानों से तय प्रारूप में आवेदन लेने की व्यवस्था ने इसे सरल बना दिया है और बैंक स्तर पर केसीसी मंजूर कराने की कार्यवाही भी हो रही है। मंजूरी वाले प्रकरणों को एकत्रित कर कैम्प लगाकर किसानों को केसीसी वितरित किए किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में प्रदेश में 4500 से अधिक पैक्स समितियां कार्यरत हैं और करीब 23 लाख से अधिक किसान इन पैक्स समितियों से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं।

मध्य प्रदेश में किसानों की खुशहाली की गाथा स्वयं किसान बताते हैं

धार में बागवानी,टीकमगढ़ में सब्जी लगाकर आमदनी बढ़ाने में सफल हुए किसान

मध्य प्रदेश की डॉ.मोहन सरकार की सबसे खास बात ये हैं कि सरकार जो कहती है वो करती है। उसकी वजह है कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव खुद योजनाओं के क्रियान्वयन पर पैनी नजर रखते हैं। लापरवाही पर फटकार और बेहतर काम करने पर पीठ थपथपाने में कसर नहीं छोड़ते हैं। योजनाओं का नतीजा ये है कि खुद किसान अपनी कामयाबी की गाथा और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आगे बढ़ने की बात कहने से नहीं रुकते है। धार जिले के सरदारपुर तहसील का ग्राम राजोद कस्बा पिछले डेढ़ दशक से उद्यानिकी खेती के क्षेत्र मे तेजी से विस्तारीत होकर एक विशिष्ट पहचान बना रहा है। ग्राम राजोद के युवा किसान मुकेश धाकड एक ऐसे किसान है। जिसने क्षेत्र में सबसे पहले डैगन फ्रुट और रेड डायमंड अमरूद की फसले की पैदावार ली । वही यह किसान नर्सरी के माध्यम से बडी मात्रा मे पौधों की बिक्री भी कर रहा है। वे वीएनआर, पिंक और रेड डायमंड अमरूद के साथ ही डैगन फ्रुट, सीडलेस सीताफल, एप्पल बेर जैसी फसलों का उत्पादन किसान सफलता पूर्वक ले रहे है।

किसान मुकेश धाकड खेती मे नये नये प्रयोग करते रहते है। अब इन्होने आम की बागवानी करने की दिशा मे कदम रखा है। अपने खेत पर करीब एक दर्जन से भी अधिक प्रजाति के आम के पौधे रोपे है। यही नही तीन वर्ष पूर्व थाईलैंड प्रजाती के अपने खेत पर लगाये दो आम के पौधे पर लटालुम आम की बहार आई है। एक पौधे पर 50 से अधिक पल है जबकि इसकी ऊंचाई महज तीन फीट के करीब होगी। किसान मुकेश धाकड़ ने बताया की थाई प्रजाती का यह आम सदाबहार है। पूरे वर्ष में इस पर फल लगते रहते है। पहली बार इसके पेड पर फलों का उत्पादन ले रहे है। धाकड ने बताया की अभी उन्होने खेत की मेड पर बुनई किग, चेगमाई, किंग आफ चकापत, ब्लैक मैगो, मियाजाकि, अमेरिकन रेड पालमेंट, आसीन, हनी ड्यु, सोनपरी, जम्बो रेड, तोतापुरी, हुन आरा, चौसा एंव नूरजहां जैसी किस्मों के दौ दर्जन से अधिक पौधे लगा रखे है। जिसमे से छोटे पौधे पर तो वे फलों का उत्पादन भी इस वर्ष ले रहे है। किसान श्री धाकड़ ने बताया की अभी तो शौकिया तौर पर ये पौधे लगाये है। यही क्षेत्र की जलवायु आम की फसल के लिये उपयुक्त रही तो आने वाले समय मे वे इसका बाग भी लगायेगे। इसी तरह टीकमगढ़ जिले में विकासखंड बल्देवगढ़ के ग्राम बनपुरा खुर्द के एक किसान ने यह साबित कर दिया है कि अगर सोच आधुनिक हो, तो मिट्टी सोना उगल सकती है।

प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन से बदली सोच

इसके बाद उन्होंने उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और कृषि विभाग की आत्मा योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया। कृषि भ्रमण के दौरान उन्होंने राज्य के बाहर जाकर तरबूज सहित उद्यानिकी फसलों की आधुनिक खेती के बारे में जानकारी ली। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने अपने खेत में ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग तकनीक का उपयोग करते हुए तरबूज की खेती शुरू की। आधुनिक तकनीकों के उपयोग का परिणाम यह रहा कि किसान को मात्र दो महीने में एक एकड़ से लगभग 2 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया और खेती के प्रति उनका विश्वास और मजबूत हुआ।

D-16014/26

ये सिर्फ एक माह में लिए गए किसान हित के निर्णय

- किसानों को ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के भूअर्जन पर बाजार दर का 4 गुना मुआवजा
- सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे अधोसंरचना निर्माण तथा विकास के लिए 33 हजार 985 करोड़ रूपये
- इन्दौख-रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 157 करोड़ 14 लाख रूपये की स्वीकृति
- छिन्दवाडा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिए 969 करोड़ रूपये के विशेष पुनर्वास पैकेज की स्वीकृति
- लोक निर्माण अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 25,164 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- निःशुल्क साइकिल प्रदाय योजना और शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन के लिए 2,190 करोड़ 44 लाख रूपये की स्वीकृति
- प्रदेश में उन्नत चिकित्सा सेवाओं के लिए 5,479 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में परिजन आवास की स्थापना की स्वीकृति
- छठवें राज्य वित्त आयोग के कार्यों के संपादन के लिए 15 पदों के सृजन की स्वीकृति
- मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए 24 करोड़ रूपये की स्वीकृति

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को लगा झटका ईरान, युद्ध रोकने वाला प्रस्ताव पारित

डोनाल्ड के 4 सांसदों ने की उनके ही खिलाफ वोटिंग, सीनेट में विधेयक पास

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को उस विधेयक को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान युद्ध से पीछे हटने के लिए मजबूर करना है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने राष्ट्रपति की इच्छा के खिलाफ जाकर इस विधेयक के पक्ष में मतदान किया। यह विधेयक 47 के मुकाबले 50 मतों से पारित हो गया। हालांकि इस विधेयक को कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अंतिम मंजूरी के लिए भी मतदान होगा। हालांकि उसके बाद भी ट्रंप इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।फरवरी के अंत में ट्रंप द्वारा ईरान पर हमला करने का आदेश दिए जाने के बाद से डेमोक्रेट सांसद बार-बार युद्ध अधिकार प्रस्तावों पर मतदान करवा रहे हैं। इन प्रस्तावों के तहत ट्रंप को या तो युद्ध के लिए कांग्रेस की सहमति लेनी होगी या फिर सैनिकों को वापस बुलाना होगा। अब तक रिपब्लिकन सांसद इन प्रस्तावों को खारिज करने के लिए पर्याप्त वोट जुटाने में सफल रहे थे, लेकिन लुइसियाना के सीनेटर बिल कैसिडी ने अपनी राय बदली और विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक वोट दिया। इस प्रक्रिया ने यह दिखाया कि रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी कुछ सांसद ईरान के साथ युद्ध रोकने के पक्ष में हैं।

यह विधेयक 47 के मुकाबले 50 मतों से हो गया पारित

विपक्ष की बड़ी जीत

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रंप को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए।डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं।

मिडिल-ईस्ट संकट से अमेरिका को नुकसान

28 फरवरी को शुरू हुई लड़ाई में अब तक पूरे खाड़ी क्षेत्र में 10 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इससे आम लोगों और ऊर्जा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही, दुनिया के सबसे अहम तेल शिपिंग चैनल, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह से बंद करना पड़ा है। इस लड़ाई में अमेरिका को भी भारी कीमत चुकानी पड़ी है। पेंटागन के पिछले अनुमान के मुताबिक, इस पर $29 अरब खर्च हुए हैं और इसके चलते उसके सहयोगी देशों के साथ रिश्ते भी खराब हुए हैं।

यह है अमेरिकी कानून

अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है। इसके बाद या तो युद्ध खत्म करना होता है, कांग्रेस से अनुमति लेनी होती है, या फिर सेना की सुरक्षित वापसी के लिए 30 दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगनी होती है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि :- 02/06/2026

स.क्र.	नि.आ.सु.क्र./ नि.आ.सु. दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमाति लागत (रूपये लाख में)
1	36/2026-27 दिनांक 18/05/2026	191220 (पंचम आमंत्रण)	सुकमा, जिला-सुकमा में फास्ट ट्रेक कोर्ट / जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के प्रथम तल में 01 नग न्यायालय भवन निर्माण कार्य विद्युतिकरण सहित।	179.63

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर

जी-262700874/5

सत्ता छिनते ही बिखरने लगी ममता की पार्टी

पहले बड़े प्रदर्शन में साथ आए 80 में से सिर्फ 35 विधायक

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अब विपक्ष की भूमिका में खुद को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रही है। लेकिन ये कोशिशें सफल होती नहीं दिख रही हैं। इसकी बड़ी तस्वीर बुधवार को नजर आई, जब विधानसभा परिसर में धरना-प्रदर्शन किया गया। बुधवार को विधानसभा परिसर में बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के पास टीएमसी विधायकों ने चुनाव बाद हिंसा और हॉकरों के खिलाफ चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर धरना प्रदर्शन किया, लेकिन पार्टी के 80 विधायकों में से केवल 35 विधायक ही कार्यक्रम में पहुंचे. इस कम उपस्थिति ने पार्टी के भीतर संभावित असंतोष और अंदरूनी खींचतान को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चुनाव बाद हिंसा और बुलडोजर कार्रवाई को बनाया मुद्दा

धरने में शामिल प्रमुख नेताओं में सोवांदेब चट्टोपाध्याय, नयना बनर्जी, कुणाल घोष और रितब्रत बनर्जी जैसे चेहरे मौजूद रहे। टीएमसी ने इस प्रदर्शन के जरिए चुनाव बाद हिंसा, बुलडोजर कार्रवाई और हॉकरों को हटाने के अभियान को मुद्दा बनाया। पार्टी का आरोप है कि नई सरकार के आने के बाद विपक्षी कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर दबाव बनाया जा रहा है और गरीबों के रोजगार पर असर डालने वाली कार्रवाई की जा रही है।

टीएमसी ने किया मतभेद से इंकार

हालांकि टीएमसी विधायक दल के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष पद के लिए पार्टी की पसंद माने जा रहे सोवांदेब चट्टोपाध्याय ने पार्टी के भीतर किसी तरह के मतभेद से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि कई विधायक चुनाव बाद हिंसा प्रभावित इलाकों में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ व्यस्त थे, इसलिए वे कार्यक्रम में नहीं आ सके. उन्होंने यह भी कहा कि धरने का कार्यक्रम सिर्फ एक दिन के नोटिस पर तय हुआ था, ऐसे में दूरदराज के इलाकों से आने वाले विधायकों के लिए समय पर पहुंचना मुश्किल था।

टेट्रा पैक, पाउच में शराब की बिक्री, केंद्र से मांगा गया जवाब

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने टेट्रा पैक और पाउच जैसी पैकेजिंग में शराब की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली याचिका पर बुधवार को केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा। भारत के सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने 'कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग' नामक संगठन की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करने को लेकर सहमति जताई। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि आबकारी व्यवस्था के तहत बोतल की परिभाषा 'अस्पष्ट' है और इस संबंध में कुछ मानक तय किए जाने की जरूरत है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्रमांक 01

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित नि.आ.सू. क्रमांक 02/वलेलि/26-27 सिस्टम निविदा क्र. 190888 (प्रथम आमंत्रण) (जी-नंबर 262700736) दिनांक 13.05.2026 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:-

Sl. No.	Particulars
1	Bid Download Start Date & Time 22.05.2026 at 17:31 Hours
2	Last Date & Time for Online Submission of Tender 12.06.2026 up to 17:30 Hours
3	Bid Opening Date & Time 24.06.2026 at 11:30 Hours

उपरोक्त संशोधन का विवरण छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर ऑनलाइन भी देखा जा सकता है।
टीप :- निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगीं।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

जी-262700863/5

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक/निर्माण/2026-27/417 कोरबा, दिनांक 18.5.26

निविदा निरस्तीकरण सूचना

कार्यालयीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना पत्र कमांक 3626 दिनांक 09.01.2025 के द्वारा आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी अनुसूची दर पुस्तिका छ0ग0 शासन रायपुर दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील दर पर विकास खण्ड कोरबा / करतला / कटघोरा/पाली / पोड़ीउपरोडा के 12 छात्रावास / आश्रमों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रण सूचना का प्रकाशन किया गया था, जिसकी कुल लागत राशि रू. 111.03 लाख है। जिसमें से स.क्र. 01 के कार्य विकास खण्ड कोरबा के 05 छात्रावास / आश्रम में सी.सी. रोड निर्माण कार्य में से 01 कार्य प्री.मै. आदिवासी कन्या छात्रावास कुदमुरा में सी.सी. रोड निर्माण कार्य को एवं स.क्र. 02 का कार्य विकास खण्ड करतला के 02 छात्रावास में सी.सी. रोड निर्माण कार्य को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास कोरबा

जी-262700852/3

विज्ञापन सूचना

जिला खनिज संस्थान न्यास जिला बिलासपुर अंतर्गत जिला चिकित्सालय बिलासपुर में अस्थायी आधार पर वर्ष 2026-27 में स्पेशलिस्ट मेडीसिन (भेषज विशेषज्ञ) पद का वाक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया जा रहा है। इच्छुक पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बिलासपुर, छ.ग. के नाम से दिनांक 25.05.2026 को वाक-इन-इंटरव्यू हेतु सीधे आमंत्रित किया जाता है।

वाक-इन-इंटरव्यू दिनांक 25.05.2026
पंजीकरण का समय 10:30 बजे से 11:30 बजे तक
स्थल कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, नूतन चौक, सरकंडा, जिला बिलासपुर

इस हेतु विस्तृत विज्ञापन एवं आवेदन पत्र का प्रारूप जिला बिलासपुर की वेब साईट www.bilaspur.gov.in पर देखा जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
बिलासपुर (छ.ग.)

जी-262700884/2

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निआसू कमांक 05, 06/वलेलि/2026-27 जगदलपुर, दिनांक 18/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि	निर्धारित समयावधि
01	191017	बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर के ग्राम सिवनी के समीप नारंगी नदी पर आमागुड़ा एनीकट का जीर्णोद्धार कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	186.64 लाख	1.40 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
02	191025	बस्तर जिले के विकासखंड दरभा में मुनगाबहार नाला पर साईगुड़ा व्यपवर्तन योजना के हेड वर्क का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	511.57 लाख	2.56 लाख	12 माह वर्षाकाल सहित

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 25.05.2026 17:31 Hours
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 08.06.2026 17:30 Hours

रिमार्क :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 25.05.2026 समय 17:31 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है।

कार्यपालन अभियन्ता
टी.डी.पी.पी. जलसंसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.

जी. 262700858/4

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार सरल क्रं. 01 से 02 हेतु दिनांक 28.05.2026, सरल क्रं. 03 से 06 हेतु दिनांक 02.06.2026, सरल क्र. 07 हेतु दिनांक 08.06.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.आ.सू. क्र. / दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख मे)
1	41	सेलर बरभांठा मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. का निर्माण कार्य। तृतीय आमंत्रण। संभाग क्र.-1 बिलासपुर। मद संख्या 24-5054-2457	126.30
2	42	जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के प्रथम तल पर 03 न्यायालय कक्षों का निर्माण कार्य। तृतीय आमंत्रण। मुगेंली संभाग, मुगेंली। मद संख्या 67-4059-2450	145.26
3	43	जिला बिलासपुर के देवकीनंदन चौक से महामाया चौक मार्ग लं. 1.30 कि.मी. निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्र. 1 बिलासपुर। मद संख्या 24-5054-2457	182.84
4	44	जिला बिलासपुर के लिम्हा से बरपाली मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी.। द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्रं.-1 बिलासपुर। मद संख्या 24-5054-2457	101.61
5	45	जिला बिलासपुर के सेंदरी बस स्टैण्ड से रमतला मार्ग लं. 1.20 कि.गी. निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग क्र. 1 बिलासपुर। मद संख्या 24-5054-4557	62.60
6	46	जिला रायगढ़ के कारीछापर पहुंच मार्ग लं. 2.80 कि.मी. का डामर नवीनीकरण कार्य एवं तड़ोला पहुंच मार्ग लं. 2.50 कि.मी. का डामर नवीनीकरण का कार्य। द्वितीय आमंत्रण। रायगढ संभाग। मद संख्या - 24-5054-2457	164.24
7	47	जिला गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के गौरेला करंगरा मार्ग के कि.मी. 3/2 में एलान नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। पेण्ड्रा संभाग पेण्ड्रारोड। मद संख्या 42-5054-4149	165.03

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

जी. 262700870/5

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग

नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204,
वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक/2101/2143/2026 EXAM Part(3)/127
नवा रायपुर, दिनांक 19 MAY 2026

राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2025 के संबंध में दिव्यांगजनों हेतु महत्वपूर्ण सूचना।

आयोग के विज्ञापन क्र. 06/2025/परीक्षा दिनांक 26.11.2025 द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2025 के माध्यम से 20 सेवाओं हेतु कुल 265 पद विज्ञाप्ति किए गए थे। उक्त विज्ञापन के अंतर्गत दिनांक 22.02.2026 को राज्य सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 का आयोजन प्रदेश के 33 जिला मुख्यालयों में किया गया था। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा 2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 06,07,08 एवं 09 जून 2026 को जिला सरगुजा (अंबिकापुर), बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर (जगदलपुर) एवं रायपुर (छ.ग.) के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जानी है :-

02/ राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2025 में दिव्यांगजनों को सह-लेखक की सुविधा दिये जाने/अथवा रखे जाने की अनुमति दिये जाने संबंधी निम्नानुसार निर्देश जारी किये गये हैं:-

(i) आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम, 2016 तथा भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के पत्र क्रमांक F. No. 29-6/2019-DD-III Dated 10.08.2022 के अनुसार अभ्यर्थी को प्रपत्र । एवं प्रपत्र-2 पर दिए गए प्रपत्र के अनुसार किसी सरकारी स्वास्थ्य देखभाल संस्था के मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन/चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जारी इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने पर कि संबंधित उम्मीदवार लिखने में शारीरिक रूप से अक्षम है तथा उसकी ओर से परीक्षा लिखने के लिए सह लेखक की सेवाएं लेना अपरिहार्य है, सह लेखक के उपयोग की अनुमति दी जा सकेगी। अभ्यर्थी स्वयं नियमानुसार सह लेखक की व्यवस्था कर सकते है अथवा जिला कार्यालय से सहलेखक उपलब्ध कराने हेतु निवेदन कर सकते है।

(ii) स्वयं के अथवा जिला कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए सह लेखक की योग्यता परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम योग्यता मापदंड से कम होनी चाहिए तथापि सह लेखक की योग्यता सदैव मैट्रिक अथवा इससे अधिक होनी चाहिए। अपना सह लेखक लाने या जिला कार्यालय को इसके लिए अनुरोध करने संबंधी विवेकाधिकार उम्मीदवार का है। परीक्षा में सह लेखक की सुविधा लेने वाले अभ्यर्थी जो जिला कार्यालय से सह लेखक प्राप्त करना चाहते हो अथवा स्वयं सह लेखक लाना चाहते हो तो उन्हें ऑनलाइन आवेदन के समय विज्ञापन के परिशिष्ट-पांच, छः, सात व आठ के अनुसार उपलब्ध प्रपत्र 1, प्रपत्र-2, प्रपत्र 3 एवं प्रपत्र-4 प्राप्त कर, प्रपत्र-1 में सक्षम प्राधिकारी के हस्ताक्षर, प्रपत्र 2 व प्रपत्र-3 में परिक्षार्थी के हस्ताक्षर, प्रपत्र-4 में सहलेखक के हस्ताक्षर प्राप्त कर जिला कार्यालय से सहलेखक प्राप्त करने अथवा स्वयं अपने सह लेखक को परीक्षा दिवस के दिन अपने साथ ले जाने हेतु संबंधित जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने होंगे अन्यथा अभ्यर्थी सहलेखक के सुविधा का उपयोग नहीं कर सकेंगे। स्वयं सहलेखक की व्यवस्था करने अथवा जिला कार्यालय से सहलेखक की सुविधा लेने, दोनो ही स्थितियों में प्रपत्र 01, 02, 03 व 04 पूर्ण रूप से भरकर एवं संबंधित द्वारा हस्ताक्षरित कराकर संबंधित जिला कार्यालय में प्रस्तुत कर, सहलेखक संबंधी अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा अन्यथा परीक्षा दिवस के दिन अभ्यर्थी सहलेखक की सुविधा का उपयोग नहीं कर सकेंगे।

(iii) नेत्रहीनता, दोनों बाजुओं से प्रभावित और प्रमस्तिष्कीय पक्षाघात श्रेणियों के अंतर्गत बैंचमार्क दिव्यांगता वाले उम्मीदवारों को परीक्षा के प्रत्येक घंटे हेतु 20 मिनट प्रतिपूरक समय प्रदान किया जाएगा। परिशिष्ट पांच से आठ तक उपलब्ध प्रपत्र 1, प्रपत्र 2, प्रपत्र 3 एवं प्रपत्र-4 के अनुसार किसी सरकारी स्वास्थ्य देखभाल संस्था के मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन/चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जारी इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए जाने पर कि संबंधित उम्मीदवार लिखने में शारीरिक रूप से अक्षम है, यह सुविधा प्रदान की जाएगी।

जिन अभ्यर्थियों को सहलेखक की सुविधा दी जाती है उन अभ्यर्थियों से अपेक्षा है कि वे इस संबंध में सभी औपचारिकताओं की पूर्ति हेतु प्रवेश पत्र जारी होने के पश्चात परीक्षा तिथि के 05 दिन पूर्व आयोग द्वारा अधिकृत संबंधित जिला कार्यालय से ऑनलाइन आवेदन के पश्चात डाउनलोड किए गए प्रपत्र 1, प्रपत्र-2, प्रपत्र 3 एवं प्रपत्र-4 को भरकर तथा संबंधित के हस्ताक्षर प्राप्त कर संपर्क करें। जिला कार्यालय द्वारा परीक्षा केन्द्राध्यक्ष के नाम से जारी पत्र जिसमें अभ्यर्थी को परीक्षा में सहलेखक के उपयोग की अनुमति सहलेखक के विवरण के साथ दी जाएगी। (विस्तृत निर्देश एवं प्रपत्र हेतु आयोग के विज्ञापन क्रमांक 06/2025/परीक्षा दिनांक 26.11.2025 का भलीभांति अध्ययन कर लेवें)।

3/ अभ्यर्थी एवं उनके सहलेखक द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 में केल्क्यूलेटर का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। अभ्यर्थी एवं सहलेखक को अपने साथ डिजिटल डायरी, केल्क्यूलेटर, सेल्युलर फोन, पेजर और स्मार्ट वॉच लाना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

4/ परीक्षा परिसर में एवं भवन के अंदर वीक्षक व केन्द्राध्यक्ष द्वारा दिये जाने वाले निर्देशों का पालन अनिवार्य है। यदि अभ्यर्थी केन्द्राध्यक्ष द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन नहीं करता है/अशिष्ट, उद्दण्ड आचरण करता है/अनुचित/अशोभनीय या अश्लील व्यवहार करता है तो वह परीक्षा से निष्कासित किया जा सकेगा एवं उसकी परीक्षा निरस्त की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त परीक्षार्थी ऐसे दण्ड का भी भागी होगा, जो आयोग उचित समझे।

परीक्षा नियंत्रक
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर अटल नगर

जी-262700876/2

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। बातचीत में संयत रहें।

वृष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। माता का सानिध्य मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। आय की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कारोबार को गति मिल सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। धैर्यशीलता में कमी आएगी।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें।

सिंह — किसी पैतृक सम्पत्ति का लाभ हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

कन्या — कारोबार के लिए यात्रा लाभप्रद रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। वाहन सुख में कमी आ सकती

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। संगीत में रुचि बढ़ सकती है।

वृश्चिक — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कार्यक्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी। पिता से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाए रखें।

धनु — अति उत्साही होने से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में सम्मान की प्राप्ति होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद रहेंगे। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी।

मकर — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ — अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय बढ़ेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। लाभ में वृद्धि होगी।

मीन — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 6232

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6231 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खै
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
रा	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	हु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

सूडोकु नवताल 6242

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6241 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

- एमपी बोर्ड परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थी मेरिट में
- बीते चार वर्ष में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आया सकारात्मक बदलाव
- 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में 20 से 28 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी

शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की अनूठी नजीर बने मध्य प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय

वर्ष 2026 में कक्षा 10 की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जहां 41 विद्यार्थी सांदीपनि विद्यालयों से हैं, वहीं कक्षा 12 में विज्ञान, वाणिज्य, कला और कृषि संकायों की मेरिट सूची में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

मध्यप्रदेश में संचालित सांदीपनि विद्यालय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की अनूठी नजीर पेश कर रहे हैं। एमपी बोर्ड के हाल ही जारी 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में सांदीपनि विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट में स्थान पाने में सफलता हासिल की है। इतना ही नहीं, एमपी बोर्ड की इन परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालयों के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम साल दर साल बेहतर हो रहा है। विगत चार वर्षों में सांदीपनि विद्यालयों ने 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों में 20 से 28 प्रतिशत तक का सुधार दर्ज कराया है। वर्ष 2026 में कक्षा 10 की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जहां 41 विद्यार्थी सांदीपनि विद्यालयों से हैं, वहीं कक्षा 12 में विज्ञान, वाणिज्य, कला और कृषि संकायों की मेरिट सूची में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या 20 प्रतिशत बढ़ी

वर्ष 2023 से संचालित इन सांदीपनि विद्यालयों के वर्ष 2026 तक के परीक्षा परिणामों में वर्ष दर वर्ष प्रगति हो रही है। वर्ष 2023 में एमपी बोर्ड की कक्षा 10वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 68 था, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 88 प्रतिशत तक पहुंच गया। वहीं 10वीं कक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत भी 46 से बढ़कर 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

12वीं का परीक्षा परिणाम 28 प्रतिशत तक सुधरा

कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत वर्ष 2023 के 59 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2026 में बढ़कर 87 प्रतिशत से अधिक हो गया। वहीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत 42 से बढ़कर 75 प्रतिशत तक हो गया।

सांदीपनि के प्रयास उत्कृष्ट परिणाम देने पर केंद्रित

इन उपलब्धियों के पीछे सांदीपनि विद्यालयों में सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण, नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग, शिक्षक-छात्रों के बीच बेहतर संवाद तथा परिणाम आधारित रणनीतियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रथम श्रेणी में विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के प्रतिशत में निरंतर वृद्धि इस बात का संकेत है कि अब प्रयास केवल परीक्षा पास करने तक सीमित न रहकर उत्कृष्ट परिणाम देने पर केंद्रित हो रहे हैं। इन प्रयासों ने शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, प्रतिस्पर्धा की भावना तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा भी विकसित की है।

परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित शिक्षा का प्रेरणादायक मॉडल: सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश के लिए किसी प्रकार की मेरिट या चयन परीक्षा की अनिवार्यता नहीं होती है। इन विद्यालयों में स्थानीय या आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। इन विद्यालयों के कारण सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े तबके के विद्यार्थियों को भी शिक्षा के आदर्श और आधुनिक वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिलता है। ऐसे में सांदीपनि विद्यालय आज गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित शिक्षा का एक सशक्त और प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रहे हैं।

प्रदेश के 260 सांदीपनि विद्यालयों में 950 स्कूल लीडर्स के अनुकरणीय प्रयासों को सराहना

मुख्यमंत्री की पहल पर शिक्षा का बेहतर जरिया बने प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित सांदीपनि विद्यालय शिक्षण नेतृत्व और शैक्षिक वातावरण में गुणवत्ता के नये मानक प्रस्तुत कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये इन विद्यालयों में शिक्षकों को उनके नवाचारी प्रयासों के लिये राज्य स्तरीय पहचान प्रदान करने तथा उनके प्रोत्साहन के लिये प्रेरक प्रयास कार्यक्रम की अभिनव पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल से विद्यालयों के स्कूल लीडर्स और शिक्षकों द्वारा किये जा रहे अनुकरणीय एवं प्रभावी कार्यों को हर सप्ताह राज्य स्तर से सभी विद्यालयों में विस्तारित किया किया गया है।

प्रेरक प्रयास कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सांदीपनि विद्यालय स्तर पर हो रहे हर सकारात्मक प्रयास, चाहे वह छोटा हो या बड़ा उनकी समय पर पहचान हो और सबके सामने लाया जा रहा है। इस प्रयास से सीखने और सिखाने की परंपरा को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में हर सप्ताह विद्यालयों में नेतृत्व, शिक्षण पद्धति, विद्यार्थी की उपस्थिति एवं प्रगति, नवाचार को पहचान कर चयन किया जाता है, जिन्हें तीन श्रेणियों में आरंभकर्ता, प्रयासकर्ता, सर्वोत्तम गुणवत्ता के रूप में बांटा जाता है। उन्हें विद्यालय स्तर पर सम्मानित कर राज्य स्तर पर बढ़ावा देने के लिये बहुरंगीय पोस्टर के माध्यम से सभी शिक्षकों के बीच साझा किया जाता है। प्रदेश में 260 सांदीपनि विद्यालयों में 950 से अधिक शिक्षकों के अनुकरणीय प्रयासों को राज्य स्तर पर पहचान दिलायी गई है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने विद्यांजलि पोर्टल की शुरूआत की है। इस पोर्टल के माध्यम से स्कूल शिक्षा को सामुदायिक भागीदारी से मजबूत करने के प्रयास किये जा रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में सहभागिता को प्रोत्साहित करने के बिन्दु को मुख्य रूप से जोड़ा गया है। विद्यांजलि एक ऐसा मंच है, जहाँ विभिन्न पृष्ठभूमि से जुड़े हैं।

अत्याधुनिक शिक्षा का केंद्र बना मनासा सांदिपनि विद्यालय

विद्यालय में भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान की लेब सर्व संसाधनों से युक्त है जिसका लाभ विद्यार्थी ले रहे है और अपने कौशल विकास मे प्रमुख परफॉर्मेंस प्रदर्शित कर रहे हैं । केमिस्ट्री लैबः नवीनतम उपकरणों के साथ रासायनिक प्रयोग की सुविधा है। फिजिक्स लैब से सिद्धांतों को व्यवहार में समझने का अवसर उपलब्ध हो रहा है। बायोलॉजी लैब जीवन विज्ञान से जुड़े प्रयोगों और अध्ययन के लिए संसाधन उपलब्ध है। आईटी विषय में विद्यालय में 172 विद्यार्थी नामांकित है विद्यार्थी सूचना प्रौद्योगिकी लैब के माध्यम से कौशल विकास पर कार्य कर रहे हैं नेटवर्किंग एनालिसिस प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग प्रोग्राम तकनीकी ज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगों के लिए विशेष लैब की सुविधा भी इस विद्यालय मे उपलब्ध है। इस विषय मे वर्तमान में 139 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों को सर्किट प्रोटेक्शन, पीसीबी डिजाइनिंग, रोबोटिक तकनीक, एम्बेडेड सिस्टम, माइक्रोप्रोसेसिंग एवं माइक्रोकंट्रोलिंग, और आधुनिक विकासात्मक प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने की जानकारी दी जा रही है।

नवाचार भी कर रहे हैं विद्यार्थी

विद्यालय में जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान हेतु संसद लैब स्थापित की गई है। यहाँ विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर तकनीकी अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। विद्यार्थी स्वयं प्रयोग कर रहे हैं और विज्ञान की गहराई को समझते हुए अपने कौशल को विकसित कर रहे हैं। जिले में 9 विद्यार्थियों का चयन। विशेष मॉडल प्रस्तुतिः होनहार विद्यार्थी लकी राज ने स्वचालित कपड़ा संरक्षण प्रणाली तैयार की। डिजिटल और इंटरएक्टिव शिक्षा के माध्यम से पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाया गया है। पुस्तकालय है जिसमें 100 बच्चों की बैठक व्यवस्था है। पाठ्यपुस्तकों के साथ-साथ सामान्य ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रेरणादायक साहित्य और ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध हैं। संदीपनी विद्यालय में दो छात्रावास संचालित है। दूरदराज के विद्यार्थियों के लिए 100 सीटर बालिका हॉस्टल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विद्यार्थियों को टिप्स

- विद्यार्थी समय का पूर्ण सदुपयोग करें।
- विद्यार्थी खूब पढ़े भी और खेलें भी।
- विद्यार्थी मित्रता का भी सम्मान करें। श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री से सीखें।
- विद्यार्थी शासन द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का लाभ लें।
- सभी विद्यार्थी अपनी बहुमुंखी प्रतिभा से राष्ट्र और प्रदेश का नाम रोशन करें।

विषय विशेषज्ञ अनुभवी शिक्षक

विद्यालय में सभी विषयों के लिए विषय विशेषज्ञ और अनुभवी शिक्षक हैं, जिनकी कुल संख्या 56 है। प्रत्येक विषय में बच्चों को स्मार्ट बोर्ड, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और प्रयोगशालाओं के माध्यम से आधुनिक शिक्षा दी जाती है जिसमें संगीत एवं खेलकूद एवं व्यायाम शिक्षकों द्वारा भी विद्यार्थियों को दक्षता प्रदान की जा रही है गुणात्मक एवं मात्रात्मक दृष्टिकोण से परीक्षा परिणाम श्रेष्ठतम आ रहे हैं।

विद्यार्थियों को प्रदेश में दी जा रही सुविधाएं

- कक्षा-एक से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 5 करोड़ 60 लाख पुस्तकें निःशुल्क दी गई
- एक करोड़ से अधिक फाउंडेशन टिरेसी एण्ड न्यूमरेसी अभ्यास पुस्तिकाएं
- 26 लाख से अधिक ब्रिज कोर्स की पुस्तकें प्रदान की गई
- सुपर-100 के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कोचिंग
- डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य पदों पर जाने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों की मदद
- प्रदेश के विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स और नीट में अच्छा प्रदर्शन
- गत वर्ष 4.75 लाख ऐसे विद्यार्थियों को साईकिल की सुविधा दी गई
- गत वर्ष विद्यार्थियों को 7 हजार 832 ई-स्कूटी प्रदान की गईं
- कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए

शिक्षा में मप्र की वैश्विक पहचान

मध्य प्रदेश के दो सांदीपनि विद्यालय इंदौर और रतलाम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों की सूची में चुने गए हैं।

अवसंरचना विकास : हाल ही में राज्य के 97 सांदीपनि विद्यालयों को सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित भवनों में स्थानांतरित (शिफ्ट) किया गया है।

स्कूलों का विलय : एक से तीन किलोमीटर के दायरे में आने वाले कम छात्र संख्या वाले लगभग 300 सामान्य सरकारी स्कूलों को इन सांदीपनि विद्यालयों में मर्ज (विलय) किया है।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम : वर्ष 2026 के एमपी बोर्ड परीक्षा परिणामों में सांदीपनि विद्यालयों के 58 छात्रों ने राज्य स्तरीय मेरिट सूची में जगह बनाई है।

सहायिकाओं की भर्ती : प्राथमिक स्तर की शिक्षा को मजबूत करने के लिए राज्य के 104 सांदीपनि स्कूलों में 306 प्री-प्राइमरी महिला सहायिकाओं की भर्ती की गई है।

प्रातः उठने से लेकर सोने तक अनुशासन का बेहतर पाठ पढ़ाता है विद्यालय

अनुशासन का पाठ भी विद्यालय में

- *सुबह उठने के बाद माता-पिता के चरण स्पर्श करना*
- *भोजन के बाद थाली को यथावत रखना*
- *कतारबध्द होकर विद्यालय की बस में बैठना*

राज्य में अनुशासन और बेहतर शिक्षण शोध ने सांदीपनि विद्यालय को बनाया उत्कृष्ट उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मध्यप्रदेश में सांदीपनि विद्यालयों की उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। उन्होंने यह निर्णय भगवान श्रीकृष्ण के गुरू आचार्य सांदीपनि के सम्मान में लिया है। उच्च गुणवत्ता शिक्षा, अनुशासन और बेहतर शिक्षण शोध के संगम से सांदीपनि विद्यालय एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गए हैं। नीमच जिले के उपखण्ड मुख्यालय मनासा का सांदीपनि विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। यहाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध है, जिससे यह विद्यालय क्षेत्र में एक आदर्श शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस विद्यालय ने शिक्षा के साथ ही अनुशासन संस्कार और आधुनिक तकनीकी शिक्षण में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल की है।

घर से विद्यालय तक के नवाचार सभी कक्षाओं के लिए सुबह उठने के बाद माता-पिता के चरण स्पर्श करने, विद्यालय आते समय दादा-दादी, नाना-नानी या जो भी बड़े हों, उनका आशीर्वाद लेने जैसे संस्कार विद्यालय को अनूठा बना रहे हैं। बस के लिए अनुशासन में खड़े रहने, बस में अनुशासन से चढ़ने व बैठने, विद्यालय पहुंचते ही पंक्तिबद्ध होकर उतरने,विद्यालय की दहलीज को नमन करने, गुरुजनों को नमन करने, मां सरस्वती को नमन करना, अपने पगवेश (जूते) पंक्तिबद्ध तरीके से रखने, प्रार्थना सभा के लिए पंक्तिबद्ध होकर आने, कॉरिडोर में हमेशा हाथ बांधकर चलने, प्रार्थना सभा में सक्रिय सहभागिता करने, प्रार्थना सभा समाप्त होने पर मौन होकर कक्षा में जाने जैसे अनुशासन ने इस विद्यालय को उच्च संस्कार से सुशोभित किया है। कक्षा के प्रवेश द्वार पर कक्षा अध्यापक का आशीर्वाद एवं अनुमति लेकर प्रवेश करने, विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए कक्षा के नियमों का पालन करने, कक्षा की शुरुआत संस्कारों की बातों से करने,सभी विषयों का गहन अध्ययन करने, भोजन से पहले हाथ धोने, भोजन प्रार्थना एक स्वर में बोलने, थाली में झूठा भोजन न छोड़ने और न नीचे गिराने,एक साथ भोजन करने और भोजन के बाद अपनी थाली उठाने, छुट्टी समय पंक्तिबद्ध होकर कक्षा से बाहर आने,कक्षा की लाइट व पंखे बंद करने, रूट नंबर के अनुसार लाइन बनाने एवं अनुशासन से बस में बैठने सम्बधी नवाचार किए जा रहे है। कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रदेश मेरिट सूची में आने पर विद्यार्थी के नाम से कक्षा का नामकरण किया जा रहा है।

विद्यालय आते समय दादा-दादी, नाना-नानी या जो भी बड़े हों उन्हें प्रणाम करना

सर्वसुविधायुक्त विद्यालय

विद्यालय में चार मंज़िला भव्य इमारत निर्मित है। भवन सर्वसुविधा युक्त एवं आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप है। संपूर्ण विद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। सभी गतिविधियों पर सुरक्षा गार्ड एवं कैमरों की निगरानी रहती है। विद्यार्थियों के लिए बड़ा खेल मैदान उपलब्ध है। विद्यालय परिसर में बगीचा एवं बाल-बगीचा बच्चों के मनोरंजन व विकास हेतु बनाया गया है। विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है। साफ-सुथरे सुविधा घर उपलब्ध हैं। पूरा विद्यालय भवन वातावरणानुकूल बनाया गया है जिससे विद्यार्थियों को स्वस्थ व सुखद वातावरण मिल रहा है। प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों के लिए सुंदर व आरामदायक फर्नीचर उपलब्ध है। शासन द्वारा सांदीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन की व्यवस्था की गई है। 17 बसों से 1220 विद्यार्थी दूरस्थ क्षेत्रों से आसानी से विद्यालय पहुँच रहे हैं। यह सुविधा पूर्णतः निशुल्क है और सभी बसों में ड्राइवर पुरुष है और कंडक्टर महिलाएं हैं।

एक दिन का प्राचार्य

विद्यालय में कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं अर्द्धवार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त तीन विद्यार्थियों को एक दिन का प्राचार्य बनाया जाता है। ऑनलाइन टेस्ट-सीरीज के माध्यम से विषय सामग्री को सरल और रोचक बनाया गया है। जिससे विद्यार्थी बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकें। विद्यालय की प्रत्येक गतिविधि में विचारशील व कर्मशील व्यक्तियों का सम्मान किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों को प्रेरणा मिल सके। उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों को एक दिवस का प्राचार्य बनाया जाता है, जिससे उनमें नेतृत्व व प्रबंधन कौशल का विकास हो सके।

D-16014/26

प्रथम पृष्ठ का शेष

ये है मामला...

के लिए सरकार के स्तर पर एक बड़ी बैठक रखी गई थी। इस बैठक में सभी खाद्य अधिकारी, आयल कंपनियों के मार्केटिंग हेड और नोडल अधिकारी शामिल हुए।

जनता का डीजल...

रुपए तक का बड़ा अंतर आ रहा है। दिलचस्प ये है कि 16 मार्च 2026 तक औद्योगिक डीजल का रेट कम था जो अब काफी बढ़ गया है।

छग की 18 हजार...

किया गया है। दवा व्यापारियों के इस आंदोलन को कैट, चेंबर ऑफ कॉमर्स और कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने समर्थन दिया है। उनके प्रतिनिधियों ने मेडिकल कांपलेक्स आकर दवा कारोबार से जुड़े लोगों से मुलाकात की।

देशभर में 13 लाख...

ज्यादा असर मध्य प्रदेश और कर्नाटक के कई इलाकों में देखने को मिला। कर्नाटक में 20 हजार से ज्यादा केमिस्ट हड़ताल में शामिल हुए, जबकि मध्य प्रदेश में 52 जिला संगठनों ने बंद का समर्थन किया। चंडीगढ़ में भी कई दवा दुकानों ने हड़ताल का समर्थन किया। बिहार में बंद का असर पटना, नवादा, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्वी चंपारण, वैशाली, पश्चिमी चंपारण, खगड़िया, दरभंगा, समस्तीपुर, रोहतास, पूर्णिया और कटिहार समेत कई जिलों में देखने को मिला। **तमिलनाडु में 40 हजार दुकानें रहीं बंद-** अखिल भारतीय रसायनशास्त्री एवं औषधि विक्रेता संगठन द्वारा बुलाई गई राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत, तमिलनाडु में बुधवार को अनुमानित 40,000 दवा दुकानें बंद हैं। सूत्रों से यह जानकारी प्राप्त हुई। इस संगठन ने अवैध ई-फार्मेसी संचालन और बड़ी कंपनियों द्वारा की जा रही अनुचित मूल्य निर्धारण नीतियों आदि के विरोध में एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया है।

बंगाल में खुली...

'फ्रैंक रॉस फार्मेसी' और 'अपोलो फार्मेसी' जैसी बड़ी दवा श्रृंखलाओं ने अपनी दुकानें खुली रखीं और रोजमर्रा तथा आपातकालीन दवाइयों की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं दीं।

रायपुर के बाद...

कारण पेंडिंग हुआ करते थे। उन्होंने बताया कि अभी रायपुर में कमिश्नर प्रणाली लागू है। आवश्यकता अनुरूप इसका विस्तार होना चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से इसे बिलासपुर और दुर्ग में भी प्रारंभ करने के लिए आग्रह करेंगे।

ड्रोन पेट्रोलिंग सिस्टम पर होगा काम -

ड्रोन पेट्रोलिंग को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, अब ड्रोन पेट्रोलिंग सिस्टम पर भी काम किया जाएगा। कस्टमाइज लोकेशन पर ड्रोन भेजे जाएंगे। टेक्नोलॉजी के जरिए सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

54 नई डायल...

अब और तेजी से पुलिस पहुंचेगी। सी-डेक की एडवांस टेक्नोलॉजी के जरिए पूरा सिस्टम मॉनिटर होगा। कॉल आते ही तुरंत लोकेशन ट्रेस होगी। उन्होंने कहा, नई गाड़ियों में हाईटेक कैमरे लगाए गए हैं। कमांड सेंटर से लाइव मॉनिटरिंग होगी। आज से ही नई गाड़ियां सेवा में शामिल होंगी।

न फंड, न काम,...

विकास कार्य किए हैं? हमारे पास ग्रामीणों के इस सवाल का कोई जवाब नहीं होता। बिना फंड और काम की स्वीकृति के हम पंचायतों का संचालन करने में पूरी तरह असमर्थ हैं। सरपंच संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब वे अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे हैं। पिछले साल भी सरपंच संघ ने आंदोलन किया था। तब जिला प्रशासन ने मध्यस्थता करते हुए वादा किया था कि 15 दिनों के भीतर सभी लंबित विकास कार्यों को स्वीकृति दे दी जाएगी। लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने अपना वादा नहीं निभाया और धरातल पर एक भी काम को मंजूरी नहीं मिली। इससे नाराज सरपंचों ने सामूहिक इस्तीफा देकर अपनी आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

भारत-इटली के...

जारी की, जिसका उद्देश्य हेलीकॉप्टर और समुद्री हथियारों सहित अन्य सैन्य उपकरणों के साझा विकास एवं उत्पादन का मार्ग प्रशस्त करना है। इसके अलावा, दोनों देशों ने इटली में भारतीय नर्सों के आवागमन और उच्च शिक्षा के लिए नयी रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया। दोनों पक्षों ने 10 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिनमें महत्वपूर्ण खनिज, कृषि, समुद्री परिवहन और समुद्री उत्पादों के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने से जुड़े करार शामिल हैं। मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मंगलवार रात रोम पहुंचे थे। उनकी इस यात्रा का मकसद रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना था। मोदी और मेलोनी ने जनवरी में अंतिम रूप दिए गए भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाने पर सहमति जताई और इसके शीघ्र कार्यान्वयन का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को एक विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-29 हमारी साझेदारी के लिए एक व्यावहारिक और भविष्योन्मुखी ढांचा प्रदान करती है। हम इस पर समयबद्ध तरीके से प्रगति कर रहे हैं। हमारे संयुक्त प्रयासों के जरिये द्विपक्षीय व्यापार तेजी से 20 अरब यूरो के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इस बीच, मेलोनी ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां चीन अपनी सैन्य मौजूदगी लगातार बढ़ा रहा है। इतालवी प्रधानमंत्री ने भारत-इटली संबंधों को मौजूदा रणनीतिक साझेदारी से विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाए जाने का भी जिक्र किया। एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, दोनों पक्षों ने भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-29 की समीक्षा करने और विशेष रणनीतिक साझेदारी को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विदेश मंत्रियों के नेतृत्व में एक तंत्र स्थापित करने पर भी सहमति जताई।

रक्षा सहयोग बढ़ाएंगे...

सहमत हुए। मोदी ने कहा, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमासाझेदारी के आधार हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष और असैन्य परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हमारे बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, हम भारत-इटली नवाचार केंद्र पर काम कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के स्टार्टअप, अनुसंधान केंद्रों और उद्योगों को जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग 'गहरे आपसी विश्वास' का प्रतीक है। मोदी ने कहा, दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के साथ-साथ हमारी सेनाओं के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त आशय घोषणा और रक्षा औद्योगिक रूपरेखा को अपनाने का स्वागत किया, जो हेलीकॉप्टर, नौसैनिक प्लेटफॉर्म, समुद्री हथियार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध कौशल सहित तकनीकी सहयोग, सह-उत्पादन और सह-विकास परियोजनाओं के लिए साझेदारी को बढ़ावा देगा। मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष जहाजरानी, बंदरगाह आधुनिकीकरण, रसद और समुद्री अर्थव्यवस्था पर मिलकर काम करेंगे।

कॉन्स्टेबल प्रमोशन के...

प्रक्रिया जारी है। इस प्रक्रिया में नियमों के पालन नहीं होने का आरोप लगाया गया है। कोरबा जिले के अलग-अलग थानों में पदस्थ आरक्षक लव कुमार पात्रे, भूपेंद्र कुमार पटेल, विक्रम सिंह शांडिल्य समेत कुल 73 पुलिसकर्मियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में राज्य शासन, गृह सचिव, डीजीपी, आईजी बिलासपुर रेंज, एसपी कोरबा समेत अन्य अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। **ट्रांसफर के बाद वरिष्ठता सूची प्रभावित-** याचिका में कहा गया है कि पुलिस मुख्यालय ने प्रमोशन प्रक्रिया शुरू की है, लेकिन इसमें उन आरक्षकों को भी शुरुआती नियुक्ति की तारीख के आधार पर सीनियर मानकर प्रमोशन देने की तैयारी की जा रही है, जिन्होंने अपनी इच्छा से दूसरे जिले में ट्रांसफर कराया था। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस एग्जीक्यूटिव फोर्स कांस्टेबल भर्ती, पदोन्नति, सेवा शर्त नियम 2007 में किए गए संशोधन के अनुसार अगर कोई कर्मचारी अपनी मर्जी से दूसरे जिले में ट्रांसफर लेता है, तो नए जिले की सीनियरिटी लिस्ट में उसका नाम सबसे नीचे माना जाता है। आरोप है कि मौजूदा प्रमोशन प्रक्रिया में इस नियम का पालन नहीं किया जा रहा है।

काम कर रहे...

लंबे समय से एक ही जिले में काम कर रहे आरक्षकों का हक मारा जाएगा। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पुलिस मुख्यालय के स्पष्टीकरण पत्र को इस याचिका में चुनौती नहीं दी गई है। सरकार ने यह भी बताया कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार कई याचिकाकर्ताओं के नाम भी फिट लिस्ट में शामिल हो सकते हैं। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद माना कि मामला सेवा नियमों के उल्लंघन से जुड़ा है। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कहा कि विभागीय पदोन्नति समिति अपनी प्रक्रिया जारी रख सकती है, लेकिन हाईकोर्ट की अनुमति के बिना अंतिम पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए जाएंगे।

अस्थायी व्यवस्था करना...

ने 14 मार्च 2024 को उन्हें छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार का अतिरिक्त प्रभार सौंपा था। इसके खिलाफ डॉ. राकेश गुप्ता ने याचिका दायर कर दावा किया था कि यह नियुक्ति फार्मेसी काउंसिल नियम, 1978 के प्रावधानों के विपरीत है। सिंगल बेंच ने याचिका स्वीकार करते हुए आदेश निरस्त कर दिया था, जिसके खिलाफ यह रिट अपील दाखिल की गई। डीबी ने कहा कि 'क्वो वारंटो' (पद धारण करने के अधिकार की जांच) संबंधी रिट तभी जारी की जा सकती है, जब कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक वैधानिक पद पर नियमित नियुक्ति के आधार पर बैठा हो और उसकी नियुक्ति कानून के विपरीत हो। केवल अतिरिक्त प्रभार दिए जाने को नियमित नियुक्ति नहीं माना जा सकता।

मवेशी से टकराकर...

और रात करीब 8.30 बजे बाइक से घर से निकला। डोमन अपने दोस्त हसदा निवासी अंकित बंजारे और नायकबांधा निवासी राजा ओगरे के साथ जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही तीनों युवक ग्राम गातापार स्थित ठाकुर दुकान के पास पहुंचे, उनकी बाइक अचानक सड़क पर आए मवेशी से टकरा गई। टक्कर के बाद तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान राजिम की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे रेत से भरे हाइवा क्रमांक सीजी 07 सीएक्स 8758 ने तीनों को रौंद दिया। **हिरासत में आरोपी चालक-** घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर हाइवा वाहन जब्त कर लिया है। मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एक साथ तीन युवकों की मौत से छोटे उरला, हसदा और नायकबांधा गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कार्यालय नगर पंचायत नवागढ़, जिला जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

क्र./ 155 / लो.नि.वि./न.पं./2026 — नवागढ़, दिनांक 20.05.2026

ई-प्रोक्यूमेंट निविदा सूचना (प्रथम)

नगर पंचायत नवागढ़ क्षेत्रांतर्गत SBM-U 2.0 अंतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु (Online) निविदा समक्ष श्रेणी D and Above CG PWD BUILDING SOR 01.01.2015 ROAD SOR 01.01.2025 PHE SOR 01.01.2020 AND CG E&M SOR 01.06.2020 पर आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम क्र. / दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख)	अमानत राशि (रू.में.)	Bid Start Date& Time	Bid Due Date & Time	Bid Open Date & Time
1	191288	प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना एवं उन्नयन कार्य	28.78	14390.00	20.05.2026 समय 17:30 बजे	10.06.2026 समय 17:30 बजे	12.06.2026 समय 11:30 बजे

निविदा की विस्तृत जानकारी छ.ग. शासन की E-Procurement पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत नवागढ़

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, सुपगांव,

जिला : नारायणपुर, छत्तीसगढ़, पिन-494661
फ़ोन नंबर: 9989989146, 8770056115

[SCAN FOR TENDER FORMS]
PM SHRI

-:: निविदा अधिसूचना ::-

F.No./JNV/NPR/2026-27/ 308 — Date- 20.05.2026

सत्र 2026-27 के दौरान पी एम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय नारायणपुर (छ. ग.) हेतु विभिन्न भण्डार सामग्रियों की आपूर्ति जैसे बिस्तर, किराना सामान, सब्जी, बेकरी सामग्री, नॉन वेज आइटम्स, स्टेशनरी आदि एवं वाहन किराए पर संलग्न करने के लिए अधिकृत पंजीकृत डीलर/ निर्माता / आपूर्तिकर्ता / कंपनियों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दस्तावेज रु.500/- प्रति सेट के हिसाब से विद्यालय के कार्यालय से दिनांक 20/05/26 से दिनांक 10/06/26 पूर्वान्ह 11:00 बजे तक विद्यालय से नियत तिथि के भीतर कार्यालयीन दिवस में खरीदा जा सकता है। इसके अलावा, संबंधित विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट https://navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/Narayanpur/en/Tender/Tender Forms/ अथवा एन.आई.सी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। हालाँकि, निविदा प्रपत्र जमा करते समय, निविदा प्रपत्र की लागत के रूप में प्राचार्य ज.न.वि. नारायणपुर के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में प्रति सेट रु.500/- की राशि जमा करनी होगी। पूर्ण रूप से सीलबंद निविदाएं मय अर्नेस्ट मनी का डिमांड ड्राफ्ट (प्राचार्य ज.न. वि नारायणपुर के पक्ष में), प्राचार्य ज. न. वि. के कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 10/06/26 अपरान्ह 01:00 बजे तक होगी। सिलबंध निविदाएं भौतिक रूप से या पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा भी भेजा जा सकता है। निर्धारित तिथि / समय के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदाएं विद्यालय द्वारा दिनांक 10/06/26 को अपरान्ह 03:00 बजे सलाहकार समिति द्वारा प्राचार्य के कार्यालय कक्ष में खोली जाएंगी।

प्राचार्य

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL), CSPGCL,

Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2574562,
website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/314 — Raipur, date 18.05.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL. The unregistered contractor having work experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/ABVTPS-MRW/W/ 2026/23	Annual work of day to day valve & pump operation, inspection and rectification of water supply network in CSPGCL residential colony at 2x500MW ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa **E-Comp. No. 316130**	21.72 Lacs
CEC/ABVTPS-MRW/W/ 2026/24	Annual operation and maintenance of 0.7MLD sewage treatment plant (STP) at colony premises of 2x500MW ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa **E-Comp. No. 336126**	15.41 Lacs
CEC/HTPS-KW/ W/ 2026/25	Miscellaneous civil works in AC plant, AHUs of feeder floor, BMD-I (AH&F(, DM plant, near debris filter of unit IV, near BFP unit III and store room near chimney –II for Ash Handling at 4x210MW, HTPS, CSPGCL, Korba West **E-Comp. No. 337393**	5.58 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Eligibility Criteria, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.(ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

SAVE ELECTRICITY

Chief Engineer (Civil)
CSPGCL, Raipur

BILASPUR SMART CITY LIMITED

3rd Floor, ICCC Building, Tarbahar Thana, Near Tarbahar Naka, Bilaspur, Chhattisgarh, India, Phone No. 07752-222642
Fax: 07752-413888, E-mail: tenders.bscl@gmail.com

2nd Call E-Procurement-REQUEST FOR PROPOSAL

No.143/BSCL/2026-27 — Bilaspur, Dated 19/05/2026

BSCL invites online Request for proposal (RFP) following works from eligible contractors:

NIT No.	System Tender No.	Name of work	Bid Due Date
255	191308	Selection of Agency for Operation, Maintenance, Upkeep of BIncube Incubation Center by Bilaspur Smart City Ltd at 3rd Floor of Central Library, Bilaspur, Chhattisgarh under Licensee model where License will be awarded to agency who bids highest commercial bid over and above Minimum Guaranteed Amount payable to BSCL.	05/06/2026 IST 05:30 PM

Interested parties may view and download RFP Document details online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in

Green City, Clean City, Smart City.

MANAGER
BILASPUR SMART CITY LIMITED

NAGAR PANCHAYAT KUNKURI, DIST - JASHPUR, C.G.

E-Procurement Tender Notice (1ST Call)

NIT NO: 182/2026 — KUNKURI, Dated 19.05.2026

Online bids in three envelop system are invited for the following construction works/supply works up to date 11.06.2026 at 17.30 Hours.

System tender No.	Description	P. A.C
191327	Zonal Work (मरम्मत संधारण, निकाय मद, क्षतिपूर्ति एवं अन्य मद अंतर्गत रु. 1.50 लाख तक के छोटे छोटे निर्माण/मरम्मत कार्य) (CGPWD BUILDING SOR 2026, ELECTRICAL SOR 2020, ROAD/ BRIDGE SOR 2025, PHE SOR 2020) at ward number 01-15 KUNKURI	25.00 LACS
191329	Zonal Work (अध्यक्ष, पार्षद निधि एवं अन्य मद अंतर्गत रु. 1.50 लाख तक के छोटे छोटे निर्माण/मरम्मत कार्य) (CGPWD BUILDING SOR 2026, ELECTRICAL SOR 2020 ROAD/ BRIDGE SOR 2025, PHE SOR 2020) at ward number 01-15 KUNKURI	25.00 LACS

The details can be downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal *http://eproc.cgstate.gov.in* From 20.05.2026 at 10:30 Hours. (IST) onwards.

For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT KUNKURI

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
उपलब्ध सेवायें
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार
लिवर व किडनी रोग
पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन
थाइरॉयड सर्जरी
हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप)
ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
फ्री ओपीडी सेवा
महीने के प्रत्येक सोमवार
समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे
MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS
साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ाकर हर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें ....
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में बिलिंग एवं एकाउंटिंग, माल पैकिंग करने, ट्रांसपोर्ट लेजाने, आर्डर एवं वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (पढ़ाई बाध्य नहीं है) सम्पर्क करें- 9111000629 (40898)

आवश्यकता है- सीएसडी कैंटीन एक्सटेंसन काउंटर बिलासपुर में कैंटीन जेसीओ इंचार्ज पद हेतु आवश्यकता है। आर्मी/ नेवी/ एयरफोर्स से रिटायर्ड जेसीओ/ समकक्ष तथा कैंटीन कार्य में अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन रैंक, नेम, आर्म्स, रिटायरमेंट की तारीख, शैक्षणिक योग्यता कांटेक्ट नम्बर सहित दिनांक 24 मई 2026 तक ईमेल आईडी- cosaveterans@gmail.com पर भेजे तथा 8103064275 पर व्हाट्सएप करें। साक्षात्कार 25 मई 2026 को हेडक्वॉर्टर कोसा वेटरन्स ब्रांच में प्रातः 9बजे से होगा, अधिक जानकारी हेतु कार्यालयीन समय पर सम्पर्क करें- 9685726593 (40901)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया,, तिफरा बिलासपुर 7869919759 (40903)

आवश्यकता है- होटल नटराज में कार्य हेतु अनुभवी हाउस कीपिंग स्टॉफ की आवश्यकता है ड्यूटी टाइम 1 से रात 10बजे तक वेतन 9000/- सम्पर्क करें- होटल नटराज लिंक रोड बिलासपुर 9977861508 (40902)

आवश्यकता है- दोसा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के/ लड़कियों, चाइनीज मिस्त्री, दोसा मिस्त्री एवं सप्लायर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साउथ इंडियन दोसा 36मॉल के सामने बिलासपुर 9300518958 (40899)

आवश्यकता है-शिवम एग्रोटेक, अपने कार्य को विस्तार देने के लिए दो योग्य युवकों की भर्ती कर रहा है No कॉल, वाट्सएप्प पर बायोडाटा भेजें- 7000867969, 74772 37699 (40890)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752-337082 (40889)

आवश्यकता है- साक्षी डेंटल लैब को फील्ड एवं ऑफिस हेतु लड़कों की आवश्यकता है डॉक्टर्स के क्लीनिक से सेम्पल कलेक्ट करने होंगे। अगर आपके पास बाइक चलाने का लाइसेंस है, तो अप्लाई करें। वेतन 9000 से 14000 प्रति माह। लोकेशन- आरबी हॉस्पीटल के पास रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर सम्पर्क करे- 9406158674, 9755120209 (40895)

आवश्यकता है- आफिस में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है कम्प्यूटर जानकार को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- (दोपहर 3 से 5बजे) ए.के. अग्रवाल एंड कम्पनी, प्रथम तल, मोहरा बिल्डिंग जुनीलाइन बिलासपुर 9425530647 (40897)

आवश्यकता है-सरस्वती शिशु मन्दिर उ.मा. विद्यालय, बेलटुकरी, गनियारी में अंग्रेजी, संस्कृत एवं जीव विज्ञान विषय हेतु योग्य शिक्षकों की आवश्यकता है योग्यता- संबंधित विषय में स्नातकोत्तर एवं बीएड आवेदन की अन्तिम तिथि 30 मई 2026 मिलने का समय प्रातः 9बजे से 11बजे तक सम्पर्क- 8103658549, 9926164992 (40892)

आवश्यकता है-ऑफिस एवं शॉप में MS Office Word, Excel एवं बाकी सॉफ्टवेयर अनुभवी हिन्दी इंग्लिश टाइपिंग अनुभवी युवक एवं युवती कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- व्यापार विहार, बिलासपुर 7879111118 (40887)

आवश्यकता है-CCTV कैमरा/ DTH फिटिंग ऑफिस में हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग, कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के, लड़कियां और जनरल शॉप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- निशानियां मार्केटिंग जूनीलाईन 91310 42929, 9993455200, 07752407700 (40882)

आवश्यकता है-कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु दो चौकीदार (रहकर काम करने वाले) एक सुपरवाइजर, एक ड्राइवर एवं ऑटोकैड ड्राफ्ट्मैन की आवश्यकता है वेतन योग्य अनुसार। सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 98279 59907 (40886)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यता अनुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 77460 00016, 7747000016, 77470 00019, 7746000019 (015)

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवशयकता है मासिक सैलरी 10000 से 15000, पता- शॉप नम्बर FS16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 (40863)

आवश्यकता है-मैनेजर/ सुपरवाइजर 1पद वेतन 10000 से 12000 एवं वेटर झाड़ू पोछा साफ सफाई हेतु चाहिए वेतन 10000 योग्यता या समय अनुसार सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 98263 90898 (40888)

आवश्यकता है-अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क, OT टेक्नीशियन, X-RAY टेक्नीशियन सरगांव के लिए आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पीटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधी पारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 (40885)

आवश्यकता है- पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के- लड़कियां, महिलाऐ -पुरुष पैकिंग करके (22500-64500) महीना कमाऐ, फन्ड+ बोनस- 92179 61955. 8527765400 (061)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-थोक स्टेशनरी दुकान में मेहनती लड़कों- लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर (40884)

बेचना है

बेचना है- ग्राम खोखसा जिला जांजगीर चांपा में खोखसा रेल्वे लाईन के नीचे स्थित कृषि भूमि कुल रकबा 2.502 हेक्टेयर (6.18 एकड़) बेचना है सम्पर्क करें- 9827965327, 62327 01261, 8817015518, 8982930040 (40893)

किराया

किराया- सीपत रोड अशोक नगर चौक में मुख्य मार्ग में इलाहाबादी होटल के सामने पतंजलि चिकित्सालय के ऊपर दुकान/ आफिस कार्य हेतु किराये से देना है द्वितीय तल 12×30 की दो दुकाने, प्रथम तल 36×30 का सम्पर्क करें- 6232701261 (40900)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

घरेलू क्रिकेट : 23 अगस्त से दलीप ट्रॉफी, 11 अक्टूबर से रणजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी एक बार फिर दो चरण में खेला जाएगी, जिसमें पहले चरण की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी जबकि 2026-27 घरेलू सत्र 23 अगस्त को दलीप ट्रॉफी के साथ शुरू होगा। बीसीसीआई ने बुधवार को यह घोषणा की। आगामी सत्र के दौरान बीसीसीआई आयु वर्ग और सीनियर क्रिकेट में कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा, जिसमें पुरुषों के लिए अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर जबकि महिलाओं के लिए अंडर-15, अंडर-19 और अंडर-23 के अलावा सीनियर स्तर के मुकाबले शामिल हैं। अंडर-23 वर्ग का सीमित ओवरों का टूर्नामेंट और विजी ट्रॉफी के लिए अंतर क्षेत्रीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता टी20 प्रारुप में खेली जाएगी।

रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण 17 जनवरी से

बीसीसीआई के घरेलू कैलेंडर की सबसे बड़ी प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच होगा, जिसमें चार दौर खेले जाएंगे। दूसरा चरण 17 जनवरी से 3 मार्च 2027 के बीच होगा, जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट) और विजय हजारे ट्रॉफी (50 ओवर का राष्ट्रीय टूर्नामेंट) के खत्म होने के बाद खेला जाएगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 14 नवंबर से 6 दिसंबर के बीच खेली जाएगी। लीग चरण के मुकाबले मुंबई, मोहाली, विजाग और कोलकाता में होंगे जबकि नॉकआउट चरण नागपुर में होगा।

बेंगलुरु में खेला जाएगा दलीप ट्रॉफी

बीसीसीआई ने कहा, '2026-27 का घरेलू सत्र बीसीसीआई की एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचा बनाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। साथ ही यह सभी प्रारुप और वर्ग में संतुलित प्रगति भी सुनिश्चित करता है।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर फखर और अयूब

लाहौर। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां और साइम अयूब चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को पीसीबी की मेडिकल टीम की देखरेख में 'रिहैबिलिटेशन' कार्यक्रम में शामिल होने की सलाह दी गई है।

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)

Email: nagarpanchayatgurur@gmail.com Phone No : 07749-299800

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण प्रथम सूचना //

Main Portal : http//eproe.cgstate.gov.in

क्रमांक / 211 /लो.नि.वि./ ई- निविदा/2026-27 गुरूर, दिनांक 20/05/2026

नगर पंचायत गुरूर अनुपचारित जल प्रबंधन घटक अंतर्गत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 11/06/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Design, Construction, Testing. Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAYAT, GURUR under SBM 2.0	191393	388.65	1.94	ब एवं उच्च वर्ग	15 माह	LUMP SUM

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal:eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर

आज शाम 7.30 बजे से गिल और गायकवाड़ की टीमों में भिड़ंत

टॉप-2 की रेस में टाइटंस, आज चेन्नई से टक्कर

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

प्लेऑफ में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुरुवार को होने वाले आईपीएल के मैच में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। लीग चरण में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने के दो अवसर मिलते हैं। गुजरात टाइटंस अभी 16 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (18 अंक) पहले स्थान पर है। इन दोनों के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद (16 अंक) भी शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में है। इन तीनों टीम ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

आरसीबी के आगे निकल सकता है गुजरात

अगर गुजरात टाइटंस सीएसके की खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करता है तो वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के (+1.065) नेट रन रेट से भी आगे निकल सकता है। अगर सनराइजर्स अपने आखिरी लीग मैच में आरसीबी को हरा देता है तो पहले दो स्थान के लिए फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। अभी गुजरात टाइटंस का नेट रन रेट (+0.400) है जो सनराइजर्स (+0.350) से बेहतर है।

शानदार फॉर्म में गिल और साई सुदर्शन

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिच पर होने वाले इस मुकाबले से पहले टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल और उनके सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन शानदार फॉर्म में हैं। सीएसके के गेंदबाजों के लिए उन पर अंकुश लगाना बड़ी चुनौती होगी। बीच के ओवरों में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिल सकता है, जिसमें गुजरात टाइटंस के स्टार स्पिनर राशिद खान सीएसके की मजबूत बल्लेबाजी पंक्ति की परीक्षा लेंगे। गिल, जोस बटलर और सुदर्शन गुजरात की बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करते रहेंगे।

गुजरात के मध्य क्रम में निरंतरता का अभाव

गुजरात के मध्य क्रम में हालांकि निरंतरता का अभाव है और ऐसे में चेन्नई के बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन उन पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे। दोनों टीम का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड अभी 4-4 से बराबर है। हालांकि गुजरात ने इस सत्र के शुरू में चेपॉक में चेन्नई को आठ विकेट से हराया था।

कोलकाता की आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी जीत:मुंबई को 4 विकेट से हराया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। टीम ने मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ कोलकाता की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा हैं। टीम 13 मैचों में 6 जीत, 5 हार और एक बेनतीजा मैच के साथ 13 पॉइंट्स लेकर छठे स्थान पर पहुंच गई है। बुधवार को ईडन गार्डन्स में कोलकाता ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बारिश के कारण मैच में एक घंटे की देरी हुई। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए। टीम ने 84 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान हार्दिक पंड्या ने 26 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन सुनील नरेन ने उन्हें बोल्ड कर दिया। आखिरी ओवरों में कॉर्बिन बॉश ने 18 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए, जिससे मुंबई सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। कोलकाता की ओर से कैमरन ग्रीन, सौरभ दुबे और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट लिए। सुनील नरेन को 1 सफलता मिली। विल जैक्स रनआउट हुए।

OFFICE OF THE CHIEF MUNICIPAL OFFICER NAGAR PALIKA PARISHAD, SARAIPALI

E-procurement Tender Notice (3rd Call)

Main Portal: https://cgeprocurement.gov.in

NIT. No. 191337 / 174 Saraipali/Dated 20.05.2026

Online bids are invited for followings works up to 05.06.2026

S. NO.	System Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract (In Lakh)	Earnest Money (In Lakh)	Class of Contract or
1	191337	Survey, Engineering, Procurement, Construction, testing, commissioning of Saraipali Water supply scheme under AMRUT Mission 2.0 including 03 months Trial run, 12 months Defects Liability period and 5 years Operation and Maintenance of all Project Components/whole scheme (3rd Call)	Rs 10978.85	Rs 54.89	In appropriate Class

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 20.05.2026 at 17:30 Hours (IST) onwards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

Chief Municipal Officer
Nagar Palika Parishad Saraipali District - Mahasamund (C.G)

छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित, रायपुर

मुख्यालय 'सहकार भवन', प्लॉट नं.-74, सेक्टर-24, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)
Website : www.cgapex.bank.in | Email : cg.apexbank.ho@gmail.com

छ.ग./मुख्यालय/नवा रायपुर क्रं. 833 दिनांक : 20.5.2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आशीष कुमार पटेल, निलंबित लिपिक (पूर्ववर्ती जिला सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक) छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित नवा रायपुर का विभागीय जांच प्रकरण बैंक में लंबित है। विभागीय जांच में जांच अधिकारी के द्वारा श्री आशीष पटेल को निर्धारित तिथि दिनांक 06.05.2026 एवं 18/05/2026 को मुख्यालय में उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया था। श्री आशीष पटेल अपना पक्ष रखने हेतु निर्धारित तिथी पर उपस्थित नही हुए। अतः श्री आशीष पटेल निलंबित लिपिक को सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि सूचना प्रकाशित होने के 5 दिवस के भीतर मुख्यालय स्थित द्वितीय तल कक्ष कमांक 05 में उपस्थित होकर विभागीय जांच में अपना पक्ष प्रस्तुत करें। यदि निर्धारित अवधि में श्री आशीष पटेल, निलंबित लिपिक उपस्थित नही होते है तो यह मानते हुए कि उन्हे अपना पक्ष प्रस्तुत नही करना है। विभागीय जांच की कार्यवाही एकपक्षीय रुप से नियमानुसार संपादित किया जावेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी श्री आशीष पटेल की होगी।

गुन्जार सिंह ठाकुर (जांच अधिकारी एवं प्रबंधक)
छ.ग. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित मुख्यालय – नवा रायपुर

FEDERAL BANK
YOUR PERFECT BANKING PARTNER

• रायपुर मुख्य शाखा - एलसी आर्केड, भूतल, वंदना बजाज के पास, आश्रम चौक, रामकुण्ड, जी.ई. रोड, रायपुर (छ.ग.) - 492001
• रायपुर क्लस्टर : कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)- 492007

स्वर्ण नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से उधारकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि उधारकर्ता कई बार याद दिलाने के बावजूद निर्धारित समय के भीतर नीचे उल्लिखित स्वर्ण ऋणों का भुगतान करने तथा गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों को छुड़ाने में विफल रहे हैं।
उधारकर्ताओं से अनुरोध है कि वे संबंधित स्वर्ण ऋण खातों के अंतर्गत बैंक को देय संपूर्ण राशि, लागू ब्याज, लागत और अन्य शुल्कों का भुगतान 22.06.2026 को या उससे पहले कर दें और स्वर्ण आभूषणों को छुड़ा लें। ऐसा न करने पर बैंक को गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों की नीलामी करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, और यह कार्रवाई उधारकर्ताओं को बिना किसी पूर्व सूचना के की जाएगी।
*उधारकर्ता की मृत्यु की स्थिति में, ऋण के अंतर्गत दायित्व उधारकर्ता के कानूनी वारिसों पर लागू होंगे।
यह सूचना फेडरल बैंक लिमिटेड के अन्य कानूनी अधिकारों और उपायों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जारी की जाती है।
कृपया ध्यान दें कि नीलामी आयोजित होने से पूर्व नीलामी का विज्ञापन समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाएगा।

द फेडरल बैंक लि., रायपुर मुख्य शाखा - एलसी आर्केड, भूतल, वंदना बजाज के पास, आश्रम चौक, रामकुण्ड, जी.ई. रोड, रायपुर (छ.ग.) - 492001, मो. नं. - 8249818792, 6290300230

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	राणाजीत चट्टराज	14456100039377	68,352.33
2.	शेख सोहेब	14455600003354	11,04,766.88
3.	अमरीन खान	14455600002844	4,92,508.91
4.	शिरिन पी राज	14455600002794	3,57,637/-
5.	के. श्वेता राय	14456100039716	1,16,529/-
6.	भोलाशंकर सोनकर	14456100039526	1,73,340/-
7.	रूपेश छत्तानी	14455600003313	80,018/-

द फेडरल बैंक लि., कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) - 492007, फोन नं. 07712422900

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	सुभाष एस	19455600002146	63024.12
2.	पूजा रिझवानी	19456100029761	2,20,667/-
3.	राकेश देवनानी	19456900002521	4,40,539.40
4.	राम सूरत यादव	19456400020320	3,66,805/-
5	राम सूरत यादव	19456900000780	47,26,158.55
6.	ललित रिझवानी	19455600002377	9,85,025.07
7.	किशोर बजाज	19455600002351	15,00,000/-
8.	सरला राठौर	19456900001481	1,91,845.28
9.	आकांक्षा लोडवल	19456400020981	12,32,605.27
10.	एल. जगदीश रेड्डी	19456900001143	6,05,433.02
11.	एल. जगदीश रेड्डी	19456900001911	1,71,124/-
12.	एल. जगदीश रेड्डी	19456900001200	3,33,595/-
13.	आरती कक्कड़	19456400020676	7,66,524/-
14.	आरती कक्कड़	19456400020684	1,47,133/-
15.	मंजू अगरवाल	19456400019330	10,28,821.40
16.	योगिता बरमेड़ा	19456100029431	1,68,021.20
17.	सुमीत ठाकुर	19456100029456	42,753/-
18.	सुमीत ठाकुर	19456100029464	1,78,372/-
19.	रजनी रंजन	19456900001473	1,78,295/-
20.	सुमीत ठाकुर	19456100029472	1,91,890/-
21.	रजनी रंजन	19456900001598	3,20,329.12
22.	मानब मोण्डल	19456900002828	6,19,768/-
23.	मानब मोण्डल	19456400020627	26,43,226.44
24.	मानब मोण्डल	19456900002299	26,89,622/-
25.	सुमीत सोनी	19456400019892	14,21,987.38
26.	मानब मोण्डल	19456900003115	22,50,000/-
27.	स्नेहा सिंह	19455600002252	1,20,935/-
28.	बिस्वजीत दास	19456900002372	18,54,808.20
29.	अजय नायक	19456900002463	18,33,383.10
30.	अजय नायक	19456900002430	12,06,421/-
31.	आरती कक्कड़	19456900002984	1,86,795/-

द फेडरल बैंक लि., विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा), दक्षिण गंगोत्री, व्यवसायिक भूखण्ड योजना, सुपेला भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग.)-490023, मो. नं. : 8249818792, 6290300230

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	आनंद निषाद	25036100000061	40,309.50

द फेडरल बैंक लि., गुरूकृपा बिल्डिंग, व्यापार विहार मेन रोड, बिलासपुर (छ.ग.) - 495001, फोन नं. - 07752-261462

स. क्र.	उधारकर्ता का नाम	ऋण खाता क्र.	कुल बकाया राशि दि. 18.05.2026 तक (डेबिट शेष)
1.	नवीन कुमार चौहान	16666900005448	10,23,705/-
2.	सतीश पहुचेल	16666900001975	47,418/-
3.	सतीश पहुचेल	16666900004003	41,036/-
4.	सत्यानंद बंजारे	16666400053203	1,20,877.60
5.	सत्यानंद बंजारे	16666400053781	20,344/-
6.	सत्यानंद बंजारे	16666400055240	1,47,054/-
7.	सत्यानंद बंजारे	16666400055828	1,54,760/-
8.	आलोक कुमार	16666100010248	10,882/-
9.	आलोक कुमार	16666100010230	57,202/-

दिनांक : 20.05.2026 हस्ता./-
स्थान : रायपुर प्राधिकृत अधिकारी, द फेडरल बैंक लि.

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	13	9	4	18
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	13	8	5	16
राजस्थान	13	7	6	14
पंजाब	13	6	6	13
चेन्नई	13	6	7	12
दिल्ली	13	6	7	12
कोलकाता	12	5	6	11
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	13	4	9	8

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

वैभव सूर्यवंशी
579 रन
राजस्थान

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

मानव ने रचा इतिहास, अमेरिकी ओपन किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारतीय-अमेरिकी गोल्फर मानव शाह ने आईजीपीएल के लिए इतिहास रचा जब वह पिछले साल इस लीग की शुरुआत के बाद इस टूर से 2026 अमेरिकी ओपन में जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। मानव ने डलास एथलेटिक क्लब में 36 होल के अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 66 और 71 के स्कोर से कुल पांच अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहते हुए अमेरिकी ओपन में अपनी जगह पक्की की। इस 33 वर्षीय गोल्फर ने मौजूदा सत्र में आईजीपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है और चार टूर्नामेंट में तीन बार शीर्ष सात और एक बार संयुक्त 11वें स्थान पर जगह बनाने में सफल रहे।

OFFICE OF THE BLOCK MEDICAL OFFICER, DHARAMJAIGARH DISTT. RAIGARH (CHHATTISGARH)

TENDER NOTICE

Sickle Cell Anemia Testing & Screening

Bid Reference No./NHM/Tendor/1018 **Dated 20.05.2026**

A complete set of the tender document may be obtained from the office of the undersigned during the office hours (from 10 AM to 5 :30 PM) as per the detail given below.

The detail are given below:-

Cost of tender Document	:	Rs. 1000/-
Last date & time of sale of Tender Document	:	11-06-2026 upto 5.30 PM
Last date & time for receipt of Tender Document	:	12-06-2026 upto 03.00 PM
Date & time of Tender opening (Technical Bid)	:	12-06-2026 at 4:00 PM
Address for communication, Place of sale & opening of Tender Document's	:	Block Medical Officer CHC Dharamjaigarh, Raigarh(C.G.)

Block Medical Officer
CHC Dharamjaigarh Raigarh (C.G.)

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

आंचलिक कार्यालय, स्टार हाऊस, प्रथम तल, प्लॉट नंबर 48, सेक्टर-24, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ 492101

ई-नीलामी सूचना मेगा ऑक्शन अंतर्गत

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) व 1 के अधीन अंचल संपत्ति की बिक्री की सूचना

ई-नीलामी तिथि एवं समय : 25.06.2026, प्रातः 11.00 से सायं 5.00 तक

ई-नीलामी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक के अधिकृत अधिकार द्वारा नीचे उल्लेखित सम्पत्तियों का कब्जा लिया गया था। अधिकृत अधिकारी द्वारा उधारकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, के निम्न शाखाओं के खातों की वसूली के लिये उक्त अधिनियम के नियम 8 एवं 9 अधीन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का सार्वजनिक नीलामी द्वारा जैसा है जहाँ है एवं जिस अवस्था में है के आधार पर विक्रय करने का निर्णय लिया गया है।

क्र.	शाखा और उधारकर्ता/जमानतदार के नाम	बंधक संपत्ति का विवरण		आरक्षित मूल्य(लाख में) / ई.एम.डी. (लाख में) / बोली बढ़ोत्तरी (लाख में)	अ) मांग सूचना दिनांक ब) कब्जा दिनांक स) बकाया राशि (लाख में)
01	कवर्धा शाखा:- उधारकर्ता - मेसर्स माँ बंजारी गुड़ उद्योग, प्रो.- श्री नरेंद्र चंद्रवंशी	(अ) खसरा नं. 252/14, प.ह नं.18, ग्राम-गंडईकला, कवर्धा मेन रोड, तहसील एवं जिला-कबीरधाम (छ.ग.) पर स्थित सामयिक बंधक संपत्ति, मालिकाना हक- पट्टेदार मेसर्स मां बंजारी गुड़ उद्योग. पट्टादाता के नाम: 1. नरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, 2. वीरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, 3. नीरेंद्र कुमार चंद्रवंशी.पट्टेदार: मेसर्स मां बंजारी गुड़ उद्योग. सीमाएँ:-उत्तर : रामावतार की भूमि, दक्षिण : दुखी राम की भूमि, पूर्व : सड़क , पश्चिम : राजकुमार की भूमि. (सांकेतिक कब्जा)	अ	₹ 32.25 / ₹ 3.22 / ₹ 0.25	अ) 02.11.2023 ब) 18.01.2024 स) ₹ 14.25 + ब्याज एवं अन्य खर्चे
		(ब) प्लांट एवं मशीनरी -समस्त प्लांट व मशीनरी मेसर्स मां बंजारी गुड़ उद्योग- खसरा नं 252/14, प.ह नं.18, ग्राम-गंडईकला-कवर्धा रोड, तहसील-बोडला, जिला-कबीरधाम (छ.ग) पर स्थापित हैं। (भौतिक कब्जा)	ब	₹ 4.08 / ₹ 0.40 / ₹ 0.25	

ई-नीलामी द्वारा वाहन विक्रय सूचना (ई-नीलामी तिथि 25.06.2026)

हमारी शाखा द्वारा जब्त किये गये वाहनों का "जहाँ है जैसा है" आधार पर निविदा द्वारा विक्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

क्र.	शाखा का नाम एवं उधारकर्ता का नाम	वाहन का विवरण	आरक्षित मूल्य / ई.एम.डी. / बोली वृद्धि राशि
1.	एआरबी (रायपुर) शाखा:- श्री धनेश सिंह पिता श्री जमुना सिंह	Tractor :- Vehicle No. CG10BV2331, Make & Model – Ashok Leyland AVTRN5525 TT 3400 MM WB9 Speed Gear Box With new Generation Eco Cabin fully buit traiuler, BS6 Diesel Engine. Chasis No. MB1T2VLD3RPKB0992, Engine No. RLPZS04067 *Vehicle Parked at Yard of Rohi Recovery.	₹ 31,91,000 / ₹ 3,19,100 / ₹ 25,000

ई- ऑक्शन की तारीख और समय-दिनांक : 25.06.2026, सुबह 11.00 से सायं 05.00 बजे, सीमा रहित 10 मिनट के अंतराल के एक्सटेंशन के साथ, प्रत्येक निरीक्षण की तारीख और समय – 21.05.2026 से 24.06.2026 सुबह 11.00 से दोपहर 03.00 बजे के बीच कार्यालयीन दिवस में।

नोटः-कोई भी बोलीकर्ता/ इच्छुक पक्ष प्लांट एवं मशीनरी के लिये बोली लगा सकता है, परंतु भूमि एवं भवन के लिये बोली लगाने हेतु, बोलीदाता को प्लांट और मशीनरी के लिये अनिवार्य बोली लगानी पड़ेगी क्योंकि किसी भी परिस्थिति में भूमि एवं भवन को स्वतंत्र रूप से बोली नहीं लगायी जा सकती।

उधारकर्ताओं/बंधक-कर्ताओं को 30 दिन का बकाया सूचना

उपरोक्त उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं को यह सूचित किया जाता है की सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को मय ब्याज एव खर्चो के नीलामी से पूर्व जमा करवा दें अन्यथा बंधक रखी संपत्ति की नीलामी ऊपर दर्शायी गई दिनांक को कर दी जावेगी, उसके पश्चात शेष राशि के लिए अलग से वसूली की जावेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - कवर्धा शाखाः संदीप एक्का, 8770821780, एआरबी (रायपुर) शाखाः सूरज कुमार - 7717741309, ई.एम.डी. भुगतान तथा तकनीकी जानकारी के लिए जोनल अधिकारी – श्री रमा राव, मो. 99084 84996.

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें: 1. नीलामी बिक्री / बोली, वेबसाइट **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग प्रक्रिया द्वारा की जायेगी। **2. बोलीकर्ताओं की सुविधा के लिए वेबसाइट https://baanknet.com में जा कर "Guidelines" देख सकते हैं।** 3. बोली राशि आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। 4. सर्वाधिक / सफल बोलीकर्ता का विक्रय के सम्बंध में अधिकृत अधिकारी द्वारा बोली स्वीकार करने के बाद बोली/क्रय मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर की राशि में पहले से जमा बयाना राशि घटाकर शेष बची राशि अगले कार्य दिवस में जमा कराना होगा। अन्यथा उसकी बयाना राशि जब्त कर ली जायेगी। 5. क्रयमूल्य कि 75 प्रतिशत राशि का भुगतान अधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री कि पुष्टि करने से 15 दिन या उससे पहले अथवा उस बढ़ाई हुई अवधि के भीतर शेष राशि जमा नहीं करा पाने कि दशा में जमा राशि को जब्तकर लिया जायेगा एवं अधिकृत अधिकारी बैंक नीलामी को रद्द कर नये सिरे से नीलामी करने हेतु स्वतंत्र होंगे। 6. अधिकृत / सफल बोलीकर्ता की दशा में बयानाराशि का क्रय मूल्य में समायोजित कर दिया जायेगा एवं असफल बोलीकर्ताओं **baanknet** के द्वारा वापस कर दिया जायेगा। बयाना राशि पर किसी प्रकार का ब्याज देय नहीं होगा। 7. सम्पत्ति का **जैसा है, जहाँ है** एवं बिना किसी सहारे के आधार पर बेचा जायेगा। इच्छुक बोलीकर्ताओं नीलामी में शामिल होने में पूर्व सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का देय आदि के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करें। **8. अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास स्व-विवेक से बिना किसी पूर्व सूचना एवं कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने अथवा बिक्री को स्थगित करने / टालने रद्द करने अथवा बिक्री की नियम व शर्तों को संशोधित करने का सम्पूर्ण अधिकार है।** 9. सम्पत्ति के क्रेता को सरकार को देय सभी वैधानिक देयक एवं सम्पत्ति से संबंधित सभी वर्तमान एवं भविष्य के कर, दर व देयक वहन करना होगा। 10. देय राशि ब्याज और अन्य शुल्कों को छोड़कर है। 11. इस नीलामी से संबंधित किसी भी तरह का संशोधन/त्रुटि सुधार/शुद्धिपत्र भविष्य में अखबार के माध्यम से प्रकाशित नहीं किया जायेगा कृपया इच्छुक नियमित रूप से ऊपर दी गई वेबसाईट से संज्ञान लेवें। 12. इस नीलामी की प्रक्रिया बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी नहीं बोली लगा सकते। 13. इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई डी-व पासवर्ड स्वयं बनाना है। जिसे बनाने में न्यूनतम 2 दिन का समय लगता है। अतः बोलीकर्ता से निवेदन है कि यूजर आई.डी. अंतिम तिथि से पूर्व ही बना लें। 14. एक बोली लगाने वाला (बोलीकर्ता) होने की स्थिति में बोली फॉर्म में उद्धत बोली राशि में न्यूनतम एक बोली वृद्धि मूल्य की बढोत्तरी करनी होगी, अन्यथा विक्रय निरस्त / स्थगित किया जायेगा।

किसी भी तरह की विवाद की स्थिति में इस ई-नीलामी जो कि दिनांक 21.05.2026, सेंट्रल क्रॉनिकल का अंग्रेजी संस्करण के प्रकाशन ही मान्य होगा।

दिनांक : 21.05.2026, स्थान : रायपुर अधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा, विद्युत (सामान्य शाखा)

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है । **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 03-2026 दिनांक 04.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : जबलपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में पैनल कक्ष की व्यवस्था करना, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 516186.43, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 10300.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15. 00 बजे तक)** : 26/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 26/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 04-2026 दिनांक 04.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : तीन विविध विद्युत कार्य: (1) न्यू जीएम कोर बिल्डिंग/जेबीपी स्थित स्टोर विभाग मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष, कक्ष और प्रवेश द्वार की मरम्मत/सुधार। (ii) एडेन (मुख्यालय) जेबीपी के अधीन जेबीपी में श्वेतांबरी विश्राम गृह परिसर में शौचालयों और अन्य विविध कार्यों सहित श्वेतांबरी विश्राम गृह का सुधार/नवीनीकरण। (iii) एडेन (मुख्यालय) जेबीपी उपमंडल के अधीन जबलपुर स्थित नियंत्रण कार्यालय के भूतल और प्रथम तल पर फर्श, दीवार, प्लास्टर और शौचालयों आदि की मरम्मत और सुधार।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 3660732.97, **बयाना राशि रूपये** : Rs.73200.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)**: 26/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 26/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 06-2026 दिनांक 05.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : दो विविध विद्युत कार्य (1) न्यू कटनी जंक्शनः प्रस्थानं यार्ड एनकेजे के बुनियादी ढांचे में सुधार (ii) न्यू कटनी जंक्शन आरओएच शेड और सीडब्ल्यूएसएमएफ में एपॉक्सी फ्लोरिंग के साथ जल निकासी में सुधार, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 2354656.51, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 47100.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 28/05/2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 28/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 07-2026 दिनांक 05.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : केटीई : एडीईएन (एम) केटीई उपमंडल के अंतर्गत मौजूदा पार्सल कार्यालय को ध्वस्त किए जाने के स्थान पर कटनी स्टेशन पर नए पार्सल कार्यालय का निर्माण।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 970382.21, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 19400.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15. 00 बजे तक)** : 28/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 28/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 08-2026 दिनांक 05.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : जेबीपी डिवीजन में ऊर्जा संरक्षण के लिए रनिंग रूम में मास्टर कंट्रोल स्विचिंग व्यवस्था का प्रावधान।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 6271815.67, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 125400.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15. 00 बजे तक)** : 28/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 28/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 09-2026 दिनांक 06.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : एडेन/मुख्यालय/जेबीपी उपमंडल के अंतर्गत जबलपुर स्थित रेल सौरभ कॉलोनी (चरण-1) में 10 यूनिट आरबी-वी क्वार्टर (G+5) का निर्माण।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 5485693.82, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 109700.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 29/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 29/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 10-2026 दिनांक 06.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** :डब्ल्यूसीआर के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कान्हा स्थित अधिकारी विश्राम गृह में दो कनरों का सुधार कार्य।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 1524840.58, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 30500.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 29/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 29/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 11-2026 दिनांक 06.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : सुधार एवं उन्नयन कार्य (i) जबलपुर में रेल सौरभकॉलोनी, लोको तलैया, मिलेनियम कॉलोनी, डीआरएम कार्यालय, स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया आदि में पार्कों का सुधार (ii) एडीईएन (पीपीआई) उपमंडल के अंतर्गत पिपरिया में आरपीएफ बैरक का फर्नीचर सहित उन्नयन/संशोधन, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 2690962.32, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 53800.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 29/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 29/05/2026, **निविदा सूचना क्रमांक** : निविदा सूचना क्र.: जबल-एल-टी-न 12-2026 दिनांक 06.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : जेबीपी डिवीजन द्वारा हाईमास्ट का नवीनीकरण, जिसमें ट्रांसफार्लर को सर्कुलेटिंग एरिया में स्थानांतरित करना और डीजी सेट को स्थानांतरित करना शामिल है।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में)** : Rs. 13205925.51, **बयाना राशि रूपये** : Rs. 264100.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष)** : 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक)** : 29/05/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक)** : 29/05/2026, **सभी निविदाओं में निविदा फार्म की कीमत (रूपये में)** : 0.00, **सभी निविदाओं के कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता है।** : वरि मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेब साइट से डाउन लोड की जा सकती है।

हस्ता.
वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

विज्ञान की दुनिया में एक ऐसा चमत्कार हुआ है, जिसे कैंसर और इस तरह की दूसरी गंभीर बीमारी के खिलाफ जंग में नया 'ब्रह्मास्त्र' माना जा रहा है। तोहोकू यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने लिक्विड गोल्ड यानी तरल सोना के ऐसे नैनोपार्टिकल्स खोजे हैं, जो बिल्कुल किसी जीवित जीव या कोशिका की तरह अपना रूप बदलते हैं।

कैंसर का खात्मा करने वैज्ञानिकों ने तैयार किया नया ब्रम्हास्त्र

टोक्यो। इसके जरिए भविष्य में ऐसी सटीक ड्रग डिलीवरी संभव होगी, जो इंसानी कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना सीधे कैंसर ट्यूमर को खत्म कर सकेगी।

जापान की तोहोकू यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने लिक्विड गोल्ड यानी तरल सोना के ऐसे नैनोपार्टिकल्स की खोज की है, जो पूरी तरह किसी जीवित जीव की तरह बर्ताव करता है। खास बात यह है कि ये नैनोपार्टिकल्स इतने समझदार हैं कि गर्मी और प्रेशर मिलने पर अपना आकार और ढांचा खुद ही बदल लेते हैं। वैज्ञानिकों की यह खोज आने वाले समय में मेडिकल साइंस, कैंसर के इलाज, ड्रग डिलीवरी और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की दुनिया को पूरी तरह से बदल सकती है। यह रिसर्च जर्नल ऑफ द अमेरिकन केमिकल सोसाइटी में छपी है।

आखिर क्या है लिक्विड गोल्ड?

बदला जा सकता नैनोपार्टिकल्स के पूरे ढांचे को

40 डिग्री सेल्सियस तापमान होने पर ये आपस में जुड़कर एक नेटवर्क बना लेते हैं। वहीं, प्रेशर पड़ने पर ये जाल से वापस अलग-अलग होकर टापू में बदल जाते हैं। प्रोफेसर कियोशी कानी के अनुसार यह रिसर्च दिखाती है कि कैसे मॉलिक्यूलर यानी आणविक स्तर पर किए गए छोटे से बदलाव से नैनोपार्टिकल्स के पूरे ढांचे को बदला जा सकता है।

कैंसर के इलाज में आएगा काम

इस खोज की सबसे खास बात यह है कि यह बदलाव 40 डिग्री सेल्सियस के आस पास होता है, जो इंसानी शरीर के टेंपरेचर के बहुत पास है। इसका मतलब यह है कि भविष्य में ऐसी दवाइयां बनाई जा सकेंगी जो शरीर के अंदर जाकर सिर्फ बीमारी वाले हिस्से जैसे ट्यूमर या कैंसर सेल्स के टेंपरेचर को भांपकर वहीं पर एक्टिव होंगी और दवा रिलीज करेंगी। इससे शरीर के बाकी हिस्सों को नुकसान नहीं पहुंचेगा। इसके साथ ही इस तकनीक का इस्तेमाल मुड़ने वाली स्क्रीन, एडवांस सेंसर और खुद को ठीक करने वाले रोबोट्स बनाने में भी किया जा सकेगा. वैज्ञानिक इसे भविष्य के स्मार्ट मैटेरियल्स की दिशा में एक बड़ा कदम मान रहे हैं।

कैसे काम करता है लिक्विड गोल्ड?

डॉ. रीना सातो और प्रोफेसर कियोशी कानी की देखरेख में वैज्ञानिकों ने सोने के इन बहुत ही बारीक कणों को हवा और पानी के बीच सतह यानी इंटरफेस पर रखा। इन पार्टिकल्स को खास बनाने के लिए वैज्ञानिकों ने इन पर दो तरह के ऑर्गेनिक मॉलिक्यूल्स की परत चढ़ाई। इस कोटिंग का असर यह हुआ कि ये नैनोपार्टिकल्स तापमान और प्रेशर के हिसाब से रिएक्ट करने लगे। सामान्य तापमान पर ये पार्टिकल्स अलग-अलग टापू की तरह बिखरे रहते हैं।

रोचक खबरें

ये है दुनिया का सबसे खतरनाक नशा एक बार चख लिया तो बचना मुश्किल!

नई दिल्ली। दुनिया में कई तरह के नशीले पदार्थ मौजूद हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक ड्रग ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। इस खतरनाक नशे का नाम है फेंटेनिल। इसे दुनिया के सबसे घातक ड्रग्स में गिना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसकी थोड़ी सी मात्रा भी इंसान की जान लेने के लिए काफी हो सकती है। यही वजह है कि कई देशों में इसे साइलेंट किलर कहा जाने लगा है।

फेंटेनिल एक सिंथेटिक ओपिओइड ड्रग है, जिसे मूल रूप से गंभीर दर्द से राहत देने के लिए मेडिकल इस्तेमाल में बनाया गया था। डॉक्टर इसे खास परिस्थितियों में कैंसर या बड़ी सर्जरी के मरीजों को देते हैं। लेकिन, अवैध रूप से इसका गलत इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। बताया जाता है कि यह मॉर्फिन से लगभग 50 गुना और हेरोइन से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। इसकी यही ताकत इसे बेहद खतरनाक बनाती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि कई लोग अनजाने में भी इस ड्रग का शिकार हो जाते हैं। ड्रग तस्कर अक्सर इसे दूसरे नशीले पदार्थों में मिलाकर बेचते हैं, जिससे लेने वाले को इसकी सही मात्रा का अंदाजा नहीं लग पाता। कई मामलों में सिर्फ एक छोटी सी डोज़ लेने के बाद व्यक्ति की सांसें रुक जाती हैं और मौत हो जाती है।

कई देशों में लोग करते हैं इसका इस्तेमाल!

अमेरिका समेत कई देशों में यह एक बड़ा पब्लिक हेल्थ संकट बन चुका है। सरकारें और स्वास्थ्य एजेंसियां लोगों को इसके खतरे के बारे में लगातार जागरूक कर रही हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट पर भी युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। डॉक्टरों का मानना है कि किसी भी तरह का नशा जिंदगी को बर्बाद कर सकता है, लेकिन फेंटेनिल जैसे ड्रग्स का खतरा कई गुना ज्यादा है। इसलिए जरूरी है कि लोग जागरूक रहें, संदिग्ध पदार्थों से दूर रहें और नशे को कूल समझने की गलती कभी न करें।

ग्रेट बैरियर रीफ में मिली स्नफलपगस जैसी दिखने वाली अनोखी मछली

नई दिल्ली। ग्रेट बैरियर रीफ में समंदर के नीचे एक ऐसी मछली मिली है, जिसका चेहरा और शरीर हूबहू सेसमी स्ट्रीट के मिस्टर स्नफलपगस जैसा है। इसका चमकीला लाल-नारंगी रंग और शरीर पर मौजूद रेशे इसे बिल्कुल उस जैसा बनाते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट डेविड हरास्ती ने बताया कि एक बार इसे देखने के बाद आप इसकी तुलना करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। इस मछली की समानता इतनी ज्यादा थी कि शो की टीम ने भी इसका नाम स्नफलपगस रखने की मंजूरी दे दी है। जर्नल फिश बायोलॉजी में इसे सोलेनोस्टोमस स्नफलपगस के नाम से दर्ज किया गया है। इस मछली को खोजने की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। इसकी शुरुआत साल 2001 में पापुआ न्यू गिनी में एक डाइविंग के दौरान हुई थी। डेविड हरास्ती ने तब पहली बार एक अजीबोगरीब जीव को तैरते देखा था। उन्होंने उसकी कुछ तस्वीरें लीं और घर जाकर अपनी हर किताब छान मारी लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। डेविड को तब अहसास हुआ कि उन्होंने शायद एक ऐसी प्रजाति देखी है जो विज्ञान के लिए बिल्कुल नई है। इसके बाद कई सालों तक गोताखोरों ने इसे देखने का दावा तो किया लेकिन कोई भी पुख्ता सबूत या सैंपल नहीं जुटा सका. यह तलाश साल 2020 में जाकर खत्म हुई जब ऑस्ट्रेलिया के केर्न्स शहर के पास इसके दोबारा देखे जाने की खबर मिली. डेविड हरास्ती और उनके पार्टनर ग्राहम शॉर्ट ने इस मछली को ढूंढने के लिए मिशन शुरू किया। कई दिनों तक ग्रेट बैरियर रीफ के समुद्री शैवालों और मलबे की तलाश करने के बाद आखिरकार उन्हें सफलता मिली। उन्होंने इस प्रजाति के एक नर और एक मादा जोड़े को पकड़ा। गहन रिसर्च के बाद यह कंफर्म हो गया कि यह घोस्ट पाइपफिश की एक पूरी तरह से नई प्रजाति है। रिसर्चर्स ने इसके नामकरण के लिए 'सेसमी वर्कशॉप' की लीगल टीम से भी बात की।

नजारा

अंतरिक्ष से दिखती है भारत की यह रहस्यमयी झील

अंदर छुपा है 18 फीट का 'काल'!

नई दिल्ली। क्या आप किसी ऐसी जगह के बारे में सोच सकते हैं, जहां जमीन स्थिर नहीं बल्कि पानी पर तैरती है? एक ऐसी रहस्यमयी जगह है, जिसे देख वैज्ञानिक भी हैरान हैं। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि यहां कदम रखते ही आपका सामना 18 फीट लंबे 'काल' से भी हो सकता है! भारत के पूर्वोत्तर में प्रकृति ने एक ऐसा अनोखा और खौफनाक नजारा है, जिसने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और स्पेस एजेंसियों को चौंकाया है। हम बात कर रहे हैं भारत के मणिपुर में स्थित एक ऐसे अनोखे अजूबे का घर की, जिसे अंतरिक्ष से भी साफ देखा जा सकता है । वो है मणिपुर की लोकटक झील, जिसे भारत की तैरती हुई झील भी कहते हैं। इस झील की सबसे बड़ी खास बात है इसके गोल आकार के तैरते हुए द्वीप, जिन्हें स्थानीय भाषा में फुमदी कहते हैं।

तैरते द्वीप के पीछे का साइंस

ये फुमदी असल में सड़ी-गली वनस्पतियों, मिट्टी और ऑर्गेनिक मैटेरियल्स यानी जैविक पदार्थों से मिलकर बने ठोस का हिस्सा है। वैज्ञानिकों के अनुसार ये इतने मजबूत होते हैं कि इन पर इंसानी बस्तियां, मछुआरों की झोपड़ियां और जानवरों के ठिकाने भी मौजूद हैं।

कैसे काम करता है ये नेचुरल सिस्टम?

सूखे के मौसम में ये तैरते हुए द्वीप पानी कम होने की वजह से झील की सतह से चिपक जाते हैं, जिससे नीचे की मिट्टी से पोषक तत्व सोख सकें। जैसे ही बारिश आती है और पानी का लेवल बढ़ता है, ये वापस ऊपर तैरने लगते हैं। यूनेस्को की एक स्टडी में भी इस झील के खास इकोलॉजिकल सिस्टम को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। लगातार हिलने-डुलने के कारण इस झील का नजारा हर दिन बदलता रहता है।

दुनिया का इकलौता तैरता हुआ नेशनल पार्क

लोकटक झील के अंदर ही केबुल लामजाओ नेशनल पार्क भी है, जिसे दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क भी कह सकते हैं। यह पार्क बहुत ही दुर्लभ और विलुप्तप्राय संगाई हिरण का आखिरी नेचुरल घर भी है। इस तैरते हुए घास के मैदान में कई तरह के प्रवासी पक्षी और जलीय जीव भी रहते हैं। हालांकि, क्लाइमेट चेंज और मानवीय दखल के कारण इन फुमदी के पतले होने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे यहां के जीवों का अस्तित्व पर बड़ा खतरा है।

सबसे लंबे सांप कोबरा का कनेक्शन

इस दलदली और घने इलाके का एक डराने वाला दुनिया के सबसे लंबे जहरीले सांप किंग कोबरा का भी ठिकाना है। मणिपुर यूनिवर्सिटी के लाइफ साइंसेज विभाग के मुताबिक यहां पाए जाने वाले किंग कोबरा की लंबाई 18 फीट यानी करीब 5.6 मीटर तक हो सकती है। भले ही किंग कोबरा देखने में खतरनाक लगते हों, लेकिन ये इंसानों से दूर रहना पसंद करते हैं और दूसरे सांपों को खाकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हैं। घनी हरियाली, तैरते हुए रहस्यमयी द्वीप और दुर्लभ जीवों की मौजूदगी लोकटक झील को दुनिया के सबसे अनोखे और जैव-विविधता से भरपूर स्थानों में से एक बनाती है।

रोबोट वाला रेस्टोरेंट यहां रोबो दीदी टेबल तक पहुंचाती है खाना

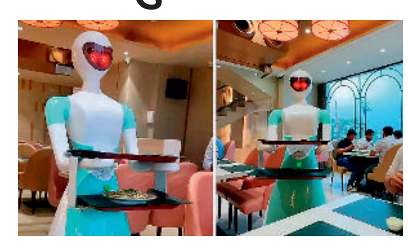

लखनऊ। गोरखपुर में पहली बार एक रोबोटिक रेस्टोरेंट शुरू हुआ है, जो नौका विहार के पास स्थित है। इस रेस्टोरेंट का नाम सावो रेस्टोरेंट है, जहां अब रोबोट ग्राहकों को खाना सर्व करता है और अनोखे अंदाज में उनका स्वागत भी करता है। यह रोबोट मेहमानों का 'नमस्ते, आप कैसे हैं?' कहकर स्वागत करता है और उनके जन्मदिन या शादी की सालगिरह पर बधाई भी देता है। खाना सर्व करने के बाद यह रोबोट खुद ही अपनी जगह पर वापस चला जाता है। इस रोबोट का नाम 'रोबो दीदी' रखा गया है और इसे हैदराबाद से लाया गया है। एक वीडियो में दिखाया गया है कि यह पूरा रोबोटिक सिस्टम रेस्टोरेंट के अंदर कैसे काम करता है। रोबोट स्टाफ- इसका नाम 'रोबो दीदी' है। यह रोबोट खाना परोसता है और मेहमानों का स्वागत करता है, जिसमें जन्मदिन और सालगिरह पर खास बधाई देना भी शामिल है। सर्विस का तरीका- यह रोबोट अपने-आप ही टेबलों तक पहुंच जाता है, लेकिन एक स्टाफ सदस्य टैबलेट के ज़रिए इसे निर्देश देता है और ग्राहक आमतौर पर इसकी ट्रे से अपना खाना ले लेते हैं। यह गोरखपुर के एक मशहूर इलाके, नौका विहार के पास मौजूद है।

कैसे काम करता है ये रोबोट

यह रोबोट पूरी तरह स्वचालित नहीं है। रेस्तरां का एक कर्मचारी टैबलेट के माध्यम से इसे कंट्रोल करता है। किचन के पास खड़े कर्मचारी रोबोट की दो मंजिला ट्रे में ग्राहकों का ऑर्डर रखते हैं। इसके बाद टैबलेट से संबंधित टेबल का निर्देश दिया जाता है और रोबोट भोजन लेकर वहां तक पहुंच जाता है। ग्राहक अपनी सीट पर बैठे-बैठे भोजन प्राप्त कर लेते हैं। हालांकि, ग्राहकों को ट्रे से खाना स्वयं उठाना पड़ता है। इस रेस्टोरेंट को लगभग 2 महीने ही खुले हुए हैं। लोगों का बहुत ही अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोशल

दामाद के लिए बनवाई डेढ़ किलो चांदी की कोल्हापुरी चप्पल

कोल्हापुर। महंगाई के इस दौर में सोना-चांदी भले ही आम लोगों की पहुंच से दूर होता जा रहा हो, लेकिन शौक और रिश्तों की गर्माहट जब एक साथ मिलती है, तो फिर कीमतें मायने नहीं रखतीं। कुछ ऐसा ही दिलचस्प और अनोखा नजारा महाराष्ट्र के कोल्हापुर से सामने आया है, जहां एक ससुर ने अपने दामाद के लिए ऐसा खास तोहफा तैयार करवाया है, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है।

कोल्हापुर में एक शख्स ने अपने दामाद के स्वागत को यादगार बनाने के लिए डेढ़ किलो चांदी की 'कोल्हापुरी चप्पल' बनवाई है। यह चप्पल न सिर्फ देखने में पारंपरिक है, बल्कि अपनी कीमती बनावट की वजह से भी लोगों का ध्यान खींच रही है। इस खास जोड़ी को तैयार करने के लिए कोल्हापुर के एक कारीगर ने करीब आठ दिनों तक कड़ी मेहनत की। चांदी की इस चप्पल की कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई जा रही है, जबकि इसे बनाने के लिए कारीगर को 22 हजार रुपए मजदूरी दी गई। जानकारी के मुताबिक, सांगली जिले के एक संपन्न परिवार से जुड़े ससुर ने अपने शौक और दामाद के स्वागत को खास बनाने के लिए यह फैसला लिया।

तपती रेत पर चलती है चांदी वाली चींटी ठंड पड़ते ही भाग जाती है पाताल में!

रेत का तापमान 70 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है

काहिरा। दुनिया के सबसे गर्म रेगिस्तानों में भी कुछ जीव इतनी खूबसूरती से अनुकूलित हो चुके हैं कि देखकर हैरानी होती है। सहारा रेगिस्तान की सिल्वर एंट या चांदी वाली चींटी इन्हीं में से एक है। यह चींटी दिन के सबसे गर्म समय में, जब रेत का तापमान 70 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, तब बाहर निकलकर घूमती है।

ठंड पड़ते ही यह तुरंत अपनी बिल में गायब हो जाती है। इस चींटी का वैज्ञानिक नाम कैटाग्लिफ़िस बॉम्बिसीना है। यह दुनिया की सबसे तेज चलने वाली चींटी भी है। यह अपनी बॉडी लेंथ से 108 गुना ज्यादा दूरी एक सेकंड में तय कर सकती है। यानी अगर इंसान की स्पीड इसी अनुपात में हो तो हम 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रहे होंगे।

खास है इसका रंग

सिल्वर एंट की सबसे बड़ी खासियत उसके शरीर पर मौजूद चांदी जैसे सूक्ष्म बाल हैं। ये बाल त्रिकोण आकार के होते हैं जो सूरज की रोशनी और निकट इंफ्रारेड किरणों को आकार देते हैं। इससे चींटी का शरीर गर्म नहीं होता। साथ ही ये बाल मिड-इंफ्रारेड रेडिएशन को बाहर निकालने में भी मदद करते हैं, यानी चींटी खुद को ठंडा रख पाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार ये बाल चींटी को 5 डिग्री तक ठंडा रख सकते हैं। यह चींटी दिन में सिर्फ 10-15 मिनट के लिए ही बाहर रहती है। इस दौरान वह गर्मी से मर चुके दूसरे कीड़ों के शवों को खाती है। इतनी गर्मी में बाहर निकलने का फायदा यह भी है कि उसके शिकारी छिपकर रह जाते हैं।

भावुक पल

60 साल के कुंवारे बुजुर्ग ने जीते जी करवाया अपना मृत्यु भोज

मर गया तो कौन करेगा मेरा पिंडदान

भोपाल। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से एक ऐसा हैरान और भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसकी चर्चा अब पूरे देश में हो रही है। अमूमन समाज में किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके परिजन मृत्यु भोज या भंडारे का आयोजन करते हैं। लेकिन, शिवपुरी के करैरा क्षेत्र के हाजीनगर गांव में रहने वाले एक बुजुर्ग ने जीते जी अपना मृत्यु भोज आयोजित कर डाला। इस अनोखे आयोजन में गांव और आसपास के इलाकों से करीब 7 हजार लोग शामिल हुए। हाजीनगर गांव के रहने वाले 60 वर्षीय कल्याण पाल अपने माता-पिता के इकलौते बेटे हैं। उन्होंने जीवनभर शादी नहीं की और वह अकेले ही रहते हैं। अविवाहित होने के कारण कल्याण पाल के मन में लंबे समय से एक ही चिंता घर कर गई थी कि उनके मरने के बाद उनका अंतिम संस्कार कौन करेगा?

खुद खड़े होकर कराया 7 हजार लोगों को भोजन

16 मई को धार्मिक अनुष्ठान पूरा होने के बाद दोपहर करीब 4 बजे से बड़े स्तर पर मृत्यु भोज का भंडारा शुरू हुआ। इस आयोजन में और आम मृत्यु भोज में फर्क सिर्फ इतना था कि जिसका मृत्यु भोज था, वह बुजुर्ग खुद मुस्कुराते हुए मेहमानों का स्वागत कर रहा था। इस भंडारे में करीब 6 से 7 हजार ग्रामीणों ने भोजन किया, जिसके लिए बैठने की विशेष व्यवस्था की गई थी।

अब सुकून से मर सकूंगा : इस भावुक कर देने वाले आयोजन के बाद कल्याण पाल ने कहा, 'इंसान को जीवन में सबसे बड़ा सुकून तब मिलता है, जब वह अपनी जिम्मेदारियां पूरी कर ले। मुझे हमेशा डर था कि मेरे बाद मेरे संस्कार अधूरे रह जाएंगे। लेकिन, अब जब भी मौत आएगी, मैं सुकून से मर सकूंगा, क्योंकि मैं अपने सारे कर्मकांड अपनी आंखों के सामने देख चुका हूं।'

अस्थि विसर्जन की निभाई परंपरा, किया गंगा स्नान

कल्याण पाल ने अपने इस संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी तैयारी की थी। इस आयोजन से दो दिन पहले वह खुद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (त्रिवेणी संगम) पहुंचे। वहां उन्होंने बकायदा अपने ही नाम से विधि-विधान के साथ वे सारे कर्मकांड और पूजन कराए, जो किसी की मृत्यु के बाद किए जाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने अस्थि विसर्जन की परंपरा की तरह गंगा स्नान भी किया और फिर अपने गांव लौट आए। गांव लौटने के बाद उन्होंने 15 मई से अपने घर पर 24 घंटे का अखंड 'सीताराम रामधुन पाठ' शुरू करवाया, जिससे पूरे गांव का माहौल धार्मिक हो गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :